रायपुर। मंगलवार, 18 अगस्त, 2026
श्रावण शुक्ल पक्ष षष्ठी, सिद्धार्थि संवत्सर विक्रम संवत 2083
वर्ष : 1, अंक : 16 / मूल्य 3.00 रुपए। पृष्ठ 12

दैनिक
विश्व केसरी
सिर्फ पत्रकारिता...

छत्तीसगढ़ एवं नई दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

vishwakesari.com
@vishwakesariTV
@vishwakesari
vishwa_kesari_official
@VishwaKesari

@ प्रदेश गीतिका जाखड़ : अर्जुन अवार्ड से सम्मानित होने...
@ विचार बदामी से ऐहोल, पट्टदकल और हम्पी : जहां पत्थरों...
@ व्यापार भारतीय शेयर बाजार लाल निशान में बंद...

भारत में बेरोजगारी दर जुलाई में घटकर 5.1 प्रतिशत रही

रोजगार की स्थितियों में सुधार हुआ है

एजेंसी ■ मुंबई

मुंबई। भारत में बेरोजगारी दर 15 वर्ष और उससे अधिक आयु वर्ग में जुलाई में कम होकर 5.1 प्रतिशत हो गई है। इसमें सालाना आधार और मासिक आधार दोनों में गिरावट देखी गई है। यह जानकारी सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय की ओर से सोमवार को जारी डेटा में दी गई।

मंत्रालय की ओर से जारी डेटा में कहा गया कि जुलाई 2026 में पुरुषों और महिलाओं दोनों की बेरोजगारी दर पिछले महीने की तुलना में कम हुई, जिससे पता चलता है कि दोनों ही वर्गों के लिए रोजगार की स्थितियों में सुधार हुआ है। ग्रामीण इलाकों में, जुलाई 2026 में बेरोजगारी दर पिछले महीने के 5 प्रतिशत से घटकर तेजी से 4.5 प्रतिशत हो गई। इसी दौरान, शहरी इलाकों में बेरोजगारी दर 6.6 प्रतिशत के मुकाबले लगभग स्थिर रही और 6.7 प्रतिशत पर बनी रही।

जुलाई 2025 की तुलना में, जुलाई 2026 में कुल बेरोजगारी दर और ग्रामीण बेरोजगारी दर मोटे तौर पर स्थिर रही, जबकि शहरी बेरोजगारी दर जुलाई 2025 के 7.2 प्रतिशत से 0.5 प्रतिशत अंक घटकर जुलाई 2026 में 6.7 प्रतिशत हो गई। कुल श्रम बल भागीदारी दर (एसएफपीआर) 15 वर्ष और उससे अधिक आयु वर्ग में जुलाई 2026 में बढ़कर 55.4 प्रतिशत हो गई है, जो कि जून 2026 में 54.4 प्रतिशत थी।

ग्रामीण इलाकों में एलएफपीआर (15 वर्ष और उससे अधिक आयु वर्ग में) पिछले महीने के मुकाबले 1.4 प्रतिशत बढ़कर जुलाई 2026 में 58 प्रतिशत हो गई है। वहीं, शहरी इलाकों में एलएफपीआर जून 2026 के 50.1 प्रतिशत से बढ़कर 50.4 प्रतिशत हो गया है। 15 वर्ष और उससे अधिक आयु वर्ग की महिलाओं में एलएफपीआर जुलाई 2026 में बढ़कर 34.4 प्रतिशत हो गया है, जो कि पिछले महीने के मुकाबले 1.7 प्रतिशत अधिक है। जून में यह आंकड़ा 32.7 प्रतिशत पर था।

आंकड़ों के मुताबिक, कुल कामगार जनसंख्या अनुपात (डब्ल्यूपीआर) 15 वर्ष और उससे अधिक आयु वर्ग में जुलाई 2026 में बढ़कर 52.5 प्रतिशत हो गया है। फरवरी 2026 के बाद यह पहला मौका है, जब डब्ल्यूपीआर में इजाफा देखा गया है। इससे पहले जून 2026 में डब्ल्यूपीआर 51.4 प्रतिशत था। ग्रामीण इलाकों में 15 वर्ष और उससे अधिक आयु वर्ग में डब्ल्यूपीआर जुलाई में 55.4 प्रतिशत रहा है। इसमें जून 2026 के मुकाबले 1.6 प्रतिशत और जुलाई 2026 के मुकाबले एक प्रतिशत का इजाफा हुआ है। खास बात यह है कि ग्रामीण महिलाओं का डब्ल्यूपीआर जून 2026 में 34.7 प्रतिशत से 2.5 प्रतिशत अंक बढ़कर जुलाई 2026 में 37.2 प्रतिशत हो गया और इसी दौरान शहरी महिलाओं का डब्ल्यूपीआर 22.7 प्रतिशत से बढ़कर 23.1 प्रतिशत हो गया। इसी दौरान शहरी इलाकों में डब्ल्यूपीआर मामूली रूप से बढ़कर 46.8 प्रतिशत से 47.0 प्रतिशत हो गया।

नौसेना को लीज पर मिलेंगे एमक्यू-9बी सी गार्डियन विमान

एजेंसी ■ नई दिल्ली

भारतीय नौसेना की समुद्री निगरानी और खुफिया क्षमताओं को और मजबूत मिलने जा रही है। इस दिशा में रक्षा मंत्रालय ने सोमवार को अमेरिकी कंपनी जनरल एटॉमिक्स एयरोनॉटिकल सिस्टम्स इंक. के साथ एक महत्वपूर्ण समझौता किया।

इस समझौते के तहत भारतीय नौसेना के लिए 2, एमक्यू-9बी सी गार्डियन हाई एल्टीट्यूड लॉन्ग एंड्योरेंस रिमोटली पायलटेड एयरक्राफ्ट सिस्टम लीज पर लिए जाएंगे। ये एयरक्राफ्ट के आने से हिंद महासागर क्षेत्र में नौसेना की निगरानी क्षमता बढ़ेगी। भारतीय नौसेना इसकी मदद से पूरी क्षेत्र पर विशेष नजर बनाए रख सकेगी। यह दोनों एमक्यू-9बी सी गार्डियन हाई एल्टीट्यूड लॉन्ग एंड्योरेंस रिमोटली पायलटेड एयरक्राफ्ट 30 महीने की अवधि के लिए भारतीय नौसेना को लीज पर मिलेंगे।

रक्षा मंत्रालय ने बताया कि इस समझौते की कुल कीमत करीब 1,943 करोड़ रुपए है। एमक्यू-9बी सी गार्डियन अत्याधुनिक प्रणालियों, आधुनिक सेंसर और उन्नत पेलोड से लैस हैं। इनकी तैनाती से भारतीय नौसेना की समुद्री क्षेत्र जागरूकता क्षमता में महत्वपूर्ण बढ़ोतरी होने की उम्मीद है। इन विमानों की सबसे बड़ी विशेषता समुद्री क्षेत्र के बड़े हिस्से में लगातार खुफिया, निगरानी और टोही क्षमता उपलब्ध कराना है। इसके जरिए भारतीय नौसेना हिंद महासागर क्षेत्र में काफी लंबी अवधि तक समुद्री गतिविधियों पर नजर रख सकेगी।

अमेरिकी कंपनी के साथ हुए समझौते पर 17 अगस्त को नई दिल्ली स्थित कर्तव्य भवन-2 में रक्षा मंत्रालय के अतिरिक्त सचिव एवं महानिदेशक (अधिग्रहण) ए. अनबरासु की मौजूदगी में हस्ताक्षर किए गए। रक्षा विशेषज्ञों के मुताबिक एमक्यू-9बी सी गार्डियन को इस तरह डिजाइन किया गया है कि यह लंबे समय तक हवा में रहकर समुद्री क्षेत्र की निगरानी कर सकता है। इससे समुद्र में जहाजों की आवाजाही, संदिग्ध गतिविधियों और अन्य महत्वपूर्ण घटनाक्रमों की निगरानी में नौसेना को मदद मिलेगी। दरअसल भारत के लिए हिंद महासागर क्षेत्र रणनीतिक रूप से बेहद महत्वपूर्ण है। इस क्षेत्र में लगातार बढ़ती समुद्री गतिविधियों और सुरक्षा चुनौतियों के बीच समुद्री निगरानी क्षमता को मजबूत करना भारतीय नौसेना की प्रमुख प्राथमिकताओं में शामिल है।

रक्षा मंत्रालय के अनुसार, एमक्यू-9बी सी गार्डियन से मिलने वाली लगातार निगरानी क्षमता भारत की समुद्री क्षेत्र में घटनाक्रमों पर नजर रखने और जरूरत पड़ने पर तेजी से प्रतिक्रिया देने की क्षमता को मजबूत करेगी। यह लीज करार ऐसे समय हुआ है जब भारत हिंद महासागर क्षेत्र में अपनी समुद्री सुरक्षा और निगरानी व्यवस्था को लगातार आधुनिक बना रहा है। 30 महीने की अवधि के लिए इन 2 विमानों की उपलब्धता से नौसेना को तत्काल परिचालन क्षमता में बढ़ोतरी हासिल करने में मदद मिलेगी।

सक्षिप्त खबर

आतंकी गुट शहजाद भट्टी नेटवर्क का खात्मा

200 से अधिक दहशतगर्द गिरफ्तार : शाह

नई दिल्ली। स्वतंत्रता दिवस से पहले आईएसआई समर्थित शाहजाद भट्टी नेटवर्क (एसबीएन) के खिलाफ सुरक्षा एजेंसियों ने बड़ी बहु-राज्यीय कार्रवाई कर इस आतंकी सिंडिकेट का भंडाफोड़ किया है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व और गृह मंत्री अमित शाह के मार्गदर्शन में सीमा-पार आतंकवाद के प्रति जीरो टॉलरेंस की नीति के तहत 14 राज्यों में 253 लोग हिरासत में लिए गए हैं और नेटवर्क के खिलाफ 80 से अधिक एफआईआर और 200 से अधिक गिरफ्तारियां की गई हैं। केंद्रीय गृह मंत्री ने 'एक्स' पर पोस्ट में कहा, 'मोदी सरकार ने स्वतंत्रता दिवस से पहले आईएसआई समर्थित आतंकी समूह 'शहजाद भट्टी नेटवर्क' को खत्म कर दिया और संगठन के 200 से ज्यादा सदस्यों को गिरफ्तार कर उसके खतरनाक हमलों के मंसूबों को नाकाम कर दिया।

पीएम मोदी ने बीरभूम आग हादसे पर जताया दुख

नई दिल्ली। पश्चिम बंगाल के बीरभूम जिले के तारापीठ पुलिस स्टेशन के पास एक तालाब के किनारे स्थित विदेशिनी होटल में लगी आग को लेकर प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) की ओर से दुख जाहिर किया गया। साथ ही, जिन लोगों ने इस हादसे में अपनी जान गंवाई, उनके प्रति भी संवेदना प्रकट की गई। इसके साथ ही मृतकों के परिजनों और घायलों के लिए आर्थिक मदद की भी घोषणा की गई है।

मछुआरों के लिए जीवन रक्षक बना एनडीएमए का 'सचेत' ऐप

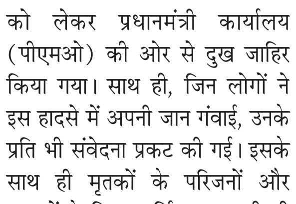

वलसाड। प्राकृतिक आपदा के दौरान सरकार और प्रशासन की सबसे बड़ी प्राथमिकता होती है जान-माल के नुकसान को कम से कम करना। ऐसे में नेशनल डिजास्टर मैनेटमेंट अथॉरिटी यानी एनडीएमए द्वारा विकसित 'सचेत' ऐप और 'सचेत नेशनल डिजास्टर अलर्ट पोर्टल' इस दिशा में जीवन रक्षक साबित हो रहा है। गुजरात में किसानों, मछुआरों और आम नागरिकों को कॉमन अलर्टिंग प्रोटोकॉल (सीएपी) और जियो-फेंसिंग टेक्नोलॉजी पर आधारित 'सचेत ऐप' के माध्यम से स्थानीय स्तर पर साइक्लोन, तेज बारिश, आकाशीय बिजली, बाढ़ और हीट वेव जैसी आपदाओं के बारे में रियल-टाइम चेतावनी मिल रही है।

दुष्कर्म कर हत्या करने वाला मनोरोगी आरोपी गिरफ्तार

संवाददाता ■ रायपुर

रायपुर के मुजगहन थाना क्षेत्र में महिला की हत्या और दूसरी महिला से मारपीट के मामले का पुलिस ने खुलासा किया है। पुलिस ने दोनों मामलों में देवेन्द्र कुमार साहू उर्फ राकेश उर्फ मंछला (29) को गिरफ्तार किया है। पूछताछ में आरोपी ने महिला से दुष्कर्म के बाद उसकी हत्या करने की बात स्वीकार की है।

पुलिस के मुताबिक, 21 जुलाई 2026 को न्यू स्वागत विहार के पास एक खाली प्लॉट में भरे पानी में महिला का शव मिला था। उसके शरीर पर चोट और खरोंच के निशान थे। पोस्टमॉर्टम में महिला की मौत पानी में डूबने से दम घुटने के कारण होना सामने आया।

इसी तरह 5 अगस्त की रात सेजबहार में एक महिला घर जा रही थी। तभी आरोपी ने पीछे से आकर उसे गाली दी और जान से मारने की धमकी देते हुए नाली में गिरा दिया। इसके बाद उसके साथ मारपीट की। महिला के शोर मचाने पर आरोपी वहां से भाग गया। जांच में सामने आया कि आरोपी अकेली महिला को देखकर निशाना बनाता था। साइकिल से उनका पीछा करता था। सुनसान जगह पाकर उनपर हमला कर देता था। पुलिस के अनुसार आरोपी पहले भी महिला अपराध संबंधी मामलों में जेल जा चुका है।

पुलिस ने 8 से ज्यादा टीमें बनाई

दोनों मामलों को गंभीरता से लेते हुए पुलिस ने 8 से ज्यादा टीमें बनाई थीं। टीमों ने घटनास्थल और आसपास के रास्तों पर लगे सैकड़ों CCTV कैमरों की फुटेज खंगाली। संदिग्ध लोगों से पूछताछ के साथ तकनीकी साक्ष्यों और पुराने अपराधों की भी जांच की गई। इसी दौरान पुलिस को देवेन्द्र के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी मिली। आरोपी देवेन्द्र कुमार साहू अविवाहित है। अक्सर महिलाओं को अकेले देखकर उनका साइकिल से पीछा करता था।

नेपाल के राष्ट्रपति ने जनरल धीरज सेठ को प्रदान की नेपाली 'जनरल' की मानद रैंक

एजेंसी ■ नई दिल्ली

भारत और नेपाल के बीच दशकों पुरानी सैन्य परंपरा को आगे बढ़ाते हुए नेपाल के राष्ट्रपति रामचंद्र पौडेल ने सोमवार को भारतीय थल सेना प्रमुख जनरल धीरज सेठ को नेपाली सेना के जनरल की मानद रैंक प्रदान की। जनरल धीरज सेठ को काठमांडू स्थित राष्ट्रपति भवन में आयोजित एक विशेष अलंकरण समारोह में यह मानद रैंक प्रदान किया गया।

दरअसल, जनरल धीरज सेठ को नेपाली सेना के जनरल की मानद रैंक प्रदान किया जाना केवल एक औपचारिक सम्मान नहीं है, बल्कि यह भारत और नेपाल के बीच कायम विशेष सैन्य संबंधों की एक अनूठी और वर्षों पुरानी परंपरा का हिस्सा है। इस परंपरा के तहत, भारत और नेपाल एक-दूसरे के सेना प्रमुखों को अपने-अपने सैन्य जनरल की मानद रैंक प्रदान करते हैं। यह परंपरा दोनों सेनाओं के बीच कायम निकट संबंधों और सैन्य भाईचारे का महत्वपूर्ण प्रतीक मानी जाती है। भारतीय सेना के अनुसार, यह पारस्परिक सम्मान केवल समारोह तक सीमित नहीं है। यह दोनों सेनाओं के बीच आपसी विश्वास, पेशेवर सम्मान और सैन्य सौहार्द की संस्थागत अभिव्यक्ति है। समय के साथ दोनों देशों में सैन्य नेतृत्व की कई पीढ़ियां बदलती रही हैं, लेकिन यह परंपरा लगातार कायम रही है। यही वजह है कि जनरल धीरज सेठ को प्रदान किया गया यह सम्मान परंपरा के साथ रणनीतिक निरंतरता का भी प्रतीक है। यह समारोह भारतीय सेना और नेपाली सेना की उस प्रतिबद्धता को भी रेखांकित करता है, जिसके तहत दोनों सेनाएं अपने विशिष्ट और ऐतिहासिक सैन्य संबंधों को बनाए रखते हुए आपसी हित वाले क्षेत्रों में सहयोग को और मजबूत करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। रक्षा विशेषज्ञों का कहना है कि जनरल धीरज सेठ को नेपाली सेना के जनरल की मानद रैंक प्रदान किए जाने से दोनों सेनाओं के बीच दोस्ती और सहयोग के विशेष संबंध और मजबूत हुए हैं।

नितीन नवीन की राष्ट्रीय टीम में रूपकुमारी चौधरी और दीपक म्हस्के को मिली जगह

संवाददाता ■ रायपुर

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन सोमवार को अपनी नई टीम का ऐलान किया गया है। इस टीम में पार्टी को मजबूती प्रदान करने के मकसद से कई अहम चेहरों को जगह दी गई है। पार्टी की ओर से इस संबंध में अधिसूचना भी जारी कर दी गई।

पार्टी की ओर से राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष की जिम्मेदारी पीयूष गोयल, राष्ट्रीय सह कोषाध्यक्ष की जिम्मेदारी राजेश मंगल को दी गई है। वहीं, राष्ट्रीय महामंत्री की जिम्मेदारी बी.एल संतोष को दी गई है। उधर, सहायक मंत्री पद की जिम्मेदारी शिप्रकाश और सौदान सिंह को दी गई है।

वरिष्ठ नेता स्मृति ईरानी को राष्ट्रीय महासचिव और वंसुधरा राजे को उपाध्यक्ष की जिम्मेदारी दी गई। इसके अलावा तीरथ सिंह रावत, राम माधव, बैजयंत पांडा, डी पुरंदेश्वरी, रेखा वर्मा, वर्षाबेन नरेंद्र भाई दोशी, भारती प्रवीण पवार, मनप्रीत सिंह बादल, लाला सिंह आर्य, एम नागराज, तारिक मंसूर, मधुचंद्र कर को उपाध्यक्ष पद की जिम्मेदारी दी गई है। उपाध्यक्ष पद के लिए पार्टी की ओर से 13 नेताओं को जिम्मेदारी दी गई है। वहीं, पार्टी की ओर से महामंत्री पद के लिए आठ नेताओं के नाम पर मुहर लगाई गई। इसमें प्रमुख रूप से विनोद तावड़े, सुनील बंसल, बिप्लव कुमार देव, स्मृति ईरानी, सतीश पुनिया, गजेंद्र पटेल, हरीश द्विवेदी और संजय भाटिया का नाम शामिल है।

साथ ही, राष्ट्रीय मंत्री पद पर प्रमुख रूप से कविता पाटीदार, के सुरेंद्रन, भोला सिंह, प्रदीप यादव , जगदीश ईश्वर भाई पटेल, संदीप पाठक, फांग्नोन कोन्यक, संगीता यादव, अनिल एंटनी, एम वेंकटेशन, मनोज टिग्गा, सिद्धार्थ शंभु, स्वदेश सिंह, मृगांका देव बर्मन, रोहन गुप्ता और जय प्रकाश का नाम शामिल है। वहीं, नितिन नवीन ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पोस्ट में कहा, ''भारतीय जनता पार्टी की राष्ट्रीय टीम के सभी नवनियुक्त पदाधिकारियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं।

तीर तेवर — सागर कुमार

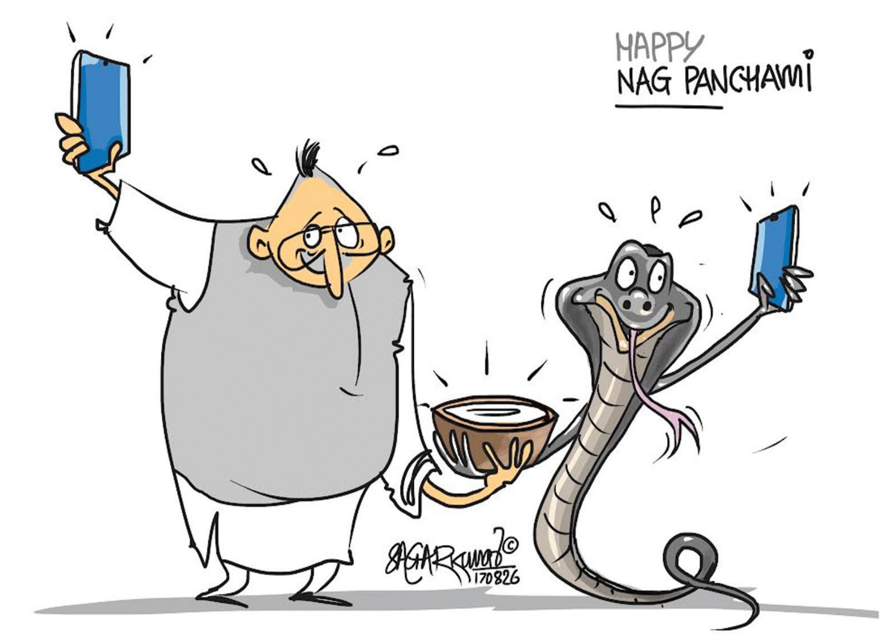

सरकार ने पत्रकार कॉलोनी के निदेशक मंडल को वित्तीय अनियमितताओं में भंग किया

संवाददाता ■ रायपुर

राजधानी पत्रकार गृह निर्माण सहकारी समिति, रायपुर में वित्तीय अनियमितताओं और नियमों के उल्लंघन के गंभीर आरोपों के चलते अध्यक्ष प्रेम पाठक और उनकी संचालक मंडल टीम पर बड़ी कार्रवाई की है।

सहकारिता विभाग की अंतरिम जांच रिपोर्ट में समिति की राशि के भुगतान में अनियमितता, धन के दुरुपयोग तथा अनधिकृत व्यक्तियों एवं संस्थाओं को भुगतान/अंतरण की पुष्टि हुई। इसके बाद सरकार ने 14 अगस्त 2026 को संचालक मंडल को भंग कर समिति का संचालन प्रशासक को सौंप दिया।

जांच के दौरान यह भी सामने आया कि समिति के बैंक खातों से कई संदिग्ध लेन-देन किए गए। रिकॉर्ड के अनुसार समिति की राशि का भुगतान सीधे सीआईएमटी हॉस्पिटल के खाते में किया गया, जो कि दानसिंह देवांगन से जुड़ा हुआ संस्थान बताया गया है। उल्लेखनीय है कि दानसिंह देवांगन स्वयं राजधानी पत्रकार गृह निर्माण सहकारी समिति के बैंक साइनिंग अथॉरिटी में शामिल थे, जिससे हितों के टकराव और वित्तीय पारदर्शिता पर गंभीर सवाल खड़े हुए हैं। जाँच में यह पता चला कि समिति के खाते से अध्यक्ष के रिश्तेदारों को पैसे मिले ।

आधिकारिक आदेश के अनुसार, यह जांच सदस्य सुनील नामदेव की शिकायत पर शुरू की गई थी, जिसमें कई गंभीर अनियमितताएं सामने आईं। जांच

आकांक्षा यादव प्रशासक नियुक्त

रिपोर्ट में पाया गया कि समिति की राशि का भुगतान निर्धारित प्रक्रिया का पालन किए बिना किया गया, जिससे समिति को आर्थिक नुकसान हुआ। साथ ही यह भी सामने आया कि वार्षिक आमसभा नियमों के अनुसार आयोजित नहीं की गई, पंजीकृत पते में बिना प्रक्रिया के बदलाव किया गया तथा आवश्यक अभिलेखों का समुचित संधारण नहीं किया गया।

सरकार ने संचालक मंडल के सभी सदस्यों को कारण बताओ नोटिस जारी कर स्पष्टीकरण मांगा था। पूर्व उपाध्यक्ष सुनीता तिवारी ने अपने जवाब में बताया कि अध्यक्ष प्रेम पाठक द्वारा कथित रूप से भ्रष्टाचार का पूरा षड्यंत्र रचा गया है और उन्होंने तत्काल प्रभाव से संचालक मंडल को भंग करने की मांग की। विभाग ने उनके जवाब को गंभीरता से लेते हुए रिकॉर्ड में शामिल किया, हालांकि अंतिम निर्णय जांच निष्कर्षों के आधार पर लिया गया।

वहीं अध्यक्ष प्रेम पाठक को भी जवाब देने का अवसर दिया गया, लेकिन उन्होंने निर्धारित समय में जवाब देने के बजाय अतिरिक्त समय की मांग की। सरकार ने उन्हें समय देने से इनकार कर दिया और उपलब्ध दस्तावेजों के आधार पर ही आगे की कार्रवाई की गई।

सहकारिता विभाग ने अपने आदेश में कहा कि संचालक मंडल ने अपने वैधानिक दायित्वों के निर्वहन में गंभीर लापरवाही और कर्तव्यों के प्रति उदासीनता बरती है। इसी आधार पर छत्तीसगढ़ सहकारी सोसायटी अधिनियम की धारा 49(8) के तहत वरिष्ठ सहकारी निरीक्षक आकांक्षा यादव को प्रशासक नियुक्त किया गया है। उन्हें छह माह के भीतर नए संचालक मंडल के चुनाव की प्रक्रिया प्रारंभ करने के निर्देश दिए गए हैं।

केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान 'शक्ति की सप्तधारा' प्रतिज्ञा का नेतृत्व करेंगे

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। केंद्रीय कृषि और ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान मंगलवार को राष्ट्रीय राजधानी के पूसा कैंपस में दोनों मंत्रालयों के अधिकारियों को शपथ दिलाएंगे। यह शपथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा स्वतंत्रता दिवस के भाषण में बताई गई 'शक्ति की सप्तधारा' पहल के तहत दिलाई जाएगी।

यह कार्यक्रम अलग-अलग विभागों के रोडमैप, 'लखपति दीदी' पहल के विस्तार और किसानों व ग्रामीण समुदायों के हितों से जुड़े अहम फैसलों पर केंद्रित होगा। बैठक का मकसद 2047 तक 'विकसित भारत' के विजन को खेती और ग्रामीण विकास के लिए एक साफ और अमल में लाने लायक रोडमैप में बदलना है।

बयान में कहा गया है कि प्रगतिशील किसान, लखपति दीदियां, कृषि निर्यातक और फूड प्रोसेसर भी इस कार्यक्रम में हिस्सा लेंगे। 'शक्ति की सप्तधारा' खेती और ग्रामीण भारत के लिए एक अहम दिशा देती है और सरकार लोगों पर केंद्रित कार्यक्रमों, पारदर्शी निगरानी और असरदार तरीके से लागू करने के जरिए इस विजन को हकीकत में बदलने के लिए काम करेगी।

मंत्री ने कहा, 'हमारा मकसद पक्का करना है कि किसानों और ग्रामीण महिलाओं को सीधा फायदा मिले और हमारी कोशिश है 2047 तक 'विकसित भारत' के सपने को पूरा करने में योगदान दें। इस दिशा में, हम विभागों के रोडमैप की समीक्षा करेंगे और उन्हें तेजी से लागू करने के लिए काम करेंगे।

स्वतंत्रता दिवस पर अपने भाषण में, पीएम मोदी ने 'शक्ति की सप्त धारा' का जिक्र किया था, जिसमें खेती और खाद्य उत्पादन को मजबूत करना, फूड प्रोसेसिंग को बढ़ावा देना और ग्लोबल मार्केट तक पहुंच बढ़ाना जैसी अहम प्राथमिकताएं शामिल हैं।

प्रधानमंत्री ने वैश्विक संकट और अनिश्चितताओं के बीच किसानों को सब्सिडी वाली कीमतों पर खाद उपलब्ध कराने के सरकार के संकल्प को भी दोहराया। उन्होंने किसानों के लिए, खासकर खेती और समुद्री उत्पादों (सीफूड सहित) के क्षेत्र में, नए ग्लोबल मार्केट और मौके बनाने की जरूरत पर जोर दिया। आत्मनिर्भरता पर ध्यान देना भी एजेंडे का एक अहम हिस्सा है।

ग्रामीण विकास मंत्रालय का 'लखपति दीदी' कार्यक्रम 18 अगस्त की बैठक का एक अहम केंद्र होगा। तीन करोड़ ग्रामीण महिलाएं पहले ही 'लखपति दीदी' बन चुकी हैं, और प्रधानमंत्री ने इस संख्या को छह करोड़ तक ले जाने का नया लक्ष्य तय किया है।

केंद्रीय मंत्री कार्यक्रम के विस्तार और इस लक्ष्य को हासिल करने के लिए अमल के रोडमैप पर चर्चा करेंगे।

कतर से भारत पैसे भेजना हुआ आसान, यूपीआई आधारित पोस्ट ट्रांसफर सेवा शुरू

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। कतर में रहने वाले भारतीय लोगों के लिए अब देश में पैसे भेजने का काम आसान हो गया है। कतर पोस्ट ने यूपीआई द्वारा संचालित रेमिटेंस सर्विस शुरू कर दी है, जिससे भारत में एलिजिबल बैंक अकाउंट में सीधे पैसे ट्रांसफर किए जा सकते हैं।

यूपीआई संचालित पोस्ट ट्रांसफर पर आधारित कतर-भारत रेमिटेंस सेवा उपलब्ध है। इसके जरिए कतर में ग्राहक कतर पोस्ट के आउटलेट्स के माध्यम से सीधे भारत में यूपीआई-सक्षम बैंक खातों में पैसे भेज सकते हैं। इस सेवा को कतर पोस्ट, इंडिया पोस्ट, यूनिवर्सल पोस्टल यूनियन के इंटरकनेक्शन प्लेटफॉर्म (यूपीयू-आईपी) और एनपीसीआई इंटरनेशनल पेमेंट्स लिमिटेड (एनआईपीएल) के सहयोग से विकसित किया गया है।

इस पहल में डाक नेटवर्क की व्यापक पहुंच को भारत के डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर के साथ जोड़ा गया है, ताकि सीमा-पार धन प्रेषण के लिए एक कुशल और सुविधाजनक माध्यम उपलब्ध हो सके। यह सेवा कतर में 15 अगस्त 2026 को, भारत के स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर शुरू की गई। इस मौके पर कतर में भारत के दूतावास के कार्यवाहक राजदूत संदीप कुमार ने दोहा के लुलु मॉल स्थित कतर पोस्ट आउटलेट का दौरा किया और हितधारकों से बातचीत की। इस कार्यक्रम ने भारत और कतर के बीच डिजिटल वित्तीय संपर्क और द्विपक्षीय सहयोग को मजबूत करने में इस पहल के महत्व को उजागर किया। इस सेवा के तहत ग्राहक कतर पोस्ट के किसी आउटलेट पर जाकर रेमिटेंस शुरू कर सकते हैं। इसके लिए उन्हें भारत में प्राप्तकर्ता की यूपीआई आईडी और जरूरी पहचान संबंधी विवरण देने होंगे। प्राप्तकर्ता को भी अपने यूपीआई ऐप के जरिए विदेश से आने वाली धनराशि प्राप्त करने की सुविधा को सक्रिय करना होगा। एक बार सक्रिय होने के बाद, भेजी गई राशि तुरंत लाभार्थी के यूपीआई-सक्षम बैंक खाते में जमा हो जाएगी। लेन-देन कतरी रियाल क्यूएआर 10 से क्यूएआर 4,000 तक की राशि के लिए किया जा सकता है।

सरकारी अधिकारियों को आम लोगों से नियमित तौर पर मिलना चाहिए : राजनाथ सिंह

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह का कहना है कि सरकारी अधिकारियों को नियमित रूप से आम लोगों के बीच जाना चाहिए। लोगों से सीधे संवाद करने और उनकी समस्याओं को सुनने से अधिकारियों को जमीनी स्तर की वास्तविक परिस्थितियों को समझने में मदद मिलेगी।

उन्होंने कहा कि अधिकारियों को लोगों की शिकायतों और चिंताओं को गंभीरता से सुनना चाहिए। लोगों को यह भरोसा दिलाना चाहिए कि सरकार उनकी समस्याओं के समाधान के लिए प्रतिबद्ध है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने सोमवार को नई दिल्ली में भारतीय रक्षा संपदा सेवा के 2025 बैच के प्रशिक्षु अधिकारियों से मुलाकात के दौरान ये बातें कहीं।

रक्षा मंत्री ने कहा कि बदलती परिस्थितियों में नागरिकों की बढ़ती आकांक्षाओं को पूरा करने में लोक सेवकों की भूमिका बेहद महत्वपूर्ण है। उन्होंने प्रशिक्षु अधिकारियों से कहा कि वे अपने दायित्वों का निर्वहन पूरी 'सेवा भावना' के साथ करें और लोगों को सुविधाजनक, संवेदनशील तथा जनहितैषी तरीके से सेवाएं उपलब्ध कराने को प्राथमिकता दें।

गौरतलब है कि ये अधिकारी राष्ट्रीय रक्षा संपदा प्रबंधन संस्थान में प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे हैं। इस दौरान रक्षा मंत्री ने रक्षा संपदा विभाग की भूमिका और देशभर में रक्षा भूमि के प्रबंधन तथा छावनी बोर्डों के नगर प्रशासन में उसके योगदान की सराहना की। रक्षा मंत्री ने रक्षा संपदा विभाग की जिम्मेदारियों का उल्लेख करते हुए कहा कि देशभर में रक्षा भूमि का प्रभावी प्रबंधन और छावनी क्षेत्रों में नागरिक प्रशासन महत्वपूर्ण दायित्व हैं। रक्षा संपदा विभाग रक्षा भूमि से जुड़े प्रशासनिक मामलों के साथ-साथ छावनी बोर्डों के माध्यम से विभिन्न नागरिक सुविधाओं और नगर प्रशासन से संबंधित कार्यों में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

उन्होंने प्रशिक्षु अधिकारियों से कहा कि वे प्रशिक्षण के दौरान प्रशासनिक प्रक्रियाओं और नियमों की जानकारी हासिल करने के साथ-साथ जन-केंद्रित प्रशासन की भावना को भी अपने कार्य का हिस्सा बनाएं।

उन्होंने अधिकारियों को अपने दायित्वों में पारदर्शिता, संवेदनशीलता और जवाबदेही बनाए रखने पर जोर दिया।

महाराष्ट्र : गिरीश महाजन नासिक के संरक्षक मंत्री बनाए गए, भरत गोगावले को रायगढ़ का जिम्मा मिला

विश्व केसरी ■

मुंबई। रायगढ़ और नासिक के लिए सरंक्षक (प्रभारी) मंत्री नियुक्त करने का लंबे समय से लंबित मामला आखिरकार सुलझ गया है। महाराष्ट्र सरकार ने सोमवार को दोनों जिलों के लिए नियुक्तियों की घोषणा की। जल संसाधन मंत्री गिरीश महाजन को नासिक का सरंक्षक मंत्री बनाया गया, जबकि रोजगार गारंटी मंत्री भरत गोगावले को रायगढ़ की जिम्मेदारी सौंपी गई है।

महायुति की तीनों पार्टियों के स्थानीय नेताओं ने अपने-अपने जिलों में विकास फंड पर अपना दबदबा और कंट्रोल बनाए रखने के लिए जोरदार कोशिश की, जिसकी वजह से नियुक्तियों पर कुछ समय के लिए रोक लग गई थी।

महाराष्ट्र के राज्यपाल और मुख्यमंत्री की मंजूरी के बाद इन नियुक्तियों को औपचारिक रूप से मंजूरी दी गई, जिससे गठबंधन सहयोगियों के बीच महीनों से चल रही राजनीतिक खींचतान और गुटीय झगड़े खत्म हो गए।

रायगढ़ में शिवसेना (शिंदे गुट) और एनसीपी (अजित पवार गुट) के बीच कड़ी टक्कर हुई। महिला एवं बाल विकास मंत्री अदिति तटकरे और मंत्री भरत गोगावले, दोनों ने ही इस पद पर अपना दावा पेश किया था। आखिरकार, यह पद भरत गोगावले को मिला। इसी तरह, नासिक में भाजपा, शिवसेना और एनसीपी (अजित पवार गुट) के बीच त्रिकोणीय मुकाबला हुआ, लेकिन पार्टी नेतृत्व ने गिरीश महाजन पर ही भरोसा जताया।

आधिकारिक घोषणा से पहले, शनिवार को भारत के 80वें स्वतंत्रता दिवस समारोह के मौके पर, मंत्री महाजन ने नासिक में और मंत्री गोगावले ने रायगढ़ में तिरंगा फहराया।

अपनी नियुक्ति के बाद, मंत्री महाजन ने कहा कि नासिक का पूरी तरह से कायाकल्प होगा। उन्होंने बताया कि पंढरपुर में पूजा-अर्चना के दौरान उनकी पत्नी ने धीरे से उनके कान में कहा कि उन्हें नासिक का संरक्षक मंत्री नियुक्त किया गया है।

उन्होंने आगे कहा कि वे अपनी पत्नी और अपने निर्वाचन क्षेत्र के 15,000 से 16,000 मतदाताओं के साथ पंढरपुर आए थे, और दर्शन के दौरान यह खबर सुनकर उन्हें बहुत खुशी हुई।

उन्होंने भरोसा दिलाया कि आने वाला सिंहस्थ कुंभ मेला पहले से कहीं ज्यादा भव्य होगा और नासिक का पूरी तरह से कायाकल्प होगा।

मंत्री गोगावले ने हाल में पत्रकारों से कहा था कि उनकी नियुक्ति के बारे में सरकार की घोषणा महज एक औपचारिकता थी। वे महाराष्ट्र के एक प्रमुख राजनेता हैं और महाड विधानसभा क्षेत्र से शिवसेना (शिंदे गुट) के विधायक हैं।

मणिपुर : छह उग्रवादी और छह ड्रग तस्कर गिरफ्तार, हथियार और नशीले पदार्थ बरामद

विश्व केसरी ■

इंफाल। मणिपुर में सुरक्षा बलों ने अलग-अलग जिलों में चलाए गए संयुक्त अभियानों में पिछले 24 घंटों के दौरान कई प्रतिबंधित संगठनों से जुड़े छह उग्रवादियों (महिला भी शामिल) को गिरफ्तार किया है। इसके साथ ही एक महिला सहित छह ड्रग तस्करों को भी पकड़ा है।

पुलिस के एक सीनियर अधिकारी ने बताया कि मणिपुर पुलिस और असम राइफल्स समेत सेंट्रल फोर्स के जॉइंट ऑपरेशन में इंफाल ईस्ट और इंफाल वेस्ट से छह उग्रवादियों को पकड़ा गया।

पकड़े गए उग्रवादी प्रतिबंधित संगठनों, पीपल्स डिफेंस आर्मी, मणिपुर (पीडीए), पीपल्स लिबरेशन आर्मी (पीएलए) और उसके पॉलिटिकल विंग, रिवोल्यूशनरी पीपल्स फ्रंट (आरपीएफ), और पीपल्स रिवोल्यूशनरी पार्टी ऑफ कांगलेइपाक (पीआरईपीएके) से जुड़े हैं।

पुलिस के मुताबिक, पकड़े गए उग्रवादी कई गैर-कानूनी गतिविधियों में शामिल थे, जिनमें लोगों पर हमले, अपहरण, जबरन 'चंदा' वसूलना और युवाओं को प्रतिबंधित संगठनों में भर्ती करना शामिल है। सुरक्षाकर्मियों ने पकड़े गए उग्रवादियों के पास से हथियार, गोला-बारूद, आपत्तिजनक दस्तावेज, चंदे की रसीदें, कैश, मुहरें, प्रतिबंधित संगठनों के लेटरहेड और अन्य सामान बरामद किए। टेंगनौपाल जिले (जिसकी सीमा म्यांमार से बिना बाड़ के लगती है) और जिरीबाम जिले (जिसकी सीमा दक्षिणी असम से लगती है) के आदिवासी इलाकों में चलाए गए दो अलग-अलग ऑपरेशन में सुरक्षा बलों ने भारी मात्रा में हथियार और गोला-बारूद भी बरामद किया।

बरामद हथियारों और गोला-बारूद में एक एके-56, एक इंसास एक्सकैलिबर राइफल, दो इंसास, एक मैगजीन, तीन इंसास एलएमजी मैगजीन, चार जिंदा कारतूस, 9 एमएम पिस्तौल के तीन खाली कारतूस और 5.56 एमएम इंसास के पांच कारतूस शामिल थे।

मराठी सीखने के लिए 105 दिन दिए गए, अब सीधी कार्रवाई शुरू होगी : महाराष्ट्र के परिवहन मंत्री

विश्व केसरी ■

मुंबई । महाराष्ट्र में जिन ऑटो-रिक्शा और टैक्सी ड्राइवरों को मराठी भाषा का कामकाजी ज्ञान नहीं है, उनके खिलाफ अब सीधे कार्रवाई की जाएगी, जिसमें उनका लाइसेंस सस्पेंड या रद्द भी किया जा सकता है। महाराष्ट्र के परिवहन मंत्री प्रताप सरनाईक ने सोमवार को पुष्टि की कि गैर-मराठी ड्राइवरों को भाषा की बुनियादी जानकारी हासिल करने के लिए दी गई 105 दिनों की समय-सीमा आधिकारिक तौर पर 15 अगस्त को खत्म हो गई है। इस नियम के बारे में पूछे गए सवालों का जवाब देते हुए, मंत्री सरनाइक ने बताया कि हालांकि मराठी में ड्राइवर की दक्षता के लिए 1989 से ही कानून मौजूद था, लेकिन इसे शायद ही लागू किया गया। उन्होंने कहा, 'मैंने कड़ा रुख अपनाया कि राज्य में गाड़ी चलाने वाले ड्राइवरों को मराठी का कामकाजी ज्ञान होना चाहिए।'

ऑटो और टैक्सी यूनियनों के शुरुआती विरोध पर बात करते हुए, मंत्री ने बताया कि सरकार का पक्ष समझाने के लिए हाजी अराफात शेख, संजय निरुपम, कृपाशंकर सिंह और शशांक राव जैसे प्रमुख यूनियन नेताओं और राजनेताओं के साथ बातचीत की गई।

यूनियनों की ओर से गैर-मराठी ड्राइवरों को तैयारी के लिए पर्याप्त समय देने की मांग के बाद, 1 मई से 15 अगस्त तक का समय (105 दिन) तय किया गया।

मंत्री ने कहा कि परिवहन विभाग ने कोंकण मराठी साहित्य परिषद और मुंबई मराठी साहित्य संघ जैसे साहित्यिक संगठनों के साथ मिलकर ड्राइवरों के लिए खासतौर पर सीखने की सामग्री तैयार की।

दिल्ली पुलिस ने ग्वालियर से 'आप' नेता को किया गिरफ्तार, दलित सहयोगी की संपत्ति पर कब्जा का आरोप

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी (आप) की नेशनल काउंसिल के सदस्य चंद वोहरा को दिल्ली पुलिस ने मध्य प्रदेश के ग्वालियर से गिरफ्तार किया। उन पर दक्षिण-पूर्वी दिल्ली के जैतपुर एक्सटेंशन में अपनी ही पार्टी के एक दलित कार्यकर्ता की प्रॉपर्टी पर कब्जा करने का आरोप है।

चंद वोहरा, जैतपुर से 'आप' की पार्षद हेमा वोहरा के पति हैं। 'आप' के कार्यकर्ता राकेश कुमार ने अपनी ही प्रॉपर्टी से बेदखल किए जाने के आरोप में उनके खिलाफ पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है।

राकेश कुमार की शिकायत के मुताबिक, करीब तीन सप्ताह पहले वोहरा ने कथित तौर पर प्रॉपर्टी की पहली मंजिल पर रखा उनका सामान सड़क पर फेंक दिया था।

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर
(जोन क्रं - 4)
- : : प्रेस क्लब, पानी टंकी के नीचे, छोटापारा, रायपुरः : -
Email ID - rmczone4@gmail.com

पत्र क्रं /...34113..../ न. पा. नि. जोन क्रं - 4/2026
रायपुर, दिनांक 05-08-2026

इश्तिहार

नामंतरण प्र.क्र. 34113

वार्ड का नाम -44 - स्वामी विवेकानंद सदर बाजार वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 44 स्थित भवन / भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. डी.. **RPR739F00105** जो की निगम अभिलेख श्री / श्रीमती **SHEKH SUBHAN** पिता / पति श्री/श्रीमती **SHEKH BAKRIDEE** के नाम से दर्ज है जिसको श्री / श्रीमती अब्दुल फहीम पिता / पति श्री/श्रीमती स्व. अब्दुल सलीम ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार /पंजीकृत हक़ त्याग विलेख / वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा /प्रस्तुत करे 7 निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा / आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा ।

सूचना जारी करे '

(जोन कमिश्नर)
जोन (4)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर
(जोन क्रं - 4)
- : : प्रेस क्लब, पानी टंकी के नीचे, छोटापारा, रायपुरः : -
Email ID - rmczone4@gmail.com

पत्र क्रं /...34449..../ न. पा. नि. जोन क्रं 4/2026
रायपुर, दिनांक 17-08-2026

इश्तिहार

नामंतरण प्र.क्र. 34449

वार्ड का नाम 34 पं. रविशंकर शुक्ल वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 34 स्थित भवन / भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. डी. **RPR224A0029A** जो की निगम अभिलेख श्री / श्रीमती **MOHAMMAD IDRIES** पिता/पति श्री/श्रीमती **HAJI ABDUL RAUF** के नाम से दर्ज है जिसको श्री / श्रीमती अब्दुल फईम पिता / पति श्री/श्रीमती स्व. अब्दुल सलीम ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार / पंजीकृत विक्रय विलेख / वंशानुक्रम /अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा / प्रस्तुत करे । निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा / आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करे '

(जोन कमिश्नर)
जोन (4)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर
(जोन क्रं - 4)
- : : प्रेस क्लब, पानी टंकी के नीचे, छोटापारा, रायपुरः : -
Email ID - rmczone4@gmail.com

पत्र क्रं /.... 34442..../ न. पा. नि. जोन क्रं 4/2026
रायपुर, दिनांक 17-08-2026

इश्तिहार

नामंतरण प्र.क्र. 34442

वार्ड का नाम 44 स्वामी विवेकानंद सदर बाजार वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 44 स्थित भवन / भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. डी. **RPR757B00233** जो की निगम अभिलेख श्री / श्रीमती **SARLA SONI** पिता / पति श्री/श्रीमती **GAURISHANKAR** के नाम से दर्ज है जिसको श्री / श्रीमती श्रीमनता दोलई पिता / पति श्री/श्रीमती कालीपद दोलई ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार / पंजीकृत विक्रय विलेख / वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते ने है, है, प्रकाशन के 30 दिन दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा /प्रस्तुत करे 7 निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा / आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी 7 जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करे '

(जोन कमिश्नर)
जोन (4)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर
(जोन क्रं - 4)
- : : प्रेस क्लब, पानी टंकी के नीचे, छोटापारा, रायपुरः : -
Email ID - rmczone4@gmail.com

पत्र क्रं /..34419..../ न. पा. नि. जोन क्रं 4/2026
रायपुर, दिनांक 17-08-2026

इश्तिहार

नामंतरण प्र.क्र. 34419

वार्ड का नाम 45 मौलाना अब्दुल रऊफ वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 45 स्थित भवन / भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. डी. **RPR449C00201** जो की निगम अभिलेख श्री / श्रीमती **MUSLIM YATIM KHANA DWARA SECRE-ATORY JANAB MOHAMMED ALI FAROOQUI** पिता / पति श्री/श्रीमती **BHATTAM MOULANA** के नाम से दर्ज है जिसको श्री / श्रीमती जफर अली फारुकी पिता / पति श्री/श्रीमती स्व. फारुक अली फारुकी ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार / शपथ पत्र, टैक्स रसीद, नजूल आदेश, आम सभा बैठक सुचना, आधार कार्ड व अन्य दस्तावेज / वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा / प्रस्तुत करे 7 निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा / आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा ।

सूचना जारी करे '

(जोन कमिश्नर)
जोन (4)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर
(जोन क्रं - 6)
-:: आई. एस. बी. टी., चतुर्थ तल, रावणभाठा, रायपुरः :-
Email ID rmczone6@gmail.com

पत्र क्रं /....34421..../ न. पा. नि. जोन क्रं 6/2026
रायपुर, दिनांक 17-08-2026

इश्तिहार

नामंतरण प्र.क्र. 34421

वार्ड का नाम 63 ब्रिगेडियर उस्मान वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 63 स्थित भवन भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. डी. **RPR455L00016** जो की निगम अभिलेख श्री श्रीमती **HEMANT KUMAR MANDHAN** पिता / पति श्री श्रीमती **RAMCHAND MANDHAN** के नाम से दर्ज है जिसको श्री / श्रीमती 1. **PRAVESH DUGAR,** 2. **VIMAL CHAND MALOO MALOO** पिता/पति श्री श्रीमती **NARENDRA KUMAR DUGAR, JALAM CHAND MALOO** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार। पंजीकृत विक्रय विलेख वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है . प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा / प्रस्तुत करे। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा / आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करे '

(जोन कमिश्नर)
जोन (6)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर
(जोन क्रं - 6)
-:: आई. एस. बी. टी., चतुर्थ तल, रावणभाठा, रायपुरः : -
Email ID - rmczone6@gmail.com

पत्र क्रं /....34418..../ न. पा. नि. जोन क्र. 6/2026
रायपुर, दिनांक 17-08-2026

इश्तिहार

नामंतरण प्र.क्र. 34418

वार्ड का नाम 63 ब्रिगेडियर उस्मान वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 63 स्थित भवन / भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. डी. **RPR449H00069** जो की निगम अभिलेख श्री / श्रीमती **CHITRALEKHA BANJARE** पिता / पति श्री/ **KEJU RAM BANJARE** ... के नाम से दर्ज है जिसको श्री / श्रीमती **JAMUNA WAD-HWA** पिता/पति श्री **SANTOSH WADHWA** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार / **SHAPAT PATRA AND DEATH CERTIFICATE** / वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है।

यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा /प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा / आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करे '

(जोन कमिश्नर)
जोन (6)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर
(जोन क्रं - 6)
-:: आई. एस. बी. टी., चतुर्थ तल, रावणभाठा, रायपुरः : -
Email ID - rmczone6@gmail.com

पत्र क्रं /....34523..../ न. पा. नि. जोन क्रं 6/2026
रायपुर, दिनांक 17-08-2026

इश्तिहार

नामंतरण प्र.क्र. 34523

वार्ड का नाम 63 ब्रिगेडियर उस्मान वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 63 स्थित भवन / भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. डी. **RPR449J00048** जो की निगम अभिलेख श्री / श्रीमती **TRIVENI BAI** पिता / पति श्री/श्रीमती **SHAMBHU DHIWAR** के नाम से दर्ज है जिसको श्री / श्रीमती **NAROTTAM DHIMAR** पिता / पति श्री/श्रीमती **S/O SHAMBHU FUTAN** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार / **SAHMATI PATRA OR MALMA BIKRINAMA** / वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा /प्रस्तुत करे । निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा । आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करे '

(जोन कमिश्नर)
जोन (6)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने नागपंचमी पर फलेश्वरनाथ महादेव में की पूजा-अर्चना

प्रदेशवासियों की सुख-समृद्धि और छत्तीसगढ़ की निरंतर प्रगति के लिए की मंगलकामना

विश्व केसरी

रायपुर। सावन मास की पुण्य बेला और नागपंचमी के पावन अवसर पर आज मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने अपनी धर्मपत्न कौशल्या साय एवं परिवार के सदस्यों के साथ गृहग्राम बगिया स्थित श्री फलेश्वरनाथ महादेव मंदिर पहुंचकर भगवान भोलेनाथ की विधि-विधान से पूजा-अर्चना की। मुख्यमंत्री ने भगवान शिव का अभिषेक कर प्रदेशवासियों के सुख, शांति, समृद्धि और खुशहाली के साथ छत्तीसगढ़ की निरंतर प्रगति की मंगलकामना की।

मैनी नदी के सुरम्य तट पर स्थित श्री फलेश्वरनाथ महादेव मंदिर में 17 से 19 अगस्त तक एक लाख 11 हजार 111 पार्थिव शिवलिंग के निर्माण एवं पूजन का तीन दिवसीय विशेष धार्मिक अनुष्ठान आयोजित किया जा रहा है। मुख्यमंत्री साय एवं कौशल्या साय ने श्रद्धालुओं के साथ अपने हाथों से पार्थिव शिवलिंग का निर्माण किया और विधि-विधान से पूजन एवं अभिषेक किया। वैदिक मंत्रोच्चार और हर-हर महादेव के जयघोष से पूरा मंदिर परिसर शिवमय हो उठा।

मुख्यमंत्री साय ने इस अवसर पर प्रदेशवासियों को नागपंचमी एवं पवित्र सावन मास की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि सावन का महीना भगवान शिव की आराधना का विशेष अवसर है। भगवान भोलेनाथ लोकमंगल और कल्याण के प्रतीक हैं। उन्होंने कामना की कि महादेव की कृपा छत्तीसगढ़ के प्रत्येक परिवार पर बनी रहे, हमारे अन्नदाता किसानों के खेत-खलिहान समृद्ध हों और प्रदेश में सुख, शांति एवं खुशहाली निरंतर बढ़ती रहे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी संस्कृति में प्रकृति और परमात्मा के प्रति श्रद्धा का अद्भुत समन्वय है। नदियां, वन, पर्वत और जीव-जगत हमारी आस्था एवं जीवन परंपरा के अभिन्न अंग हैं। सावन के पवित्र महीने में शिव आराधना हमें प्रकृति के प्रति संवेदनशीलता, लोककल्याण और सेवा का संदेश देती है।

आस्था और भक्ति का केंद्र बना फलेश्वरनाथ महादेव मंदिर

तीन दिवसीय धार्मिक अनुष्ठान को लेकर श्री फलेश्वरनाथ महादेव मंदिर सहित आसपास के क्षेत्र में उत्साह और भक्तिमय वातावरण है। बड़ी संख्या में श्रद्धालु मंदिर पहुंचकर पार्थिव शिवलिंग का निर्माण कर भगवान भोलेनाथ की आराधना कर रहे हैं। आयोजन के दौरान पार्थिव शिवलिंग निर्माण, पूजन, अभिषेक, आरती, पूर्णाहुति और प्रसाद वितरण सहित विभिन्न धार्मिक अनुष्ठान संपन्न होंगे। प्रथम दिन 17 अगस्त को पार्थिव शिवलिंग निर्माण के साथ पूजन-अभिषेक, आरती एवं प्रसाद वितरण किया गया। 18 अगस्त को भी पार्थिव शिवलिंग निर्माण, पूजन एवं अभिषेक के बाद आरती और प्रसाद वितरण होगा। तीन दिवसीय अनुष्ठान का समापन 19 अगस्त को पार्थिव शिवलिंग पूजन एवं विशेष पूर्णाहुति के साथ होगा।

लोकमंगल की कामना के साथ एक लाख 11 हजार 111 पार्थिव शिवलिंग

इस विशेष अनुष्ठान में एक लाख 11 हजार 111 पार्थिव शिवलिंग के निर्माण और पूजन का संकल्प लिया गया है। श्रद्धालु सामूहिक रूप से पार्थिव शिवलिंग का निर्माण कर भगवान भोलेनाथ की आराधना कर रहे हैं। सामूहिक शिव आराधना के माध्यम से प्रदेश और क्षेत्र की सुख-समृद्धि, शांति एवं लोककल्याण की कामना की जा रही है।

महंगी बिजली और स्मार्ट मीटर के खिलाफ आंदोलन की तैयारी तेज

विश्व केसरी

कांकेर (रोहित श्रीवास्तव)। महंगे बिजली बिल और स्मार्ट मीटर के विरोध में प्रदेश कांग्रेस कमेटी के आह्वान पर प्रस्तावित चरणबद्ध जन आंदोलन को लेकर जिला कांग्रेस कमेटी कांकेर ने अपनी तैयारियां तेज कर दी हैं। इसी कड़ी में जिला कांग्रेस कमेटी की महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक आयोजित की गई। जिला कांग्रेस अध्यक्ष बसंत यादव की अध्यक्षता में हुई बैठक में अब तक किए गए कार्यों की समीक्षा के साथ आगामी आंदोलन की रूपरेखा और संगठनात्मक तैयारियों पर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक में जिले के कांग्रेस पदाधिकारी, कार्यकर्ता, समस्त ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष तथा प्रदेश स्तर के पदाधिकारी शामिल हुए। इस दौरान प्रभारी लेखराम साहू एवं विधायक भानुप्रतापपुर सावित्री मनोज मंडावी विशेष रूप से उपस्थित रहीं।ब्लॉक,बूथ से लेकर घर-घर तक पहुंचेगा अभियान बैठक को संबोधित करते हुए जिला कांग्रेस अध्यक्ष बसंत यादव ने कहा कि प्रदेश कांग्रेस कमेटी द्वारा बढ़े हुए बिजली बिल और स्मार्ट मीटर के विरोध में जन आंदोलन चलाया जा रहा है। प्रदेश संगठन के निर्देशानुसार कांकेर जिले में भी इस अभियान को प्रत्येक ब्लॉक,बूथ और घर-घर तक पहुंचाया जाएगा। उन्होंने पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं को निर्देशित किया कि वे आम नागरिकों के बीच पहुंचकर महंगे बिजली बिल और स्मार्ट मीटर से संबंधित आवेदन फॉर्म भरवाएं और अधिक से अधिक लोगों को अभियान से जोड़ें। इसके लिए ब्लॉक और बूथ स्तर की टीमों को सक्रिय भूमिका निभानी होगी। कुरूद के पूर्व विधायक लेख राम साहू ने कहा कि अभियान को निर्धारित समय-सीमा में पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है। आगामी दो माह के भीतर जिले के अधिक से अधिक परिवारों तक पहुंचकर आवेदन फॉर्म भरवाने का कार्य पूरा किया जाए। उन्होंने ब्लॉक अध्यक्षों एवं संबंधित प्रभारियों से अभियान की नियमित समीक्षा करने और जमीनी स्तर पर कार्य में तेजी लाने को कहा।

स्वतंत्रता दिवस पर श्रमजीवी पत्रकार संघ अंतागढ़ का गठन, विजय साहू बने अध्यक्ष

विश्व केसरी

अंतागढ़ (डम्पी खान)। स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर पत्रकारिता के क्षेत्र में सक्रिय पत्रकारों को एकजुट करने और पत्रकार हितों से जुड़े मुद्दों को मजबूती से उठाने के उद्देश्य से श्रमजीवी पत्रकार संघ अंतागढ़ का गठन किया गया। बैठक में उपस्थित पत्रकारों की सर्वसम्मति से विभिन्न पदों पर पदाधिकारियों का चयन किया गया। विजय साहू को संघ का अध्यक्ष चुना गया।

संघ के गठन के दौरान पत्रकारों ने संगठन को मजबूत बनाने, पत्रकारों के हितों की रक्षा करने, क्षेत्र की जनसमस्याओं को प्रमुखता से सामने लाने तथा निष्पक्ष एवं जिम्मेदार पत्रकारिता को बढ़ावा देने पर जोर दिया। सभी सदस्यों ने संगठन की गतिविधियों को सक्रिय रूप से आगे बढ़ाने और आपसी समन्वय के साथ कार्य करने का संकल्प लिया।सर्वसम्मति से गठित कार्यकारिणी में हरिशंकर नेताम और विक्रम भंडारी (आमाबेड़ा) तथा श्रवण यादव (कोयलीबेड़ा) को उपाध्यक्ष, राजेश कौशल को सचिव, नीतेश देवांगन को सह सचिव, इशहाक खान (डंपी) को कोषाध्यक्ष तथा हेमंत कश्यप को सह कोषाध्यक्ष की जिम्मेदारी दी गई। इसी प्रकार भूपेश ठाकुर और वरिष्ठ पत्रकार राजेश यादव को जिला प्रतिनिधि, जबकि घनश्याम यादव को प्रदेश प्रतिनिधि बनाया गया। संघ के संरक्षक के रूप में राकेश गुप्ता, गुड्डु खान, जावेद खान, लक्ष्मण ठाकुर और अनिल चंदेल को जिम्मेदारी सौंपी गई। संघ के सदस्य के रूप में विजेन्द्र (सोनू) पांडे, राजेश (सोनू) साव, जयंत रंगारी, रमेश टंडन, मिथिलेश उसेण्डी, नियत श्रीवास और गौतम निषाद शामिल हैं। नवनिर्वाचित अध्यक्ष विजय साहू ने कहा कि श्रमजीवी पत्रकार संघ पत्रकारों की एकजुटता के साथ-साथ पत्रकार हितों के लिए निरंतर कार्य करेगा। उन्होंने कहा कि क्षेत्र की समस्याओं, जनहित के मुद्दों और विकास से जुड़े विषयों को प्रमुखता से उठाना संघ की प्राथमिकताओं में रहेगा।

छत्तीसगढ़ से बने तत्काल टिकट भेजे जा रहे थे यूपी, पीआरएस स्टॉफ गिरफ्तार

विश्व केसरी

रायपुर/अंबिकापुर। रेलवे सुरक्षा बल ने रेलवे आरक्षित टिकटों की अवैध खरीद-बिक्री के बड़े रैकेट का पर्दाफाश किया है। इस मामले में सिटी PRS बैकुंठपुर में कार्यरत नगर पालिका के संविदा कर्मचारी और UP के एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया है। दोनों आरोपियों के मोबाइल से 60 तत्काल और सामान्य टिकटों के स्क्रीनशॉट मिले हैं, जिनकी कुल कीमत 3 लाख 68 हजार 351 रुपये है।

दरअसल इस मामले का सुराग मिलने पर वरिष्ठ मंडल सुरक्षा आयुक्त बिलासपुर के निर्देश पर RPF निरीक्षक सुनीता मिंज ने जांच शुरू की। जांच में पता चला कि 1 अगस्त 2026 को बैकुंठपुर काउंटर से जारी एक खाली टिकट पर पेन से PNR नंबर और अन्य जानकारी हाथ से लिखी गई थी। यह टिकट इलाहाबाद जंक्शन में जांच के दौरान पकड़ा गया। सिस्टम में PNR गलत पाया गया। इस मामले में GRP जौनपुर ने 5 अगस्त 2026 को अपराध क्रमांक 22/26 के तहत BNS धारा 318(4), 319(2) में केस दर्ज किया ।

संविदा कर्मचारी और P का दलाल शामिल

जांच में सामने आया कि टिकट अविनाश कुमार ने तैयार किया था। वह नगर पालिका का संविदा कर्मचारी है और बैकुंठपुर के सिटी PRS काउंटर में तैनात था। आरोप है कि वह खाली टिकट पर हाथ से PNR लिखकर टिकट बनाता था। दूसरा आरोपी संजय कुमार विश्वकर्मा निवासी पिरखापुर, जिला भदोही UP है। आरोप है कि अविनाश उससे टिकटों की खरीद-बिक्री करता था और संजय उन्हें ग्राहकों को महंगे दाम पर बेचता था।

कार्यालय संयुक्त नियंत्रक संचार लेखा छत्तीसगढ़ करेगा वरिष्ठ पेंशनरों का सम्मान

विश्व केसरी

रायपुर। राष्ट्रीय वरिष्ठ नागरिक दिवस के अवसर पर वरिष्ठ नागरिकों के अमूल्य योगदान, अनुभव और राष्ट्र सेवा के प्रति सम्मान व्यक्त करने के उद्देश्य से 21 अगस्त 2026 को कार्यालय संयुक्त नियंत्रक, संचार लेखा, छत्तीसगढ़ परिमंडल, रायपुर में विभिन्न जनकल्याणकारी एवं जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रम का उद्देश्य वरिष्ठ नागरिकों और पेंशनरों को सम्मानित करने के साथ उन्हें डिजिटल सेवाओं, स्वास्थ्य सुविधाओं तथा विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं से जोड़ना है।

कार्यक्रम के अंतर्गत के.वाई.पी. शिविर, पेंशनर पहचान पत्र शिविर तथा डिजिटल जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इन गतिविधियों के माध्यम से पेंशनरों को पेंशन से संबंधित आवश्यक जानकारी, डिजिटल माध्यमों के सुरक्षित एवं प्रभावी उपयोग तथा उपलब्ध सेवाओं की जानकारी दी जाएगी। पेंशन संबंधी सेवाओं को अधिक सुगम और सुविधाजनक बनाने के उद्देश्य से वरिष्ठ पेंशनरों की आवश्यकताओं के अनुरूप मार्गदर्शन भी प्रदान किया जाएगा।

वरिष्ठ नागरिकों के स्वास्थ्य को प्राथमिकता देते हुए निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन भी किया जाएगा। शिविर में आवश्यक स्वास्थ्य जांच के साथ चिकित्सकीय परामर्श उपलब्ध कराया जाएगा। इसके साथ ही पर्यावरण संरक्षण और सामाजिक उत्तरदायित्व का संदेश देने के लिए वृक्षारोपण अभियान भी आयोजित किया जाएगा।

पत्रकार सदन में शान से लहराया तिरंगा

विश्व केसरी

अंतागढ़ (डम्पी खान)। स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर अंतागढ़ स्थित पत्रकार सदन में देशभक्ति और उत्साह का माहौल देखने को मिला। पत्रकार सदन परिसर में नगर के वरिष्ठ सेवानिवृत्त जनपद सीईओ रवि श्रीवास्तव के मुख्य आतिथ्य में गरिमापूर्ण वातावरण के बीच ध्वजारोहण किया गया। तिरंगा फहराते ही उपस्थित पत्रकारों एवं गणमान्य नागरिकों ने राष्ट्रगान के साथ राष्ट्रीय ध्वज को सलामी दी। कार्यक्रम में नगर के गणमान्य नागरिकों के साथ पत्रकारिता जगत से जुड़े वरिष्ठ एवं युवा पत्रकार बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। इस दौरान प्रेस क्लब अध्यक्ष जावेद खान, वरिष्ठ पत्रकार राकेश गुप्ता, गुड्डु खान, राजेश यादव, घनश्याम यादव सहित नगर के अन्य पत्रकार साथी मौजूद रहे।

इस अवसर पर पत्रकार संघ की ओर से मुख्य अतिथि रवि श्रीवास्तव का सम्मान किया गया। संघ के पदाधिकारियों एवं पत्रकार साथियों ने उन्हें शॉल एवं श्रीफल भेंट कर सम्मानित किया। सम्मान प्राप्त करने के बाद रवि श्रीवास्तव ने पत्रकार संघ के सदस्यों का आभार व्यक्त किया और स्वतंत्रता दिवस की शुभकामनाएं दीं।

शुभम मार्ट में हर्षोल्लास से मनाया गया स्वतंत्रता दिवस

विश्व केसरी

रायपुर। वर्ष भी 80 वें स्वतंत्रता दिवस धूमधाम से मनाया गया इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में शुभम कनकारिया, के द्वारा महात्मा गांधी और भारत माता के प्रतिमाएं पर माल्या अर्पण कर ध्वजारोहण किया गया तत्पश्चात शुभम कांकरिया ने सभी कर्मचारियों को बधाई देते हुए अपने उद्बबोधन में कहा है कि जिस प्रकार से हमारे वीर जवान हमारे रक्षा के लिए तत्पर रहते हैं इस प्रकार हमारे गार्ड और पी ,के सर्विसेज के हाउसकीपिंग ,लोडर सभी मिलकर हम सबके साथ मिलजुल कर काम करते हैं यह एक परिवार की तरह रहते हैं ऐसे ही रहना चाहिए सभी कर्मचारियों को बधाई देते हुए आगे मुख्य अतिथि के द्वारा गार्ड और हाउसकीपिंग को विशेष पुरस्कार प्रोत्साहन के तौर पर दिया गया शुभम के मार्ट के कर्मचारियों के द्वारा रंगारंग कार्यक्रम की प्रस्तुति दिया गया जिसमें हिंदी, छत्तीसगढ़ी और नशा पर आधारित नाटक की प्रस्तुति दिया कर्मचारियों के द्वारा दिया गया रंगारंग कार्यक्रम की प्रस्तुति देने वाले को भी पुरस्कार और प्रमाण पत्र दिया गया कार्यक्रम के एंकर के रूप में एच आर शालिनी मिश्रा और विशेष अतिथि के रूप में दुर्गा राव डोंगरे,पंकज जैन ,धनंजय घरोटे, विवेक शुक्ला, सुमित ,सौरभ शर्मा, रितेश श्रीवास्तव ,भानु राम साहू उपस्थित थे और जितने भी कर्मचारी और आसपास के गांव के गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

पैराडाइज़ स्कूल में धूमधाम से मनाया स्वतंत्रता दिवस

विश्व केसरी

कांकेर (रोहित श्रीवास्तव)। पैराडाइज हायर सेकेण्डरी स्कूल में आजादी के 80 वीं वर्षगांठ स्वतंत्रता दिवस बड़े धूमधाम से मनाया गया। ध्वजारोहण प्राचार्य रश्मि रजक, पालकगणों,शिक्षकों एवं छात्र-छात्राओं की उपस्थिति में किया गया। प्राचार्य रश्मि रजक ने आजादी के 80वीं वर्षगांठ के बधाई देते हुए अपने उद्बोधन में कहा कि आज का दिन प्रत्येक भारतीय के लिए गर्व और सम्मान का दिन है। यह वहीं पावन अवसर है जब हम अपने महान स्वतंत्रता सेनानियों के त्याग,संघर्ष और बलिदान को स्मरण करते हैं। महात्मा गांधी,नेताजी सुभाष चंद्र बोस,भगत सिंह, चंद्रशेखर आजाद, रानी लक्ष्मीबाई और असंख्य वीरों ने देश की स्वतंत्रता के लिए अपना सर्वस्व न्योछावर कर दिया। स्वतंत्रता केवल हमारा अधिकार नहीं, बल्कि हमारी जिम्मेदारी भी है। हमें अपने देश की एकता,अखंडता और संविधान के मूल्यों का सम्मान करना चाहिए। एक अच्छे नागरिक के रूप में ईमानदारी, अनुशासन, स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण और दूसरों के प्रति सम्मान को अपने जीवन का हिस्सा बनाना चाहिए। उन्होने आगे कहा शिक्षा, प्रतिभा और अच्छे संस्कार ही देश को नई ऊँचाइयों तक ले जाएंगे। इसलिये खूब पढ़ें, अपने लक्ष्य निर्धारित करें और अपने ज्ञान एवं कौशल का उपयोग राष्ट्र की प्रगति में करें। आज हम यह संकल्प लें कि हम अपने देश को और अधिक स्वच्छ, शिक्षित, आत्मनिर्भर, समृद्ध एवं विकसित भारत बनाने में अपना योगदान देंगे।पैराडाइज स्कूल मे स्वतंत्रता दिवस के पूर्व दिवस पर कक्षा नर्सरी से कक्षा दूसरी तक के छात्र-छात्राओं के लिए देशभक्ति गीत पर डॉस एवं सांस्कृति कार्यक्रम तथा सैकड़ो बच्चों के द्वारा स्वतंत्रता सेनानी एवं विभिन्न देश की रक्षा करने वाले वीर सैनिकों के वेशभूषा में देश प्रेम के प्रति अपना निष्ठा की भावना को व्यक्त किये।

स्वतंत्रता दिवस पर पैराडाइज स्कूल के प्राइमरी कक्षा के छात्र-छात्राओं द्वारा विभिन्न देशभक्ति गीतों पर डॉस, भाषण,देश भक्ति के नारे एवं विभिन्न स्वतंत्रता सेनानी महात्मा गांधी, जवाहरलाल नेहरू,भगत सिंह, सुभाष चंद्र बोस, झांसी की रानी, छत्तीसगढ़ महतारी, मौलाना आजाद, इंदिरा गांधी, सरोजिनी नायडू,भारत माता तथा देश की सेवा करने वाले वीर जवानों के वेशभूषा में देश को आजादी दिलाने वाले हमारे स्वतंत्रता सेनानियों के त्याग एवं बलिदान को नमन किया तथा देश के रक्षक हमारे वीर जवानों को सम्मान प्रकट किये।जिला स्तरीय पीटी कार्यक्रम में 54 छात्र-छात्राओं के द्वारा पीटी का प्रदर्शन किया गया। स्वतंत्रता दिवस जिला कार्यक्रम में 124 छात्र-छात्रओं नृत्य प्रस्तुत किये। इन विविध कार्यक्रम का आयोजन करने में प्राचार्य रश्मि रजक, मैनेजर योगेश रजक,वरिष्ठ शिक्षक प्रीति झा, रूबी खान,पवित्र बराई, कोआर्डिनेटर दीपांजली गोगोई, कोआर्डिनेटर ऐश्वर्या साहू आदि शिक्षकों का विशेष योगदान रहा कार्यकम का विशेष योगदान रहा।

डिप्टी मैनेजर ने किया बैंकिंग फ्रॉड, ग्राहक के 15 लाख रुपए उड़ाने के लिए अपनाय

विश्व केसरी

रायपुर। छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर में बैंकिंग सिस्टम की सुरक्षा पर सवाल खड़े करने वाला बड़ा फ्रॉड सामने आया है। देवेंद्र नगर स्थित एक्सिस बैंक की शाखा में बैंक के उप प्रबंधक पर आरोप है कि उन्होंने ग्राहक की जानकारी के बिना खाते से जुड़ा मोबाइल नंबर बदल दिया और स्नष्ठ तुड़वाकर करीब 14.97 लाख रुपये दूसरे खाते में ट्रांसफर कर दिए।

पुलिस शिकायत के अनुसार खाताधारक सुषमा कुमार के खाते में दर्ज मोबाइल नंबर 17 जुलाई 2025 को बदल दिया गया। आरोप है कि बैंक के उप प्रबंधक कुलदीप सिंह ने फर्जी कस्टमर रिक्वेस्ट फॉर्म के जरिए यह बदलाव कराया।

मोबाइल नंबर बदलते ही आरोपी को नेट बैंकिंग और बैंक ऐप की पहुंच मिल गई। इसके बाद बैंक ऐप से ग्राहक की 14.40 लाख रुपये की फिक्स्ड डिपॉजिट समय से पहले बंद कराई गई। एफडी से आई रकम और खाते में पड़ी बाकी राशि को मिलाकर कुल 14 लाख 97 हजार 451 रुपये गुढ़ियारी स्थित इंडियन सेल्स के खाते में ट्रांसफर कर दिए गए। यह खाता फर्म के प्रोपराइटर योगेश येडे के नाम से है। बाद में चेक और ATM से भी पैसे निकाले गए।

मामले का खुलासा 7 अगस्त को हुआ जब सुषमा कुमार बैंक शाखा पहुंचीं और अपने खाते में हुए लेन-देन को देखा। बैंक प्रबंधन ने आंतरिक जांच कराई तो गड़बड़ी सामने आई। इसके बाद शाखा प्रमुख रितेन्द्र रामटेके ने गंज थाने में शिकायत दर्ज कराई।

पुलिस ने कुलदीप सिंह और योगेश येडे के खिलाफ BNS की धारा 316(2) समेत अन्य धाराओं में FIR दर्ज की है।

पुलिस जांच में जुटी

अब पुलिस बैंक रिकॉर्ड, फर्जी रिक्वेस्ट फॉर्म, मोबाइल नंबर बदलने की प्रक्रिया और चेक-ATM से हुए लेन-देन की जांच कर रही है। यह भी पता लगाया जा रहा है कि 15 लाख की रकम निकालने की साजिश में और कौन-कौन शामिल थे। यह मामला सिर्फ पैसे की ठगी नहीं, बल्कि बैंक के अंदरूनी सिस्टम और ग्राहकों की संवेदनशील जानकारी के दुरुपयोग किया जा रहा था।

संपादकीय

ज्ञान, बुद्धि और विवेक : जीवन की सबसे बड़ी संपत्ति

तेजबहादुर सिंह भुवाल

आज दुनिया अभूतपूर्व परिवर्तन के दौर से गुजर रही है। विज्ञान, तकनीक और संचार के क्षेत्र में हो रहे तेज़ विकास ने मनुष्य के जीवन को सुविधाजनक बना दिया है। एक क्लिक पर अनगिनत जानकारियाँ उपलब्ध हैं, लेकिन क्या केवल जानकारी का होना ही मनुष्य को महान बना देता है? इसका उत्तर स्पष्ट है—नहीं। जीवन को सार्थक बनाने के लिए ज्ञान के साथ बुद्धि और विवेक का होना अनिवार्य है। यही तीनों गुण व्यक्ति के चरित्र, व्यक्तित्व और भविष्य की वास्तविक पहचान बनते हैं।

ज्ञान वह प्रकाश है जो जीवन के अंधकार को दूर करता है। यह हमें शिक्षा, अनुभव, अध्ययन, प्रकृति और समाज से प्राप्त होता है। ज्ञान मनुष्य को जागरूक बनाता है, उसकी सोच का विस्तार करता है और उसे नई संभावनाओं से परिचित कराता है। किंतु केवल ज्ञान अर्जित कर लेना ही पर्याप्त नहीं है। यदि ज्ञान व्यवहार में न उतरे, तो वह पुस्तकों के पन्नों तक ही सीमित रह जाता है।

ज्ञान को सार्थक बनाने का कार्य बुद्धि करती है। बुद्धि वह क्षमता है, जो सही समय पर सही निर्णय लेने की शक्ति प्रदान करती है। जीवन में अनेक अवसर ऐसे आते हैं, जब व्यक्ति को कठिन परिस्थितियों का सामना करना पड़ता है। उस समय केवल जानकारी नहीं, बल्कि सूझ-बूझ और दूरदर्शिता काम आती है। बुद्धिमान व्यक्ति समस्याओं से घबराता नहीं, बल्कि उनका समाधान खोजता है। वह परिस्थितियों के अनुसार स्वयं को ढालना जानता है और असफलताओं को भी सीखने का अवसर बना लेता है।

इन दोनों से भी श्रेष्ठ स्थान विवेक का है। विवेक वह आंतरिक चेतना है, जो हमें सही और गलत, न्याय और अन्याय, सत्य और असत्य के बीच

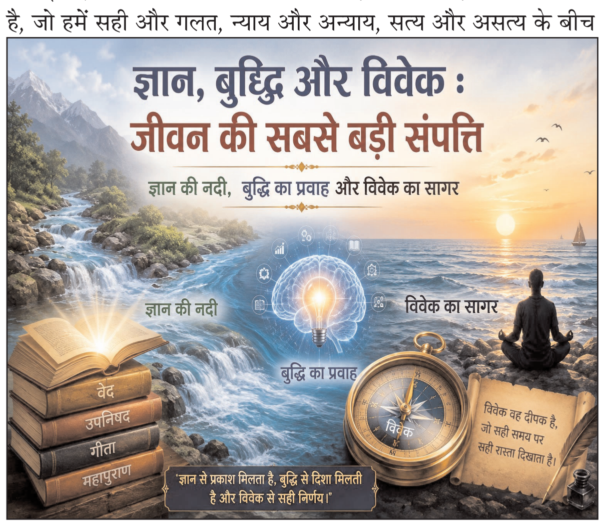

अंतर करना सिखाती है। विवेक ही मनुष्य को नैतिक बनाता है। जब ज्ञान और बुद्धि के साथ विवेक जुड़ जाता है, तब व्यक्ति अपने निर्णय केवल स्वार्थ के आधार पर नहीं, बल्कि समाज और मानवता के हित को ध्यान में रखकर लेता है। यही गुण एक सामान्य व्यक्ति को असाधारण बना देता है।

वर्तमान समय में ज्ञान का विस्फोट हुआ है, लेकिन विवेक का संकट भी उतना ही गहरा दिखाई देता है। सोशल मीडिया और डिजिटल माध्यमों ने सूचनाओं का अंबार खड़ा कर दिया है। बिना सत्यापन के खबरें साझा करना, अफवाहों पर विश्वास करना और बिना सोचे-समझे प्रतिक्रिया देना इस बात का संकेत है कि ज्ञान उपलब्ध है, पर विवेक का उपयोग कम हो रहा है। इसलिए आज आवश्यकता केवल शिक्षित लोगों की नहीं, बल्कि विवेकशील नागरिकों की है। हमारे परिवार, विद्यालय और समाज की जिम्मेदारी है कि वे नई पीढ़ी को केवल प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए नहीं, बल्कि बहुमूल्य जीवन के लिए तैयार करें। बच्चों में पढ़ने की आदत, प्रश्न पूछने का साहस, तर्क करने की क्षमता और नैतिक मूल्यों का विकास ही उन्हें सच्चे अर्थों में शिक्षित बनाएगा। चरित्र के बिना ज्ञान विनाश का कारण बन सकता है, जबकि विवेकयुक्त ज्ञान समाज के विकास का आधार बनता है।

इतिहास इस बात का साक्षी है कि महान व्यक्तियों की पहचान केवल उनके ज्ञान से नहीं, बल्कि उनके विवेकपूर्ण निर्णयों से बनी। उन्होंने अपने ज्ञान और बुद्धि का उपयोग मानवता के कल्याण के लिए किया। यही कारण है कि उनका जीवन आज भी प्रेरणा का स्रोत है। ज्ञान हमें सीखने की प्रेरणा देता है, बुद्धि हमें सोचने की क्षमता प्रदान करती है और विवेक हमें सही मार्ग पर चलने की शक्ति देता है। यदि इन तीनों का संतुलित विकास हो जाए, तो व्यक्ति न केवल अपने जीवन में सफलता प्राप्त करता है, बल्कि समाज और राष्ट्र के निर्माण में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। आज की सबसे बड़ी आवश्यकता यही है कि हम केवल ज्ञानवान बनने का प्रयास न करें, बल्कि बुद्धिमान और विवेकशील भी बनें। यही जीवन की सबसे बड़ी उपलब्धि और सच्ची संपत्ति है।

महाभारत में महर्षि वेदव्यास ने कहा है कि सभी प्राणियों में मनुष्य सबसे श्रेष्ठ है। इसका कारण उसकी शक्ति, ज्ञान या बुद्धि नहीं, बल्कि उसका विवेक है। विवेक ही मनुष्य को सही और गलत, उचित और अनुचित का निर्णय लेने की क्षमता देता है। यही गुण उसे अन्य प्राणियों से अलग और श्रेष्ठ बनाता है।

बदामी से ऐहोल, पट्टदकल और हम्पी : जहां पत्थरों में सांस लेता है इतिहास

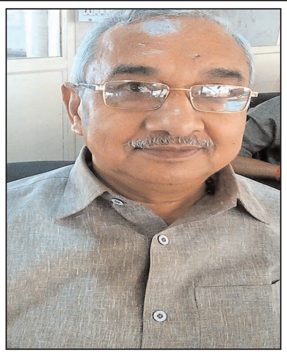

वीरेंद्र बहादुर सिंह

दक्षिण भारत के कर्नाटक राज्य में बसा बदामी केवल एक छोटा-सा कस्बा नहीं, बल्कि भारतीय इतिहास, कला, स्थापत्य और आस्था का जीवंत संग्रहालय है। यहां पहुंचते ही लगता है मानो समय की घड़ी कई सौ वर्ष पीछे लौट गई हो। लाल बलुआ पत्थरों से बनी पहाड़ियां, चट्टानों को काटकर बनाए गए मंदिर, शांत जलाशय और सदियों पुरानी संस्कृति यात्रियों का स्वागत करती है।

बदामी की पहचान उसके विश्वप्रसिद्ध गुफा मंदिरों से है, लेकिन इन गुफाओं से बाहर निकलते ही अहसास होता है कि इस नगर की वास्तविक विरासत केवल चार गुफाओं तक सीमित नहीं है। यहां का प्रत्येक मंदिर, प्रत्येक शिलाखंड और प्रत्येक स्थापत्य अपने भीतर इतिहास का एक नया अध्याय समेटे हुए है।

गांव की सादगी और संस्कृति का संगम

गुफाओं से उतरकर जब बदामी की सड़कों पर चलते हैं तो सामने एक बिलकुल अलग दुनिया खुलती है। छोटे-छोटे घर, सरल स्वभाव के लोग और स्थानीय जीवन की सहजता मन को छू लेती है। रिक्शा या टैक्सी लेकर आसपास के मंदिरों की यात्रा शुरू होती है और रास्ते में स्थानीय व्यंजनों का स्वाद इस यात्रा को और भी यादगार बना देता है।

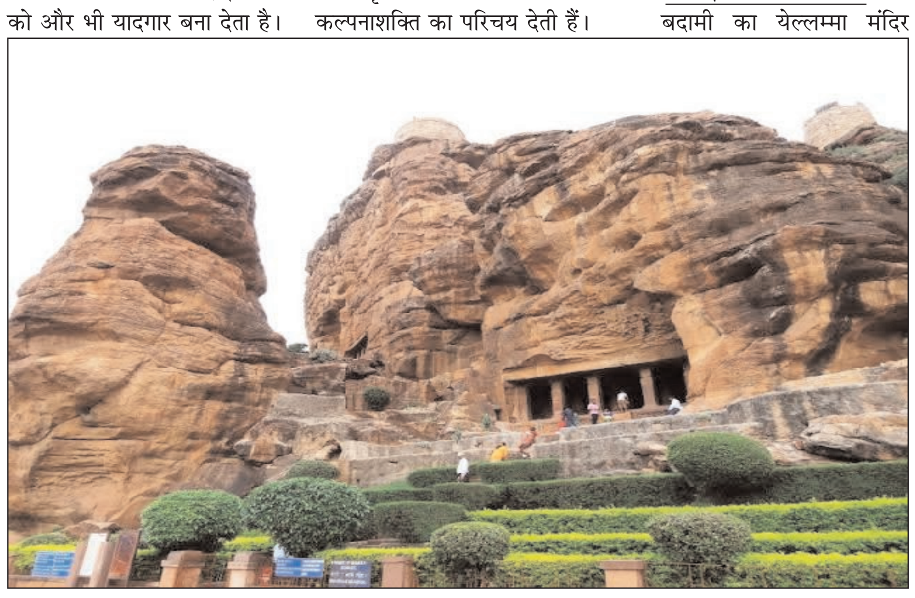

यहीं एक गुंबददार मस्जिद भी दिखाई देती है, जिसकी पत्थर की जालियां इस्लामी स्थापत्य की सुंदर मिसाल प्रस्तुत करती हैं। हिंदू मंदिरों और इस मस्जिद का साथ-साथ होना इस बात का प्रमाण है कि भारतीय संस्कृति विविधताओं को साथ लेकर चलने में विश्वास रखती है।

भूतनाथ मंदिर : जल, पत्थर और शिव का अद्भुत मेल

बदामी का भूतनाथ मंदिर परिसर यहां की सबसे मोहक धरोहरों में गिना जाता है। स्थानीय बलुआ पत्थर से निर्मित यह रॉककट मंदिर भगवान शिव को समर्पित है। गर्भगृह में छोटा-सा शिवलिंग है, जबकि दीवारों पर उभरी हुई शिल्पकृतियां प्राचीन कलाकारों की कल्पनाशक्ति का परिचय देती हैं।

चारों ओर फैले विशाल प्राकृतिक शिलाखंड मानो मंदिर के प्राकृतिक प्रहरी बनकर खड़े हैं। हवा और पानी से घिसकर बने इन बोल्डरों के बीच कहीं-कहीं लकड़ी की कलात्मक सज्जा भी दिखाई देती है। शेषशायी भगवान विष्णु की विशाल प्रतिमा विशेष आकर्षण का केंद्र है। बलुआ पत्थर पर उकेरी गई उनकी नसें तक स्पष्ट दिखाई देती हैं।

यहीं भगवान बुद्ध की अभय मुद्रा वाली प्रतिमा भी है। सिंहासन, सिंह, मकर, पीपल वृक्ष और प्रभामंडल सहित निर्मित यह मूर्ति भारतीय मूर्तिकला की उत्कृष्ट परंपरा का परिचय देती है।

येल्लम्मा मंदिर : जहां इतिहास ने बदला अपना स्वरूप

बदामी का येल्लम्मा मंदिर अपने इतिहास के कारण विशेष महत्व रखता है। शिलालेखों के अनुसार इसका निर्माण बारहवीं शताब्दी में हुआ था। प्रारंभ में यह विष्णु मंदिर था, लेकिन समय के साथ यह देवी येल्लम्मा को समर्पित हो गया।

दीवारों से जुड़े चौकोर स्तंभ, पिरामिडाकार शिखर, सुंदर मंडप और बैठने के लिए बने झरोखे इसकी स्थापत्य विशेषताएं हैं। प्रत्येक स्तंभ का आकार, आधार, शाफ्ट और शीर्ष अलग-अलग कलात्मक शैली का परिचय देता है।

मंदिर से दक्षिणी किले का दृश्य भी दिखाई देता है, जो इस पूरे क्षेत्र की सामरिक और सांस्कृतिक महत्ता का एहसास कराता है।

मालेगिट्टी शिवालय : पत्थरों में अंकित कविता

सातवीं शताब्दी में निर्मित मालेगिट्टी शिवालय चालुक्य स्थापत्य का शानदार उदाहरण है। ऊबड़-खाबड़ चट्टानों पर स्थित यह मंदिर दूर से ही अपनी विशिष्ट पहचान बना लेता है।

प्रवेश मंडप के स्तंभों पर सरल लेकिन प्रभावशाली नक्काशी है। ऊपर कमल की पंखुड़ियों जैसे अलंकरण दिखाई देते हैं। मुख्य दीवारों पर द्वारपाल, जालियां, देवमूर्तियां और सूक्ष्म शिल्पांकन इस बात का प्रमाण हैं कि तत्कालीन शिल्पकार केवल निर्माणकर्ता नहीं, बल्कि महान कलाकार भी थे।

मंदिर के ऊपरी भाग पर सात घोड़ों वाले सूर्य की छोटी-सी प्रतिमा आज भी विद्यमान है। इतिहासकारों का मानना है कि प्रारंभ में यह सूर्य मंदिर था, जिसे बाद में शिवालय का रूप दिया गया।

दीवारों पर देवगण, संगीतकार, नर्तक, योद्धा तथा शिव और विष्णु के विविध रूप इतने जीवंत दिखाई देते हैं कि लगता है अभी बोल उठेंगे।

बनशंकरी अम्मा : आस्था का उत्सव

बदामी से कुछ दूरी पर स्थित बनशंकरी अम्मा मंदिर पूरे कर्नाटक की आस्था का प्रमुख केंद्र है। प्रत्येक वर्ष जनवरी में यहां विशाल रथयात्रा और मेला आयोजित होता है। हजारों श्रद्धालु माता के दर्शन के लिए यहां पहुंचते हैं।

लोकमान्यता है कि ब्रह्मा, विष्णु और महेश ने देवी दुर्गा के छठे स्वरूप बनशंकरी को दुष्ट शक्तियों के विनाश के लिए भेजा था। चोल राजवंश ने इस मंदिर का निर्माण कराया और बाद में इसमें कई स्थापत्य परिवर्तन हुए।

मंदिर द्रविड़ और नागर शैली का सुंदर संगम प्रस्तुत करता है। कभी यहां इस्लामी शैली की जालियां भी थीं, जिनके अवशेष आज इतिहास की कहानी सुनाते हैं।

दो मंजिला इस मंदिर में मुखमंडप, अर्धमंडप और गर्भगृह के ऊपर ऊंचा शिखर है, जिसे द्रविड़ शैली में 'विमान' कहा जाता है। माता की अष्टभुजा प्रतिमा में शस्त्र, शास्त्र, डमरू, त्रिशूल, ढाल और अन्य आयुध उनके शक्ति स्वरूप का परिचय देते हैं।

पास स्थित हरिद्रा तालाब की परिक्रमा श्रद्धालुओं के लिए विशेष धार्मिक महत्व रखती है। राहुकाल पूजा कराने की परंपरा आज भी यहां जीवित है।

पत्थरों में बसती सभ्यता

बदामी की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि यहां मंदिर केवल पूजा के स्थान नहीं हैं। वे इतिहास, संस्कृति, स्थापत्य, मूर्तिकला, धर्म और समाज के संयुक्त दस्तावेज हैं। प्रत्येक पत्थर पर समय की छाप अंकित है।

विकासशील देशों में एआई सदस्यता शुल्क कम होने चाहिए

डॉ. शैलेश शुक्ला

कृत्रिम बुद्धिमत्ता आज केवल एक नई तकनीक नहीं रह गई है, बल्कि शिक्षा, रोजगार, शोध, व्यापार, पत्रकारिता, स्वास्थ्य, प्रशासन और संचार को बदलने वाली महत्वपूर्ण तकनीक बनती जा रही है। जिस प्रकार इंटरनेट ने सूचना तक पहुँच को व्यापक बनाया, उसी प्रकार एआई आने वाले वर्षों में ज्ञान, कौशल और उत्पादकता तक पहुँच का एक महत्वपूर्ण माध्यम बनने वाला है। लेकिन इसके साथ एक गंभीर प्रश्न भी सामने है कि क्या दुनिया के सभी देशों और सभी आय-वर्गों के लोगों को एआई का समान लाभ मिल सकेगा? यदि एआई की सदस्यता शुल्क ऐसी दरों पर तय होती है जो मुख्यतः अमेरिका और यूरोप जैसे उच्च आय वाले बाजारों की भुगतान क्षमता को ध्यान में रखती हैं, तो विकासशील देशों के करोड़ों लोगों के लिए वही कीमत बहुत महंगी साबित हो सकती है। मुद्रा के स्तर पर समान कीमत का अर्थ आर्थिक रूप से समान बोझ नहीं होता। किसी विकसित देश में बीस डॉलर की मासिक सदस्यता किसी व्यक्ति की आय का बहुत छोटा हिस्सा हो सकती है, जबकि विकासशील देश के निम्न या मध्यम आय वाले व्यक्ति के लिए यही राशि उसके मासिक बजट का महत्वपूर्ण हिस्सा बन सकती है। इसलिए एआई सेवाओं की वैश्विक कीमत निर्धारित करते समय केवल विदेशी मुद्रा की विनिमय दर को आधार बनाना पर्याप्त नहीं है; स्थानीय आय, क्रय-शक्ति, औसत वेतन, जीवन-यापन की लागत और डिजिटल सेवाओं पर होने वाले खर्च को भी ध्यान में रखना आवश्यक है।

विकासशील देशों की वास्तविक आर्थिक स्थिति को समझने के लिए प्रति व्यक्ति आय के साथ क्रय-शक्ति समता को देखना भी जरूरी है। किसी देश की प्रति व्यक्ति आय यदि विदेशी मुद्रा में कम दिखाई देती है, तो इसका अर्थ यह नहीं कि वहाँ प्रत्येक वस्तु उतनी ही महंगी है जितनी अमेरिका या यूरोप में। स्थानीय कीमतें, मजदूरी और सेवाओं की लागत अलग होती है। इसलिए क्रय-शक्ति समता किसी अर्थव्यवस्था की घरेलू क्रय-क्षमता को समझने का महत्वपूर्ण माध्यम है। लेकिन एआई की कीमत तय करते समय केवल क्रय-शक्ति समता को भी अंतिम आधार नहीं बनाया जा सकता, क्योंकि किसी देश की औसत आय और उसके गरीब या निम्न-मध्यम आय वाले नागरिकों की वास्तविक खर्च करने की क्षमता में बहुत अंतर हो सकता है। यही कारण है कि एक ही देश में किसी बड़े शहर के उच्च आय वाले पेशेवर और छोटे शहर के विद्यार्थी के लिए समान एआई सदस्यता शुल्क का आर्थिक प्रभाव बिल्कुल अलग हो सकता है। विशेष रूप से भारत जैसे विशाल और आय-विविधता वाले देश में स्थानीय क्रय-शक्ति के अनुरूप एआई की कीमत निर्धारित करने की आवश्यकता अधिक महसूस होती है।

यह समस्या इसलिए और गंभीर है क्योंकि दुनिया में डिजिटल असमानता अभी समाप्त नहीं हुई है। अंतरराष्ट्रीय दूरसंचार संघ के वर्ष दो हजार पच्चीस के आंकड़ों के अनुसार दुनिया की लगभग तीन-चौथाई आबादी इंटरनेट का उपयोग कर रही है, लेकिन लगभग दो अरब बीस करोड़ लोग अब भी इंटरनेट से बाहर हैं और इनमें अधिकांश निम्न तथा मध्यम आय वाले देशों में रहते हैं। अंतरराष्ट्रीय दूरसंचार संघ के अनुसार निम्न और मध्यम आय वाली अर्थव्यवस्थाओं में लगभग साठ प्रतिशत में इंटरनेट सेवाएँ अभी भी वहनीयता की समस्या से प्रभावित हैं।

इतना ही नहीं, निम्न-मध्यम आय वाली अर्थव्यवस्थाओं में मोबाइल इंटरनेट पर होने वाला आय का बोझ उच्च आय वाली अर्थव्यवस्थाओं की तुलना में कई गुना अधिक है। ऐसी स्थिति में यदि इंटरनेट तक पहुँच पहले ही महंगी है और उसके ऊपर एआई की सदस्यता भी विकसित देशों के समान रखी जाती है, तो विकासशील देशों के लोगों के लिए एआई तक वास्तविक पहुँच और भी कठिन हो जाएगी।

बोध कथा

एकाग्रता का महत्व

वीर बहादुर एक सर्कस में काम करता था। वह खतरनाक शेर को भी कुछ ही समय में पालतू बना लेता था। एक दिन सर्कस में एक नौजवान आया। वह जानवरों के हाव-भाव और हरकतों पर रिसर्च कर रहा था। उसने वीर बहादुर से कहा, 'आपका बहुत नाम सुना है। खतरनाक शेर को भी पालतू कैसे बन लेते हैं आप?' वीर बहादुर ने मुस्कराते हुए कहा, 'देखो, यह कोई राज नहीं है। तुम बड़े सही मौके पर आए हो। आज ही मुझे एक खतरनाक शेर को पालतू बनाना है। वह कई लोगों को अपना शिकार बना चुका है। तुम मेरे साथ चलना और वहां खुद देखना कि मैं कैसे यह काम करता हूं।'

बौद्ध धर्म

नौजवान ने देखा कि वीर बहादुर ने अपने साथ न कोई हथियार लिया और न ही बचाव के लिए कोई दूसरी चीज। उसने अपने साथ बस एक लकड़ी का स्टूल लिया है। वह हैरान था कि स्टूल से वीर बहादुर खतरनाक शेर को कैसे काबू कर लेगा। शेर जैसे ही वीर बहादुर की तरफ गरज कर लपकता, वह स्टूल के पायों को शेर की तरफ कर देता।

शेर स्टूल के चारों पायों पर अपना ध्यान केंद्रित करने की कोशिश करता और असहाय हो जाता।

चुटकुले

टीचर: दस आम में से दो मैं ले लूँ, तो क्या बचेगा?

छात्र: आठ आम और आपसे थोड़ी नाराजगी।

टीचर: होमवर्क कहाँ है?

छात्र: Homework घर का काम है, इसलिए घर पर छोड़ आया।

टीचर: देर से क्यों आए?

छात्र: बाहर लिखा था, 'आगे स्कूल है, धीरे चलें।'

टीचर: पृथ्वी गोल क्यों है?

छात्र: ताकि किसी को cor-ner में खड़ा न होना पड़े।

टीचर: किताब देखकर क्यों मुस्कुरा रहे हो?

छात्र: इसमें लिखा है, 'पाठ समाप्त।'

टीचर: पानी का formula बताओ।

छात्र: H, I, J, K, L, M, N, OĐ आपने ही तो कहा था ॥ to O!

टीचर: सूरज न निकले तो क्या होगा?

छात्र: Morning assem-bly cancel होगी।

टीचर: Handwriting इतनी छोटी क्यों है?

व्यंग्य केसरी

बधाई हो, मृतक स्वस्थ हो गया!

डॉ मुकेश असीमित

आत्मा को अमरता प्रदान करने में हमारे डॉक्टर भी अपना पूरा योगदान दे रहे हैं,खासकर तब से, जब से सरकारें आयुष्मान जैसी जनकल्याणकारी योजनाएँ लेकर आई हैं।

इंसानी शरीर भले ही बिना इलाज के मर जाए, लेकिन योजना उसकी आत्मा को मरने नहीं देती। जीते-जी भी पूरी कोशिश की जाती है कि मरीज और उसके परिजन अपनी आत्माएँ अस्पताल में ही छोड़कर जाएँ। मरीज की आत्मा कागज़ों में भर्ती रहती है, फाइलों में दवाइयाँ खाती है और योजनाएँ मोबाइल संदेश के माध्यम से यह सुनिश्चित भी करती हैं कि इलाज करवाकर आत्मा सकुशल मरीज के परिजनों के पास पहुँच जाए।

शरीर श्मशान पहुँच जाए तो पहुँच जाए, लेकिन सरकारी रिकॉर्ड में उसकी आत्मा सदा अमर रहती है। कोई झंझट ही नहीं कि यमलोक से कोई भैंसे पर बैठकर आए और आत्मा को साथ ले जाए! यह आत्मा मृत्युलोक की बपौती है। यहाँ आदमी जीते-जी भले ही किसी काम-धंधे का न रहे, कम से कम मरने के बाद उसकी आत्मा किसी योजना का लाभ उठाकर कुछ अस्पतालों का पेट तो भर सकती है।

हाल ही में एक मरीज ने योजना की मर्यादा भंग करते हुए समय से पहले प्राण त्याग दिए। अस्पताल ने उसे बहुत समझाया,

'भाई साहब, अभी आपका पैकेज पूरा नहीं हुआ है। कम से कम दस दिन और जीवित रहिए!'

मगर मरीज भी निकला घोर अनुशासनहीन। डॉक्टर की अनुमति लिए बिना ही चल बसा। अब अस्पताल बेचारा क्या करता? मरीज चला गया, लेकिन पैकेज तो वहीं पड़ा था। अतः व्यापक जनहित में उसका इलाज जारी रखा गया। दवाइयाँ दी गईं, जाँचें हुईं और इंजेक्शन लगाए गए,बस मरीज को छोड़कर शेष सभी का उपचार चलता रहा। यहाँ 'बिल' बड़ा बलवान था; बिल बढ़ता गया और व्यवस्था का बल भी बढ़ता गया।

दसवें दिन परिजनों के मोबाइल पर एक संदेश आया,

'बधाई हो! आप स्वस्थ होकर घर जा रहे हैं।'

परिजन चौंक गए। उन्होंने सोचा,हम तो इनका अंतिम संस्कार कर चुके हैं, फिर यह कौन स्वस्थ होकर घर आ रहा है? कहीं योजना ने पुनर्जन्म की सुविधा भी तो प्रारंभ नहीं कर दी! यदि वास्तव में ऐसा है तो आयुष्मान योजना को स्वास्थ्य विभाग से हटाकर सीधे 'आध्यात्मिक पुनरुत्थान मंत्रालय' के अधीन कर देना चाहिए।सच पूछिए तो इन योजनाओं ने गरीबों का कितना कल्याण किया है! गरीब का इलाज हो या न हो, कई अस्पतालों की आर्थिक सेहत अवश्य सुधर गई है। डॉक्टर धन्य, दलाल धन्य, दस्तावेज़ धन्य और भुगतान पाने वाला प्रत्येक पात्र परम धन्य! मरीज के पेट में अन्न पहुँचे या न पहुँचे, मगर योजना का धन सही पेट तक अवश्य पहुँच रहा है। हे महान योजना! तुम्हारी जय हो! तुमने मृत्यु और जीवन के बीच का भेद ही मिटा दिया। अब आदमी मरकर भी अस्पताल में भर्ती रह सकता है, बिना साँस लिए ऑक्सीजन ले सकता है और श्मशान पहुँचने के बाद स्वस्थ होकर घर भी लौट सकता है।

इतिहास

18 अगस्त का इतिहास देश और दुनिया की कई महत्वपूर्ण घटनाओं, जन्म और मृत्यु से जुड़ा है। इसमें वर्ष 1945 में नेताजी सुभाष चंद्र बोस की कथित विमान दुर्घटना और 1942 में स्वतंत्रता संग्राम के दौरान गाजीपुर के मुहम्मदाबाद में तिरंगा फहराने की ऐतिहासिक घटना प्रमुख हैं।

प्रमुख ऐतिहासिक घटनाएं

1201: लातविया की राजधानी रीगा शहर की स्थापना हुई।

1942: भारत छोड़ो आंदोलन के दौरान उत्तर प्रदेश के गाजीपुर जिले में मुहम्मदाबाद तहसील पर तिरंगा फहराने की कोशिश में आठ स्वतंत्रता सेनानी (अष्ट शहीद) पुलिस की गोलियों से शहीद हो गए।

1950: असम में आए 8.6 तीव्रता के भीषण भूकंप से भारी तबाही मची, जो 20वीं सदी के सबसे विनाशकारी भूकंपों में गिना जाता है।

अंतागढ़ के कढ़ाईखोदरा का नदी पारा बुनियादी सुविधाओं से दूर

बारिश के दिनों में ब्लॉक मुख्यालय से कट जाता है संपर्क, करीब 12-13 घरों की आबादी बनी हुई है परेशानी

विश्व केसरी

अंतागढ़ (डम्पी खान)। अंतागढ़ क्षेत्र में शनिवार को सामने आया एक दृश्य ग्रामीण अंचलों में बुनियादी सुविधाओं की जमीनी हकीकत को बयां करने वाला रहा। महिला, पुरुष और बच्चों समेत ग्रामीण एक शव को कंधे पर उठाकर नदी पार करते नजर आए। यह दृश्य देखकर सहज ही अंदाजा लगाया जा सकता है कि नदी पारा में रहने वाले ग्रामीणों को सामान्य दिनों में ही नहीं, बल्कि जीवन के सबसे कठिन समय में भी किस तरह की परिस्थितियों से गुजरना पड़ता है।

जानकारी लेने पर पता चला कि यह मामला अंतागढ़ मुख्यालय से कुछ ही दूरी पर स्थित ग्राम कढ़ाईखोदरा के नदी पारा का है, कढ़ाईखोदरा डेम के समीप स्थित इस पारा में करीब 12 से 13 घर हैं। बताया जाता है कि यह पारा नदी के उस पार बसा हुआ है और बारिश के दिनों में नदी का जलस्तर बढ़ने के कारण यहां रहने वाले ग्रामीणों का ब्लॉक मुख्यालय सहित आसपास के क्षेत्रों से संपर्क प्रभावित हो जाता है।

शव को कंधे पर लेकर पार करनी पड़ी नदी

शनिवार को जब ग्रामीण एक शव को अंतिम संस्कार के लिए ले जा रहे थे, तब उन्हें नदी पार करने के लिए अर्थी को कंधे पर उठाकर पानी के बीच से गुजरना पड़ा। इस दौरान महिला और पुरुष ग्रामीणों के साथ बच्चे भी मौजूद थे। यह तस्वीर केवल एक परिवार की परेशानी नहीं, बल्कि नदी पारा में रहने वाले उन परिवारों की मजबूरी को सामने लाती है, जो लंबे समय से आवागमन की कठिनाइयों के बीच जीवन गुजार रहे हैं।ग्रामीणों के लिए नदी पार करना कोई असामान्य बात नहीं है। रोजमर्रा की जरूरतों, शिक्षा, स्वास्थ्य, बाजार और अन्य आवश्यक कार्यों के लिए भी उन्हें परिस्थितियों के अनुसार नदी पार करनी पड़ती है। बरसात के दिनों में यह समस्या और गंभीर हो जाती है।

कम आबादी के कारण पुल निर्माण की जटिलता

ग्रामीणों की परेशानी को समझने के साथ-साथ इस क्षेत्र की भौगोलिक और व्यावहारिक स्थिति को भी नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। नदी पारा में अपेक्षाकृत कम संख्या में परिवार निवास करते हैं। ऐसे में जिस स्थान पर पुल निर्माण की जरूरत महसूस होती है, वहां बड़ी लागत आने की संभावना है। स्थानीय स्तर पर यह भी माना जाता है कि प्राकृतिक परिस्थितियों के कारण उक्त स्थान पर पुल निर्माण आसान नहीं होगा।यही वजह है कि ग्रामीणों के सामने एक बड़ी दुविधा है। उनकी जरूरत वास्तविक है, लेकिन आबादी कम होने और निर्माण की संभावित भारी लागत के कारण बड़े पुल की मांग को शासन-प्रशासन के समक्ष प्रभावी तरीके से रखना उनके लिए चुनौती बना हुआ है।

प्राथमिक शाला है, लेकिन आवागमन अब भी चुनौती

नदी पारा में प्राथमिक शाला भी संचालित होने की जानकारी है। ऐसे में बरसात के दौरान नदी के बढ़े जलस्तर का असर बच्चों और शिक्षकों के आवागमन पर भी पड़ सकता है। यदि नदी का बहाव तेज हो जाए तो ग्रामीणों के साथ स्कूली बच्चों की सुरक्षा भी चिंता का विषय बन जाती है।

पुल नहीं तो वैकल्पिक व्यवस्था की जरूरत

ग्रामीणों की समस्या का समाधान केवल बड़े पुल के निर्माण तक सीमित नहीं होना चाहिए। यदि वर्तमान स्थान पर स्थायी पुल निर्माण तकनीकी या आर्थिक दृष्टि से कठिन है, तो शासन-प्रशासन द्वारा वहां छोटे पुल, रपटा, पैदल पुल, सुरक्षित आवागमन मार्ग अथवा अन्य व्यवहारिक वैकल्पिक व्यवस्था की संभावनाओं का सर्वे कराया जा सकता है।ग्रामीणों का कहना है कि उन्हें किसी बड़ी सुविधा की अपेक्षा नहीं, बल्कि ऐसी सुरक्षित व्यवस्था चाहिए जिससे बारिश के दिनों में भी वे अपने गांव से बाहर आ-जा सकें और आपात स्थिति में मरीजों अथवा शवों को नदी पार कराने के लिए जोखिम न उठाना पड़े।

हर्षोल्लास के साथ बलौदाबाजार में मनाया गया स्वतंत्रता दिवस

सांसद बृजमोहन अग्रवाल ने किया ध्वजारोहण

विश्व केसरी

बलौदाबाजार (भुवन लाल)। 80 वां स्वतंत्रता दिवस समारोह शनिवार को जिले में देशभक्ति की भावना के साथ हर्षोल्लास एवं गरिमामय वातावरण मे मनाया गया। जिला स्तरीय समारोह के मुख्य अतिथि सांसद रायपुर बृजमोहन अग्रवाल ने स्थानीय पंडित चक्रपणी हाईस्कूल मैदान में ध्वजारोहण कर परेड की सलामी ली । उन्होंने मुख्यमंत्री जी के संदेश का वाचन करते हुए राज्य सरकार की प्रमुख उपलब्धियां एवं भावी कार्य-योजनाओं की जानकारी दी। अग्रवाल ने इस अवसर पर स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों और शहीदों के परिजनों का कुशलक्षेम पूछते हुये शाल एवं श्रीफल भेंटकर सम्मानित किया। इस अवसर पर उन्होंने शासकीय योजनाओं कार्यालयीन कार्यों में उत्कृष्ट कार्य के लिए शासकीय कर्मियों का भी जिला प्रशासन की ओर से सम्मानित कर शुभकामनाएं दी।

पंडित चक्रपाणी शुक्ल हाईस्कूल मैदान में जिला स्तरीय समारोह सवेरे 9 बजे हुआ। ध्वजारोहण पश्चात केंद्रीय अर्द्ध सैनिक पुलिस बल, जिला पुलिस बाल,नगर सेना, एनसीसी, स्काउट गाइड एवं रेडक्रॉस की टुकड़ी ने झण्डे एवं अतिथि को शानदार सलामी दी। परेड का नेतृत्व रक्षित निरीक्षक उषा ठाकुर एवं सेकेण्ड टू आईसी प्रशिक्षु सूबेदार पुष्पेंद्र राज खटर्जी ने किया। समारोह में हर्ष और उल्लास के प्रतीक के रूप में रंगीन गुब्बारे आसमान में उड़ाये गये। अग्रवाल ने जिलें के स्वतंत्रता संग्राम सेनानी परिजन लक्ष्मी ठाकुर, सावित्री सोनी, वीर शहीद उपनिरीक्षक युगल किशोर वर्मा, आरक्षक हुमेश्वर प्रसाद कुर्रे, हीरा लाल गायकवाड़, संतराम साहू, धनंजय वर्मा, संतोष ध्रुव, नरेश कुमार ध्रुव, मिथिलेश कुमार साहू, टेकराम वर्मा, प्रधान आरक्षक हेमलाल कौशिक के परिजनों का श्रीफल एवं साल से सम्मान कर उनका हाल- चाल जाना। इसके अतरिक्त जिले के मीसाबंदियो का भी सम्मान किया गया। सीनियर मार्च पास्ट में बेहतर प्रदर्शन हेतु प्रथम पुरस्कार जिला महिला पुलिस बल , द्वितीय पुरस्कार जिला पुरुष पुलिस बल एवं तृतीय पुरस्कार जिला नगर सैनिक को मिला। जूनियर मार्च पास्ट में प्रथम पुरस्कार स्काउट गुरुकुल इंग्लिश मीडियम स्कूल बलौदाबाजार, द्वितीय पुरस्कार गाइड गुरुकुल इंग्लिश हाई स्कूल बलौदाबाजार एवं तृतीय गाइड पण्डित चक्रपाणी शुक्ल हाई स्कूल बलौदाबाजार को मिला।

डीएसी एकेडमी भिलाई शाखा का भव्य शुभारंभ, शिक्षा के क्षेत्र में नई पहल

विश्व केसरी

भिलाई। सैनिक स्कूल, राष्ट्रीय मिलिट्री स्कूल, राष्ट्रीय इंडियन मिलिट्री कॉलेज, NDA एवं नवोदय विद्यालय प्रवेश परीक्षाओं की उत्कृष्ट तैयारी के लिए विख्यात DAC Academy की नई भिलाई शाखा का शुभारंभ 03 अगस्त 2026 को गरिमामय एवं उत्साहपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि माननीय अमित साहू जी (भाजपा प्रदेश मंत्री, छत्तीसगढ़) रहे। कार्यक्रम में समाजसेवी पीयूष जैन, पारस फाउंडेशन की डायरेक्टर कविता कुंभज , सीडीए के आर. के. साहू सर, DAC Academy की डिप्टी डायरेक्टर अंकिता मैडम तथा पिंटू सर की विशेष गरिमामयी उपस्थिति रही। सभी अतिथियों ने विद्यार्थियों को अनुशासन, समर्पण एवं कड़ी मेहनत के साथ अपने लक्ष्य प्राप्त करने के लिए प्रेरित किया तथा DAC Academy के शैक्षणिक प्रयासों की सराहना की। संस्था के संचालक डी. पी. गोस्वामी सर ने बताया कि DAC Academy पिछले 11 वर्षों से विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान कर रही है तथा 1000 से अधिक विद्यार्थियों का चयन सैनिक स्कूल, RMS, RIMC, NDA एवं नवोदय जैसी प्रतिष्ठित संस्थाओं में करा चुकी है। अब भिलाई के विद्यार्थियों को भी अनुभवी शिक्षकों, नियमित टेस्ट, आधुनिक शिक्षण पद्धति एवं अनुशासित वातावरण का लाभ स्थानीय स्तर पर प्राप्त होगा।

उद्घाटन समारोह में बड़ी संख्या में अभिभावकों, विद्यार्थियों, शिक्षकों, समाजसेवियों एवं गणमान्य नागरिकों ने सहभागिता कर संस्था के प्रति अपना विश्वास एवं शुभकामनाएँ व्यक्त कीं।

अंतागढ़ की आवाज : 7 मांगें, 5 सितंबर की समय-सीमा और 7 सितंबर से आर्थिक नाकेबंदी की चेतावनी

विश्व केसरी

अंतागढ़ (डम्पी खान)। विकास की राह में पीछे छूटे अंतागढ़ को उसका हक दिलाने की मांग अब आंदोलन की दहलीज तक पहुंच गई है। क्षेत्र के जनपद सदस्यों एवं जनहित से जुड़े लोगों ने कलेक्टर, उत्तर बस्तर कांकेर के नाम आवेदन सौंपकर अंतागढ़ के विकास और क्षेत्रवासियों की मूलभूत सुविधाओं से जुड़ी सात बड़ी मांगें उठाई हैं। प्रशासन को 5 सितंबर 2026 तक कार्रवाई का समय दिया गया है। मांगों पर सकारात्मक पहल नहीं होने पर 7 सितंबर 2026, सोमवार से आर्थिक नाकेबंदी और प्रदर्शन शुरू करने की चेतावनी दी गई है।

जिला बनाने की मांग सबसे अहम

आवेदन में अंतागढ़ को पृथक जिला बनाने की मांग को प्रमुखता से उठाया गया है। आवेदकों का कहना है कि प्राकृतिक एवं वन संपदा से समृद्ध अंतागढ़ क्षेत्र जिले के महत्वपूर्ण राजस्व क्षेत्रों में शामिल है, बावजूद इसके विकास की दृष्टि से क्षेत्र अपेक्षित गति हासिल नहीं कर पाया है।

सड़क, रोजगार और रावघाट परियोजना पर जोर

अंतागढ़-नारायणपुर मार्ग को आवागमन योग्य बनाने तथा सड़क की आवश्यक मरम्मत और उन्नयन की मांग की गई है। वहीं रावघाट लौह अयस्क परियोजना से प्रभावित क्षेत्र के करीब 3 हजार युवाओं को स्थायी रोजगार देने की मांग ने स्थानीय स्तर पर रोजगार के सवाल को भी केंद्र में ला दिया है।

वनोपज संग्राहकों के लिए मुआवजे की मांग

विकासखंड के प्रभावित इलाकों में वनोपज संग्रह कर जीवनयापन करने वाले लोगों को प्रतिवर्ष क्षतिपूर्ति/मुआवजा दिए जाने की मांग भी आवेदन में शामिल है। इससे प्रभावित परिवारों को आर्थिक राहत देने की मांग की गई है।

स्वास्थ्य सुविधाओं को लेकर भी बड़ा सवाल

आवेदन में अंतागढ़ सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र को सुपर स्पेशलिटी स्वास्थ्य केंद्र के रूप में विकसित करने की मांग की गई है, ताकि क्षेत्र के लोगों को बेहतर उपचार के लिए दूर नहीं जाना पड़े। इसके साथ गंभीर मरीजों को सेक्टर-9 अस्पताल में नि:शुल्क उपचार की सुविधा देने तथा इसके लिए सिफारिश की बाध्यता समाप्त कर सरल व्यवस्था बनाने की मांग की गई है।

परियोजना विस्तार पर तत्काल नोटिफिकेशन की मांग

शासन की नई गाइडलाइन के अनुसार परियोजना क्षेत्र के विस्तार से संबंधित नोटिफिकेशन तत्काल जारी करने की मांग भी रखी गई है। आवेदन में कहा गया है कि क्षेत्र के विकास और जनहित से जुड़े इन मुद्दों पर समयबद्ध कार्रवाई जरूरी है।

कलेक्टर निवास से कलेक्टोरेट तक गूंजा देशभक्ति का संदेश

विश्व केसरी

बेमेतरा (अनिल त्रिपाठी)। स्वतंत्रता दिवस के पावन अवसर पर जिला मुख्यालय बेमेतरा में राष्ट्रीय पर्व पूरे उत्साह, उमंग और गरिमामय वातावरण में मनाया गया। इसी क्रम में कलेक्टर सुश्री प्रतिष्ठा ममगाईं ने सर्वप्रथम अपने शासकीय निवास परिसर में विधिवत पूजा-अर्चना के पश्चात राष्ट्रीय ध्वज फहराकर स्वतंत्रता दिवस समारोह की शुरुआत की। इसके बाद उन्होंने कलेक्टोरेट परिसर पहुंचकर वहां भी विधिवत ध्वजारोहण किया। दोनों स्थानों पर अधिकारियों एवं कर्मचारियों की उपस्थिति में राष्ट्रध्वज को सलामी दी गई और राष्ट्रगान के सामूहिक गायन के साथ वातावरण देशभक्ति की भावना से गूंज उठा।

शासकीय निवास में विधिवत पूजा-अर्चना के बाद किया ध्वजारोहण

स्वतंत्रता दिवस की सुबह कलेक्टर सुश्री प्रतिष्ठा ममगाईं ने अपने शासकीय निवास परिसर में राष्ट्रीय ध्वज का विधिवत पूजन एवं पूजा-अर्चना की। उन्होंने राष्ट्रध्वज को नमन करते हुए देश की स्वतंत्रता के लिए अपना सर्वस्व न्योछावर करने वाले स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों एवं वीर शहीदों को श्रद्धापूर्वक स्मरण किया। इसके पश्चात उन्होंने ध्वजारोहण किया।

ध्वजारोहण के बाद उपस्थित अधिकारियों एवं कर्मचारियों द्वारा राष्ट्रगान का सामूहिक गायन किया गया। इस दौरान शासकीय निवास परिसर में राष्ट्रीय पर्व की गरिमा के अनुरूप देशभक्ति और राष्ट्रप्रेम का वातावरण दिखाई दिया। कलेक्टर ने उपस्थित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को स्वतंत्रता दिवस की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि आज का दिन देश के लिए बलिदान देने वाले वीरों के त्याग और संघर्ष को स्मरण करने का अवसर है।

वरिष्ठ पत्रकार सुनील साहू फिर बने जिला इलेक्ट्रॉनिक मीडिया संगठन के अध्यक्ष

विश्व केसरी

बलौदाबाजार (भुवन लाल)। जिला इलेक्ट्रॉनिक मीडिया संगठन बलौदाबाजार का चुनाव संपन्न हुआ। चुनाव प्रक्रिया में वरिष्ठ पत्रकार सुनील साहू को एक बार फिर संगठन का अध्यक्ष निर्वाचित किया गया। उनके पुन: अध्यक्ष चुने जाने पर जिलेभर के पत्रकारों में हर्ष का माहौल है। पत्रकार साथियों ने उन्हें बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए संगठन को और अधिक मजबूत बनाने की उम्मीद जताई है।

चुनाव के दौरान पत्रकारों ने संगठन की एकजुटता, आपसी समन्वय और पत्रकारों के हितों से जुड़े मुद्दों को प्राथमिकता के साथ उठाने पर जोर दिया। सदस्यों ने कहा कि बदलते मीडिया परिदृश्य में पत्रकारों के अधिकारों, सम्मान और सुरक्षा से जुड़े विषयों को मजबूती से सामने लाने के लिए संगठन की भूमिका महत्वपूर्ण है।

अध्यक्ष पद पर दोबारा निर्वाचित होने के बाद सुनील साहू ने सभी पत्रकार साथियों का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि संगठन ने जिस विश्वास के साथ उन्हें पुन: जिम्मेदारी सौंपी है, उस विश्वास पर खरा उतरने का हरसंभव प्रयास किया जाएगा। पत्रकारों के हित और अधिकारों से जुड़े विषयों को प्राथमिकता दी जाएगी तथा जिले में पत्रकारिता को और अधिक सशक्त, निष्पक्ष एवं प्रभावी बनाने के लिए सभी पत्रकार साथियों को साथ लेकर कार्य किया जाएगा। उन्होंने कहा कि संगठन की मजबूती किसी एक व्यक्ति से नहीं, बल्कि सभी पत्रकार साथियों की एकजुटता और आपसी सहयोग से होती है। आने वाले समय में पत्रकारों की समस्याओं और आवश्यकताओं को लेकर संगठन सक्रियता के साथ कार्य करेगा।

चुनाव संपन्न होने के बाद जिले के पत्रकारों ने नवनिर्वाचित अध्यक्ष एवं पदाधिकारियों को बधाई देते हुए संगठन के उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं।

छुरा में दिखा देशभक्ति का जज्बा, तिरंगे के रंग में रंगा नगर

शहीदों की शौर्यगाथा से गूंजा छुरा

विश्व केसरी

छुरा (मानसिंह। विकासखंड मुख्यालय छुरा में स्वतंत्रता दिवस का राष्ट्रीय पर्व हर्षोल्लास, उमंग और देशभक्ति के माहौल में मनाया गया। नगर के आदर्श पूर्व माध्यमिक शाला परिसर सहित विभिन्न स्थानों पर आयोजित कार्यक्रमों में तिरंगा शान से लहराया। सुबह स्कूली बच्चों ने हाथों में तिरंगा लेकर प्रभात फेरी निकाली। देशभक्ति नारों, गीतों और बैंड की थाप से पूरा नगर राष्ट्रप्रेम की भावना से सराबोर नजर आया।

आजादी की वर्षगांठ के अवसर पर नगर पंचायत प्रांगण में नगर पंचायत अध्यक्ष लुकेश्वरी थानसिंग निषाद, गांधी मैदान शीतला मंदिर प्रांगण में पार्षद रामजी दीवान तथा मुख्य परेड ग्राउंड में नगर पंचायत उपाध्यक्ष समीम खान ने ध्वजारोहण किया। ध्वज शिष्टाचार के बाद उपाध्यक्ष समीम खान ने मार्चपास्ट की सलामी ली।

समारोह में विद्यार्थियों ने वीर रस से ओतप्रोत भाषण, देशभक्ति गीत, कविताओं और सांस्कृतिक प्रस्तुतियों से उपस्थित लोगों में जोश भर दिया। संस्कृत, हिंदी और अंग्रेजी में विद्यार्थियों की शानदार प्रस्तुतियों ने कार्यक्रम को यादगार बना दिया। इस अवसर पर आदर्श पूर्व माध्यमिक शाला छुरा के भूतपूर्व छात्र रहे शहीद महेंद्र सिंह ध्रुव एवं शहीद राजेश कुमार ध्रुव को श्रद्धांजलि अर्पित की गई तथा अमर शहीदों की शौर्यगाथा का वाचन किया गया।

अध्यक्ष लुकेश्वरी निषाद बोलीं—15 अगस्त तारीख नहीं, शहीदों के बलिदान की अमर कहानी और हमारी जिम्मेदारी

नगर पंचायत अध्यक्ष लुकेश्वरी थानसिंग निषाद ने अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में कहा कि 15 अगस्त केवल कैलेंडर की एक तारीख नहीं, बल्कि यह भारत के गौरव, संघर्ष, बलिदान और आत्मसम्मान का प्रतीक है। यह वह दिन है, जब देश ने लंबे संघर्ष और असंख्य बलिदानों के बाद स्वतंत्रता की सांस ली। उन्होंने कहा कि हमारे स्वतंत्रता सेनानियों ने अपना आज देश के भविष्य के लिए कुर्बान कर दिया। अनेक वीरों ने हंसते-हंसते फांसी के फंदे को चूमा, गोलियां खाईं और जेल की यातनाएं सहीं, तब जाकर आज की पीढ़ी को स्वतंत्र भारत मिला। इसलिए तिरंगे के सामने खड़े होकर हमें केवल खुशी नहीं, बल्कि उन वीरों के प्रति कृतज्ञता भी महसूस करनी चाहिए।

अध्यक्ष ने कहा कि भारत की पहचान उसकी एकता और विविधता में है। अलग-अलग धर्म, भाषा, संस्कृति और परंपराओं के बावजूद हम सभी पहले भारतीय हैं। यही भावना देश को मजबूत बनाती है। उन्होंने नगरवासियों से अपील करते हुए कहा कि आपसी भाईचारा, सद्भाव और सामाजिक एकता को हमेशा मजबूत बनाए रखें। उन्होंने कहा कि राष्ट्र निर्माण केवल बड़े-बड़े कार्यों से नहीं होता, बल्कि प्रत्येक नागरिक की छोटी-छोटी जिम्मेदारियों से देश मजबूत बनता है। स्वच्छता रखना, सार्वजनिक संपत्ति की रक्षा करना, बेटियों का सम्मान करना, पर्यावरण बचाना, जरूरतमंदों की मदद करना और ईमानदारी से अपने कर्तव्यों का निर्वहन करना भी सच्ची देशभक्ति है। उन्होंने युवाओं और विद्यार्थियों से आह्वान किया कि वे शिक्षा को अपना सबसे बड़ा हथियार बनाएं और अपने सपनों के साथ देश के सपनों को भी जोड़ें। आज के बच्चे ही कल के भारत की दिशा तय करेंगे। उन्होंने कहा कि हमें ऐसा भारत बनाने का संकल्प लेना चाहिए जो मजबूत, आत्मनिर्भर, शिक्षित, समृद्ध और संस्कारवान हो। अध्यक्ष ने कहा कि 'हमें भारतीय होने पर गर्व है और इस गौरव को आने वाली पीढ़ियों तक पहुंचाना हम सभी की जिम्मेदारी है।'

सुने मकान में चोरी करने वाले 2 आरोपी गिरफ्तार

विश्व केसरी

कांकेर (रोहित श्रीवास्तव)। प्रार्थी रूपेश कुमार मौहान,निवासी ग्राम कुर्री, द्वारा थाना कोरर में रिपोर्ट दर्ज कराई गई कि वह 08 अगस्त 2026 को अपने निजी कार्य से सपरिवार मकान में ताला लगाकर रायपुर गया था। 09 अगस्त 2026 की शाम वापस घर लौटने पर मकान के मुख्य दरवाजे पर लगा ताला टूटा हुआ मिला। घर के अंदर जाकर देखने पर सामान अस्त-व्यस्त पाया गया तथा घर से सोने के आभूषण लगभग 23 ग्राम,इंडेन कंपनी का गैस सिलेंडर एवं नगदी रकम लगभग 50,000/- रुपये चोरी होना पाया गया। प्रार्थी की रिपोर्ट पर थाना कोरर में अपराध क्रमांक 80/2026,धारा 305(1), 331(4) बीएनएस के तहत अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया। घटना की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक निखिल राखेचा के निर्देशन में, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक योगेश साहू के मार्गदर्शन एवं अनुविभागीय अधिकारी पुलिस मोहसिन खान के पर्यवेक्षण में थाना कोरर पुलिस एवं साइबर सेल कांकेर की संयुक्त टीम गठित कर आरोपियों की पतासाजी प्रारंभ की गई। पुलिस टीम द्वारा घटनास्थल एवं उसके आसपास के क्षेत्रों में लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज का बारीकी से विश्लेषण एवं अन्य तकनीकी साक्ष्यों का परीक्षण किया गया। प्राप्त तकनीकी एवं भौतिक साक्ष्यों के आधार पर पुलिस को बल्लभ भाई पटेल उर्फ राजू पिता स्व.ओमप्रकाश पटेल निवासी, शीतलापारा नारायणपुर,थाना भानुप्रतापपुर,जिला कांकेर एवं भारत पटेल पिता जयसिंह पटेल, निवासी शीतलापारा नारायणपुर,थाना भानुप्रतापपुर, जिला कांकेर पर संदेह हुआ।

भारतीय शेयर बाजार लाल निशान में बंद; सेंसेक्स 78,000 के नीचे

विश्व केसरी

मुंबई। भारतीय शेयर बाजार सोमवार के कारोबारी सत्र में लाल निशान में बंद हुआ। दिन के अंत में सेंसेक्स 281.09 अंक या 0.36 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 77,728.16 और निफ्टी 78.35 अंक या 0.32 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 24,287.65 पर था।

बाजार में बिकवाली आईटी और एफएमसीजी शेयरों में देखी गई। सूचकांकों में निफ्टी आईटी और निफ्टी एफएमसीजी टॉप लूजर थे। निफ्टी कंजप्शन, निफ्टी सर्विसेज, निफ्टी हेल्थकेयर, निफ्टी फार्मा और निफ्टी पीएसयू बैंक लाल निशान में बंद हुए। निफ्टी रियल्टी, निफ्टी मेटल, निफ्टी मीडिया, निफ्टी इंडिया डिफेंस, निफ्टी एनर्जी, निफ्टी प्राइवेट बैंक, निफ्टी इंडिया मैन्युफैक्चरिंग, निफ्टी कमोडिटीज और निफ्टी पीएसई हरे निशान में बंद हुए।

सेंसेक्स पैक में टाटा स्टील, एक्सिस बैंक, बीईएल, एचडीएफसी बैंक, एलएंडटी और बजाज फाइनेंस हरे निशान में बंद हुए। इन्फोसिस, एचसीएल टेक, सन फार्मा, टीसीएस, टेक महिंद्रा, आईटीसी, ट्रेंट, एनटीपीसी, एचयूएल, एमएंडएम, भारती एयरटेल, बजाज फिनसर्व, इंडिगो, अल्ट्राटेक सीमेंट, एशियन पेंट्स और मारुति सुजुकी लाल निशान में बंद हुए।

लार्जकैप के साथ मिडकैप और स्मॉलकैप में तेजी देखने को मिली। निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 34.85 अंक या 0.05 प्रतिशत की मामूली बढ़त के साथ 63,817.00 और निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स 70.70 अंक या 0.36 प्रतिशत की मजबूती के साथ 19,809.25 पर था।

बाजार के जानकारों ने कहा कि ऊर्जा की वजह से इनपुट लागत का दबाव अभी भी निकट भविष्य में बाजार की धारणा पर असर डाल रहा है। हालांकि, वित्त वर्ष 27 की पहली तिमाही में उम्मीद से बेहतर नतीजों से आने वाली तिमाहियों में कमाई के अनुमानों में सुधार की उम्मीद है। इस तिमाही में कम लागत वाली इन्वेंट्री से मुनाफे में मदद मिली, लेकिन यह कब तक जारी रहेगा, इस पर नजर रखनी होगी, क्योंकि ज्यादा लागत पर नया स्टॉक खरीदने से वित्त वर्ष 27 की दूसरी तिमाही में मार्जिन बढ़ने की गुंजाइश कम हो सकती है।

उन्होंने आगे कहा कि मौजूदा समय में निवेशक उन सेक्टर और कंपनियों की ओर तेजी से बढ़ रहे हैं जिनकी कमाई का भविष्य साफ है, खासकर मिड-कैप और स्मॉल-कैप सेगमेंट में। घरेलू स्तर पर, कच्चे तेल की ऊंची कीमतों और आरबीआई के एफसीएनआर (बी)डिपॉजिट विंडो को समय से पहले बंद करने के फैसले के बाद बॉन्ड यील्ड में बढ़ोतरी हुई। वैश्विक स्तर पर, अमेरिकी डॉलर के कमजोर होने और कंज्यूमर डेटा के नरम रहने से निकट भविष्य में ब्याज दरें बढ़ाने की चिंताएं कम हुई हैं, जिससे लंबी अवधि के लिए जोखिम लेने की क्षमता में सुधार हुआ है।

वैश्विक अनिश्चितता के बीच कीमती धातुओं में तेजी, सोने-चांदी में 1 प्रतिशत तक की बढ़त

विश्व केसरी

मुंबई। पश्चिम एशिया में अमेरिका-ईरान संघर्ष को लेकर जारी अनिश्चितता के बीच भारतीय कमोडिटी बाजार में सोमवार के सत्र में कीमती धातुओं में तेजी देखने को मिली। इस बीच, पीले धातु (सोने) और सफेद धातु (चांदी) की कीमतों में 1 प्रतिशत तक की बढ़त दर्ज की गई।

शुरुआती कारोबार में मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर अक्टूबर डिलीवरी वाला सोना पिछले बंद 1,54,506 रुपए से 1,649 रुपए यानी 1.06 प्रतिशत की तेजी के साथ 1,56,155 रुपए प्रति 10 ग्राम पर खुला, जो कि दिन का हाई रहा। खबर लिखे जाने तक गोल्ड 0.40 प्रतिशत यानी 614 रुपए की तेजी के साथ 1,55,120 रुपए पर ट्रेड करते नजर आया। हालांकि मौजूदा कीमतें अभी भी इस वर्ष के रिकॉर्ड उच्च स्तर 1,80,779 रुपए प्रति 10 ग्राम से काफी नीचे हैं।

वहीं, चांदी की कीमतों में भी अच्छी तेजी दर्ज की गई। सितंबर डिलीवरी वाला सिल्वर अपने पिछले बंद 2,35,924 रुपए 1,576 रुपए यानी 0.66 प्रतिशत की उछाल के साथ 2,37,500 रुपए प्रति किलोग्राम पर खुला, और दिन के कारोबार में यह 1.08 प्रतिशत यानी 2,555 रुपए की तेजी के साथ 2,38,479 रुपए का उच्चतम स्तर छुआ। चांदी का वार्षिक रिकॉर्ड उच्च स्तर 4,20,048 रुपए प्रति किलोग्राम रहा है, जिससे मौजूदा भाव अभी काफी कम है।

विश्लेषकों ने सोने और चांदी की कीमतों के लिए सकारात्मक दृष्टिकोण बनाए रखा है, साथ ही हालिया बढ़त के बाद अस्थिरता और स्थिरीकरण की संभावना पर भी जोर दिया है। इन कारण से सोने और चांदी की कीमतों पर नजर बनी हुई है।

पिछले सप्ताह, एमसीएक्स पर सोने के वायदा भाव में लगभग 2 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई, जबकि चांदी में 1.9 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई। अंतरराष्ट्रीय बाजारों में, कॉमेक्स पर सोने में लगभग 1 प्रतिशत और चांदी में 2.5 प्रतिशत की वृद्धि हुई। सोने की इस वृद्धि को सितंबर में अमेरिकी फेडरल रिजर्व द्वारा ब्याज दरों में बढ़ोतरी की कम उम्मीदों से बल मिला, क्योंकि गैर-कृषि रोजगार के आंकड़े उम्मीद से कमजोर रहे और मुद्रास्फीति स्थिर रही।

आकलन वर्ष 2026 में 100 करोड़ रुपए से अधिक आय दिखाने वाले करदाताओं की संख्या 39 प्रतिशत बढ़कर 576 हुई: रिपोर्ट

विश्व केसरी

नई दिल्ली। भारत में उच्च आय वर्ग के करदाताओं की संख्या तेजी से बढ़ रही है। एसबीआई रिसर्च की एक रिपोर्ट के अनुसार, आकलन वर्ष (एवाई) 2026 में 100 करोड़ रुपए या उससे अधिक वार्षिक आय घोषित करने वाले करदाताओं की संख्या 39 प्रतिशत बढ़कर 576 हो गई है, जबकि एक वर्ष पहले एवाई25 में यह संख्या 415 थी। यह वृद्धि भारत में बढ़ती आय, व्यवसायिक विस्तार और आर्थिक गतिविधियों में तेजी का संकेत मानी जा रही है।

रिपोर्ट के मुताबिक, केवल अति-उच्च आय वर्ग ही नहीं, बल्कि 1 करोड़ रुपए या उससे अधिक आय दिखाने वाले करदाताओं की संख्या में भी उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की गई है। आकलन वर्ष 2026 में इस श्रेणी के करदाताओं की संख्या बढ़कर 5,35,672 हो गई, जो आकलन वर्ष 2025 में 4,71,419 थी। यानी इस वर्ग में सालाना आधार पर 14 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई। हालांकि रिपोर्ट बताती है कि सबसे ऊपरी आय वर्ग में वृद्धि की रफ्तार व्यापक उच्च आय वर्ग की तुलना में कहीं अधिक तेज रही है। 100 करोड़ रुपए से अधिक आय वाले करदाताओं की संख्या पिछले कुछ वर्षों में काफी उतार-चढ़ाव के साथ बढ़ी है। आकलन वर्ष 2022 में इस श्रेणी में केवल 142 करदाता थे। इसके बाद आकलन वर्ष 2023 में यह संख्या बढ़कर 301 हो गई, जो 112 प्रतिशत की भारी वृद्धि थी। वहीं, आकलन वर्ष 2024 में इसमें मामूली गिरावट आई और संख्या घटकर 284 रह गई। लेकिन इसके बाद फिर तेजी लौटी और आकलन वर्ष 2025 में यह बढ़कर 415 तथा आकलन वर्ष 2026 में 576 तक पहुंच गई। इसके विपरीत, 1 करोड़ रुपए से अधिक आय वाले करदाताओं की संख्या लगातार स्थिर गति से बढ़ती रही है। आकलन वर्ष 2022 में इस वर्ग में 1,93,800 करदाता थे। यह संख्या आकलन वर्ष 2023 में बढ़कर 2,69,184, आकलन वर्ष 2024 में 3,49,974, एवाई 2025 में 4,71,419 और आकलन वर्ष 2026 में 5,35,672 तक पहुंच गई।

रिपोर्ट के अनुसार, आकलन वर्ष 2022 के मुकाबले अब 1 करोड़ रुपए से अधिक आय वाले करदाताओं की संख्या दोगुने से भी अधिक हो चुकी है, जबकि 100 करोड़ रुपए से अधिक आय वाले करदाताओं की संख्या चार गुना बढ़ गई है। इससे संकेत मिलता है कि देश में अत्यधिक उच्च आय अर्जित करने वाले व्यक्तियों की संख्या तेजी से बढ़ रही है। एसबीआई रिसर्च ने अपनी रिपोर्ट में भारतीय अर्थव्यवस्था को लेकर भी सकारात्मक अनुमान जताए हैं।

एलपीजी की कीमतों में भारी गिरावट से ओएमसी की कमाई पर दबाव, पश्चिम एशिया संकट के बाद बढ़ी लागत ने घटाया मुनाफा

विश्व केसरी

नई दिल्ली। एक नई रिपोर्ट के अनुसार, वित्त वर्ष 2026 में मजबूत लाभप्रदता दर्ज करने के बाद वित्त वर्ष 2026-27 की पहली तिमाही (क्यू1) में सरकारी तेल विपणन कंपनियों (ओएमसी) की आय और लाभप्रदता पर दबाव देखने को मिला है। रिपोर्ट के मुताबिक, रिफाइनिंग मार्जिन में सुधार के बावजूद एलपीजी (एलपीजी) पर होने वाली भारी अंडर-रिकवरी और मार्केटिंग घाटे ने कंपनियों की कमाई को प्रभावित किया।

केयरएज रेटिंग्स की रिपोर्ट में कहा गया कि देश की तीन प्रमुख तेल विपणन कंपनियों को वित्त वर्ष 2027 की पहली तिमाही में एलपीजी की बिक्री पर लगभग 13,700 करोड़ रुपए की संयुक्त अंडर-रिकवरी का सामना करना पड़ा, जिसमें सरकार की ओर से मिली 7,500 करोड़ रुपए की क्षतिपूर्ति को समायोजित करने के बाद का आंकड़ा शामिल है। कंपनियां घरेलू उपभोक्ताओं को बाजार मूल्य से कम कीमत पर रसोई गैस सिलेंडर उपलब्ध करा रही थीं, जिसके कारण यह नुकसान हुआ। केयरएज रेटिंग्स ने बताया कि कुल एलपीजी अंडर-रिकवरी 31 मार्च 2026 के 48,200 करोड़ रुपए से बढ़कर 30 जून 2026 तक 61,900 करोड़ रुपए हो गई। इस तेज वृद्धि की मुख्य वजह पश्चिम एशिया में संघर्ष और होर्मुज जलडमरूमध्य के बंद होने के कारण वैश्विक एलपीजी आपूर्ति श्रृंखला में आई अभूतपूर्व बाधाएं रहीं। इससे आयात लागत और खुदरा बिक्री मूल्य के बीच अंतर काफी बढ़ गया।

रिपोर्ट में कहा गया है कि अंतरराष्ट्रीय एलपीजी बेंचमार्क सऊदी कॉन्ट्रैक्ट प्राइस (सऊदी सीपी) में बड़ी उछाल देखने को मिली। वित्त वर्ष 2025-26 में इसका औसत स्तर 530 डॉलर प्रति मीट्रिक टन था, जो वित्त वर्ष 2027 की पहली तिमाही में बढ़कर 785 डॉलर प्रति मीट्रिक टन पहुंच गया। यानी इसमें लगभग 50 प्रतिशत की वृद्धि हुई। हालांकि बाद के महीनों में आपूर्ति स्थिति में सुधार आने से कीमतों में कुछ नरमी आई। जुलाई 2026 में सऊदी सीपी घटकर 592 डॉलर प्रति मीट्रिक टन और अगस्त 2026 में 632 डॉलर प्रति मीट्रिक टन पर आ गया।

भारत अपनी एलपीजी जरूरतों का लगभग 60 प्रतिशत आयात करता है। पश्चिम एशिया से आपूर्ति प्रभावित होने के बाद भारत ने अमेरिका और अन्य बाजारों से एलपीजी खरीद बढ़ाई। हालांकि वैकल्पिक स्रोतों से आयात करने के कारण कंपनियों की लैंडेड कॉस्ट (आयात लागत) में उल्लेखनीय वृद्धि हुई। बढ़ती खरीद लागत के प्रभाव को कम करने के लिए सरकार और तेल कंपनियों ने घरेलू एलपीजी कीमतों में भी संशोधन किया। वित्त वर्ष 2027 की पहली तिमाही के दौरान 14.2 किलोग्राम वाले घरेलू गैस सिलेंडर की कीमत में 89 रुपए की बढ़ोतरी की गई, ताकि अंडर-रिकवरी का कुछ बोझ कम किया जा सके।

भारत के प्रमुख ऑफिस मार्केट्स में किराया 2026 की दूसरी तिमाही में 10 प्रतिशत तक बढ़ा, बेंगलुरु सबसे आगे

विश्व केसरी

नई दिल्ली। भारत के प्रमुख ऑफिस मार्केट्स में 2026 की दूसरी तिमाही में किराए में 10 प्रतिशत तक की वृद्धि देखने को मिली है। इस दौरान स्पेस की मांग भी 10 मिलियन स्क्वायर फीट के आसपास रही है। यह जानकारी सोमवार को जारी एक रिपोर्ट में दी गई। नाइट फ्रैंक की रिपोर्ट के अनुसार, 2026 की दूसरी तिमाही में बेंगलुरु, मुंबई और दिल्ली-एनसीआर में संयुक्त रूप से लीजिंग गतिविधि 9.8 मिलियन स्क्वायर फीट के करीब रही है। हालांकि, इसमें 2025 में देखी गई बहुत अधिक लीजिंग की तुलना में कुछ कमी आई, लेकिन 70 लाख वर्ग फीट से ज्यादा नई जगह तैयार होने के बावजूद, खाली जगह का स्तर स्थिर रहने से लीजिंग का काम मजबूत बना रहा।

भारतीय शहरों में बेंगलुरु में किराए में सबसे अधिक बढ़ोतरी सालाना आधार पर 10.7 प्रतिशत की दर्ज की गई, इसके बाद दिल्ली-एनसीआर 7.6 प्रतिशत के साथ दूसरे और मुंबई 4 प्रतिशत के साथ तीसरे स्थान रहा।

बेंगलुरु में प्राइम ऑफिस का किराया 163 रुपए प्रति वर्ग फुट प्रति माह तक पहुंच गया। दूसरी तिमाही में 2025 में बेंगलुरु के ऑफिस मार्केट में प्राइम किराया सालाना आधार पर 7.9 प्रतिशत बढ़कर 148 रुपए प्रति वर्ग फुट प्रति माह हो गया।

भारत के प्रमुख ऑफिस मार्केट में ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर्स (जीसीसी) ने ऑफिस स्पेस की मांग को बनाए रखा। इसके अलावा, बेंगलुरु, दिल्ली-एनसीआर और मुंबई में लीजिंग वॉल्यूम में फ्लेक्स स्पेस ऑपरेटर्स की हिस्सेदारी 30 प्रतिशत से अधिक रही, जिससे वे फाइनेंशियल सर्विसेज को पीछे छोड़कर सबसे बड़े ऑक्यूपायर ग्रुप्स में से एक बन गए। बड़ी कंपनियों द्वारा फ्लेक्सिबल वर्कप्लेस रणनीतियों को तेजी से अपनाना पोर्टफोलियो प्लानिंग में एक बड़े बदलाव को दिखाता है, क्योंकि संगठन बदलते वर्कप्लेस की जरूरतों के बीच ज्यादा तेजी से काम करने की क्षमता चाहते हैं।

एशिया-प्रशांत क्षेत्र में, 2026 की दूसरी तिमाही के दौरान प्राइम ऑफिस के किराए में तिमाही आधार पर 0.6 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई, और ट्रैक किए गए 24 शहरों में से 19 शहरों में किराए का स्तर स्थिर रहा या उसमें बढ़ोतरी दर्ज की गई।

पूरे क्षेत्र में सालाना किराया बढ़ने के मामले में बेंगलुरु, हांगकांग एसएआर और टोक्यो सबसे आगे रहे, जबकि टेक्नोलॉजी और एआई से जुड़ी कंपनियों की ओर से प्रीमियम ऑफिस स्पेस की मांग बनी रही। नाइट फ्रैंक इंडिया के इंटरनेशनल पार्टनर, चेयरमैन और मैनेजिंग डायरेक्टर शिशिर बैजल ने कहा, 'भारत का ऑफिस मार्केट लगातार मजबूती और लचीलापन दिखा रहा है। पिछले साल लीजिंग का आधार ऊंचा होने के बावजूद मांग अच्छी बनी हुई है, जो एक ग्लोबल बिजनेस डेस्टिनेशन के तौर पर देश के लगातार बने हुए आकर्षण को दर्शाता है।

बैजल ने कहा कि किराए में बढ़ोतरी के साथ-साथ खाली जगहों का स्थिर स्तर यह बताता है कि मार्केट नई सप्लाई को कुशलतापूर्वक अपना रहा है।

आरबीआई स्वैप विंडो के जल्दी बंद करने के फैसले के बावजूद एफसीएनआर (बी) में निवेश 80 अरब डॉलर से अधिक हो सकता है : रिपोर्ट

विश्व केसरी

नई दिल्ली। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) द्वारा विदेशी मुद्रा गैर-निवासी (बैंक), यानी एफसीएनआर(बी) जमा योजना के लिए विशेष स्वैप विंडो को तय समय से पहले बंद करने के फैसले के बावजूद, इस योजना के तहत आने वाला विदेशी मुद्रा प्रवाह 80 अरब डॉलर से अधिक तक पहुंच सकता है। यह अनुमान बैंक ऑफ अमेरिका (बोफा) सिक्योरिटीज की एक नई रिपोर्ट में जताया गया है।

रिपोर्ट के अनुसार, पहले एफसीएनआर(बी) जमा के जरिए लगभग 70 अरब डॉलर तक के निवेश का अनुमान लगाया गया था। हालांकि योजना शुरू होने के बाद अपेक्षा से कहीं अधिक मजबूत निवेश प्रवाह देखने को मिला है। इसी कारण बोफा ने अपना अनुमान बढ़ाते हुए कहा है कि कुल प्रवाह 80 अरब डॉलर से भी अधिक हो सकता है।

ब्रोकरेज फर्म ने कहा, 'मजबूत प्रवाह को देखते हुए हमने अपने अनुमान को बढ़ाकर 80 अरब डॉलर से अधिक कर दिया है।' हालांकि उसका यह भी मानना है कि यदि आरबीआई यह सुविधा सितंबर के अंत तक जारी रखता, तो कुल प्रवाह का आंकड़ा इससे भी अधिक हो सकता था।

गौरतलब है कि आरबीआई ने एफसीएनआर(बी) जमा पर उपलब्ध शून्य-लागत हेजिंग सुविधा का उपयोग करने की अंतिम तिथि 30 सितंबर से घटाकर 31 अगस्त कर दी है। यानी बैंकों को इस विशेष सुविधा का लाभ उठाने के लिए पहले की तुलना में कम समय मिलेगा। इसके बावजूद, जमा जुटाने की रफ्तार काफी मजबूत बनी हुई है। रिपोर्ट के अनुसार, 8 जून से 13 अगस्त के बीच बैंकों ने एफसीएनआर(बी) जमा के माध्यम से 52.3 अरब डॉलर जुटाए हैं। यह दर्शाता है कि विदेशी मुद्रा जमा योजनाओं में अनिवासी भारतीयों और वैश्विक निवेशकों की रुचि मजबूत बनी हुई है। एफसीएनआर(बी) जमा के अलावा अन्य विदेशी मुद्रा स्रोतों से भी उल्लेखनीय प्रवाह प्राप्त हुआ है। इसी अवधि के दौरान आरबीआई को बाहरी वाणिज्यिक उधार (ईसीबी) के लिए स्वैप सुविधाओं के जरिए 1.7 अरब डॉलर और अधिकृत ऋणदाताओं द्वारा विदेशी मुद्रा उधारी के माध्यम से 2.8 अरब डॉलर प्राप्त हुए हैं।

बोफा का मानना है कि यह विदेशी मुद्रा प्रवाह भारत के भुगतान संतुलन को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

भारत बना दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा मत्स्य उत्पादक देश, वैश्विक उत्पादन में 8 प्रतिशत का योगदान : सरकार

विश्व केसरी

नई दिल्ली। भारत का मत्स्य और जलीय कृषि (फिशरीज एंड एक्वाकल्चर) क्षेत्र तेजी से देश की अर्थव्यवस्था का महत्वपूर्ण स्तंभ बनकर उभरा है। सरकार ने सोमवार को कहा कि भारत आज दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा मछली उत्पादक देश है और वैश्विक मत्स्य उत्पादन में उसकी करीब 8 प्रतिशत हिस्सेदारी है। इसके अलावा भारत जलीय कृषि उत्पादन में भी दुनिया में दूसरे स्थान पर है, जबकि झींगा उत्पादन और निर्यात में वैश्विक स्तर पर अग्रणी देशों में शामिल है।

मत्स्य पालन, पशुपालन एवं डेयरी मंत्रालय के अनुसार, यह क्षेत्र देश में लगभग 3 करोड़ मछुआरों और मत्स्य किसानों की आजीविका से जुड़ा हुआ है। साथ ही मत्स्य मूल्य श्रृंखला के विभिन्न चरणों में बड़े पैमाने पर रोजगार के अवसर भी उपलब्ध कराता है।

सरकार ने बताया कि वर्ष 2015 से अब तक मत्स्य क्षेत्र के सतत विकास और आधुनिकीकरण के लिए 39,272 करोड़ रुपए का संचयी निवेश किया गया है। यह निवेश ब्लू रिवोल्यूशन योजना, फिशरीज एंड एक्वाकल्चर इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट फंड (एफआईडीएफ), प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना (पीएमएमएसवाई) तथा इसकी उप-योजना प्रधानमंत्री मत्स्य किसान समृद्धि सह-योजना (पीएम-एमकेएसएसवाई) के माध्यम से किया गया है।

मंत्रालय ने आगे कहा कि भारत के मत्स्य क्षेत्र का भविष्य युवाओं, मछुआरों और मछली किसानों की सक्रिय भागीदारी पर निर्भर है। आज यह वर्ग आधुनिक जलीय कृषि तकनीकों, डिजिटल ट्रेसबिलिटी, कोल्ड-चेन प्रबंधन, वैल्यू एडिशन, ब्रांडिंग, मार्केटिंग और निर्यात गतिविधियों में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। सरकार का मानना है कि युवाओं और उद्यमशील किसानों की बढ़ती भागीदारी भारत की ब्लू इकोनॉमी को नई गति देगी और मत्स्य क्षेत्र को आर्थिक विकास के प्रमुख इंजन के रूप में स्थापित करेगी। गौरतलब है कि केंद्रीय मंत्रिमंडल ने 8 फरवरी 2024 को प्रधानमंत्री मत्स्य किसान समृद्धि सह-योजना को मंजूरी दी थी।

रेलवे स्टेशनों के पानी में खतरनाक ई. कोलाई, पेट में उतरते ही मचने लगती है तबाही, डॉक्टर ने किया सावधान

कैग की रिपोर्ट में देश भर के रेलवे स्टेशनों की कलई खोल दी है. इस रिपोर्ट में पाया गया है कि रेलवे स्टेशनों पर जो नल का पानी होता है उस पानी में ई. कोलाई नाम का खतरनाक बैक्टीरिया मौजूद होता है. यह बैक्टीरिया पेट से संबंधित कई खतरनाक बीमारियों को जन्म देती है. ऐसे में सवाल उठता है कि क्या रेलवे स्टेशन में ओपन पानी पीना चाहिए. आखिर ये ई. कोलाई बैक्टीरिया कितना खतरनाक है. इस विषय पर हमने सर गंगाराम अस्पताल में गैस्ट्रो साइंस के डायरेक्टर डॉ. अनिल अरोड़ा से बात की.

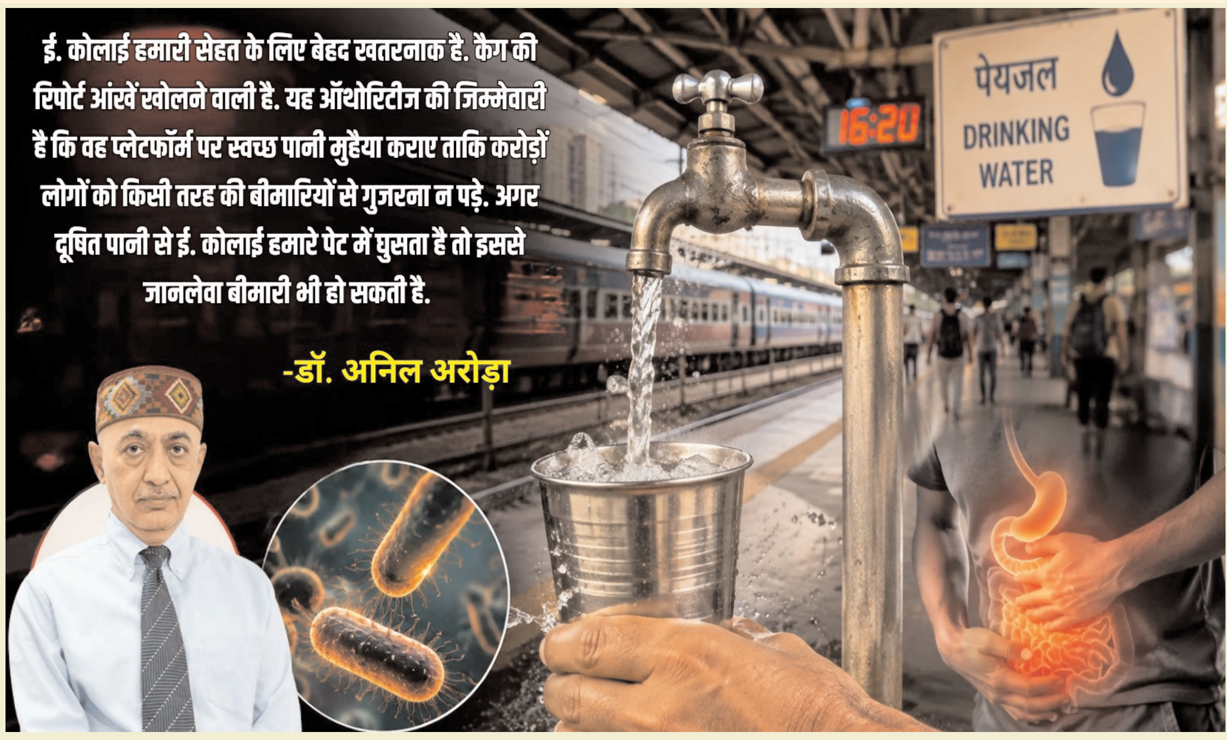

भारतीय नियंत्रक एवं महालेखापरीक्षक यानी कैग ने अपनी ऑडिट रिपोर्ट में एक खतरनाक चीज पकड़ी है. कैग की रिपोर्ट में कहा गया है कि देश के रेलवे स्टेशनों में नल से मिलने वाला अधिकांश पानी दूषित होता है और इसमें ई. कोलाई नाम का खतरनाक बैक्टीरिया मौजूद होता है. भारतीय रेल नेटवर्क देश की लाइफलाइन है. हर दिन करीब 2.5 करोड़ लोग रेल से सफर करते हैं. हर किसी के पास इतने पैसे नहीं होते कि वे बोतलबंद पानी पिए. ऐसे में रेलवे स्टेशनों पर लगे नल मुख्य सहारा होता है लेकिन इन नल से निकलने वाला पानी दूषित होता है. रिपोर्ट के मुताबिक कुछ स्टेशनों से पानी के सैंपल लिए गए तो उसमें ये ई. कोलाई नाम के खतरनाक बैक्टीरिया मिले. यह ई. कोलाई बैक्टीरिया हमारे लिए कितना घातक है, इसे समझने के लिए हमने सर गंगाराम अस्पताल में इंस्टीट्यूट ऑफ लिवर गैस्ट्रोएंटेरोलॉजी एंड पैंक्रिएटिक बिलिएरी साइंस के प्रोफेसर और मशहूर गैस्ट्रोएंटेरोलॉजिस्ट डॉ. अनिल अरोड़ा से बात की.

कितना खतरनाक है ये बैक्टीरिया

डॉ. अनिल अरोड़ा ने बताते हैं कि ई. कोलाई बैक्टीरिया के मुख्य रूप से तीन वैरायटीज होते हैं. ई. कोलाई टॉक्सिक, ई. कोलाई हेमोरेजिक और ई. कोलाई पैथोजेनिक. पहले ई. कोलाई टॉक्सिक की बात करते हैं. यह बैक्टीरिया आंतों की कोशिकाओं को बिना नष्ट किए खास तरह का टॉक्सिन छोड़ता है. ये टॉक्सिन आंतों से बहुत अधिक मात्रा में तरल पदार्थ (पानी) बाहर निकालने का काम करते हैं. जब आंत में ये बैक्टीरिया पहुंचते हैं तो अचानक से बहुत तेज पानी वाला दस्त लग जाता है. इसमें पेट में मरोड़, उल्टी, डिहाइड्रेश और शरीर में थकान होती है. इसमें आमतौर पर दस्त में खून नहीं आता है. दूसरी वैरायटीज है ई. कोलाई हेमोरेजिक. यह सबसे घातक है. यह आंत में शिगा टॉक्सिन नाम का जहर बनाता है जिससे आंतों का एपीथेलियल लेयर डैमेज हो जाता है. एपिथेलियल लेयर आंतों की अंदरुनी सुरक्षा परत है जो भोजन को पचाने, पोषक तत्वों का अवशोषण करने और बैक्टीरिया को खून में जाने से रोकता है. जैसे ही एपीथेलियल लेयर डैमेज होता है. प्रोटीन बनने की प्रक्रिया रुक सकती है।

फटा दूध देखकर न हों परेशान, पनीर-कलाकंद बनाने से लेकर आटा गूंथने तक ऐसे करें इस्तेमाल

फटा हुआ दूध अगर सिर्फ खट्टा होकर फटा है और उसमें खराब होने के संकेत नहीं हैं, तो इससे पनीर, कलाकंद और छेना बनाया जा सकता है. इसका बचा पानी भी आटा, दाल और चावल में काम आ सकता है.

दूध उबालते समय अचानक फट जाए तो ज्यादातर घरों में पहला ख्याल यही आता है कि अब इसे फेंकना ही पड़ेगा, लेकिन हर बार फटा हुआ दूध बेकार नहीं होता, अगर दूध सिर्फ खट्टा होकर फटा है, उसमें बदबू, फफूंद या खराब स्वाद नहीं है, तो इसे कई स्वादिष्ट चीजों में इस्तेमाल किया जा सकता है. यही वजह है कि रसोई में थोड़ी समझदारी से काम लिया जाए तो फटे दूध से पनीर, छेना और कलाकंद जैसी चीजें आसानी से बनाई जा सकती हैं. इतना ही नहीं, दूध छानने के बाद बचने वाला पानी भी काम का होता है. इसे आटा गूंथने से लेकर दाल और चावल पकाने तक इस्तेमाल किया जा सकता है.

यानी जिस दूध को आप कचरा समझकर सिंक में बहाने वाली थीं, वह आपकी रसोई में दोबारा काम आ सकता है. हालांकि यहां एक बात समझना बेहद जरूरी है-अगर दूध से तेज सड़ी हुई गंध आ रही है, उसका रंग बदला हुआ है या फफूंद दिखाई दे रही है, तो उसे इस्तेमाल न करें.

फटे दूध से क्या-क्या बना सकते हैं?

1. घर पर बनाएं नरम और ताजा पनीर

फटे दूध का सबसे आसान इस्तेमाल पनीर बनाने में किया जा सकता है, अगर दूध अच्छी तरह फट चुका है तो इसे कुछ मिनट धीमी आंच पर गर्म करें. इसके बाद सूती कपड़े या मलमल के कपड़े से छान लें. पानी अलग होने के बाद छैने को साफ पानी से हल्का धो सकते हैं, खासकर अगर उसमें खट्टापन ज्यादा हो. अब कपड़े को बांधकर ऊपर कोई भारी बर्तन रख दें और करीब 20 से 30 मिनट दबाकर रखें. इससे घर का नरम पनीर तैयार हो जाएगा. इससे सब्जी, सैंडविच या पराठे बनाए जा सकते हैं.

2. छैने से बनाएं स्वादिष्ट कलाकंद

फटे दूध से निकले छैने को मिठाई में बदलना भी आसान है. एक कड़ाही में छैना डालकर धीमी आंच पर पकाएं. इसमें स्वाद के अनुसार चीनी, थोड़ा मिल्क पाउडर और इलायची पाउडर डाल सकते हैं. मिश्रण को लगातार चलाते रहें, ताकि नीचे न लगे. जब यह गाढ़ा होकर कड़ाही छोड़ने लगे, तो इसे चिकनी प्लेट या ट्रे में फैलाएं. ठंडा होने पर टुकड़ों में काट लें. इस तरह घर पर दानेदार कलाकंद तैयार हो सकता है.

3. रोटी और पराठे होंगे ज्यादा नरम

फटे दूध से निकला पानी यानी व्हे आटा गूंथने में इस्तेमाल किया जा सकता है. सामान्य पानी की जगह इससे आटा गूंथने पर रोटियां और पराठे नरम बन सकते हैं. कई घरों में इस तरीके का इस्तेमाल बची हुई ।

रिश्ता खत्म होने से पहले शरीर देता है ये 4 संकेत

रिश्ते में लगातार घबराहट, थकान, अपनी बात कहने का डर और पार्टनर से दूर रहकर ज्यादा सुकून महसूस होना ध्यान देने वाले संकेत हो सकते हैं. हालांकि, इनका मतलब रिश्ता खत्म करना नहीं है; पहले कारण समझना और खुलकर बात करना जरूरी है.

रिश्ते में सब कुछ ठीक दिख रहा हो, फिर भी मन बार-बार बेचैन रहे तो इसे सिर्फ मूड समझकर टालना सही नहीं. कई बार हमारी बॉडी उन भावनाओं को पहले पकड़ लेती है, जिन्हें हम खुद स्वीकार नहीं कर पाते. जब रिश्ते में बदलने लगे अंदर का एहसास प्यार की शुरुआत अक्सर बहुत खूबसूरत होती है. पार्टनर का एक मैसेज दिन बना देता है, मिलने की छोटी-सी प्लानिंग भी खास लगती है और साथ बिताया समय जल्दी खत्म होता हुआ महसूस होता है, लेकिन समय के साथ रिश्तों में बदलाव आना भी सामान्य है.

कभी जिम्मेदारियों का दबाव बढ़ता है, कभी बातचीत कम होती है और कभी छोटी-छोटी नाराजगी धीरे-धीरे दूरी में बदलने लगती है.

ऐसे समय में कई लोग खुद को समझाते रहते हैं कि शायद यह सिर्फ एक खराब दौर है. वे अपनी परेशानी को नजरअंदाज करते हैं और रिश्ते को पहले जैसा बनाए रखने की कोशिश करते रहते हैं. मगर कुछ संकेत ऐसे होते हैं, जिन्हें बार-बार दबाना आसान नहीं होता. फेमस डेटिंग और रिलेशनशिप कोच आयुषी माथुर ने सोशल मीडिया पर साझा एक पोस्ट में ऐसे ही चार संकेतों की बात की है. उनके मुताबिक, कई बार शरीर हमारे दिमाग से पहले बता देता है कि रिश्ते में तनाव बढ़ रहा है।

एनीमिया और डिहाइड्रेशन में रामबाण है ड्रैगन फ्रूट, लेकिन इन लोगों को रहना चाहिए बिल्कुल दूर

ड्रैगन फ्रूट को सेहत के लिहाज से भी फायदेमंद माना जाता है. डाइटीशियन डॉ. ज्योति सिंह के मुताबिक इसमें इलेक्ट्रोलाइट्स, पोटेशियम और विटामिन ष्ट जैसे पोषक तत्व पाए जाते हैं, जो खासकर उमस और गर्मी के मौसम में शरीर के लिए उपयोगी हो सकते हैं. हालांकि, किडनी की समस्या वाले लोगों और गर्भवती महिलाओं को इसे खाने से पहले डॉक्टर की सलाह लेनी चाहिए.

ड्रैगन फ्रूट देखने में जितना अलग होता है, उतना ही इसके फायदे को लेकर भी लोगों में दिलचस्पी रहती है. उत्तर प्रदेश के मिर्जापुर में इसकी खेती बड़े स्तर पर होती है और यहां इसकी पैदावार भी काफी ज्यादा है. उमस भरे मौसम में यह फल शरीर के लिए फायदेमंद हो सकता है. हालांकि, हर व्यक्ति के लिए इसका सेवन सही नहीं माना जाता. डाइटीशियन डॉ. ज्योति सिंह ने ड्रैगन फ्रूट के फायदे के साथ-साथ किन लोगों को इससे बचना चाहिए, इसकी जानकारी दी है. आइए जानते हैं.

डॉ. ज्योति सिंह के मुताबिक ड्रैगन फ्रूट हमारे देश का मूल फल नहीं है, लेकिन अब भारत में इसकी खेती तेजी से बढ़ रही है. खासकर मिर्जापुर में इसकी पैदावार काफी अधिक होती है. इसे रोज की डाइट में शामिल किया जा सकता है. इसमें इलेक्ट्रोलाइट्स और पोटेशियम की मात्रा अच्छी होती है, इसलिए उमस और गर्मी के मौसम में इसका सेवन शरीर के लिए फायदेमंद है.

उमस भरे मौसम में मिल सकता है फायदा

डॉ. ज्योति सिंह ने बताया कि उमस वाले मौसम में पसीना ज्यादा निकलता है. ऐसे में शरीर में इलेक्ट्रोलाइट्स का संतुलन बिगड़ सकता है. ड्रैगन फ्रूट में इलेक्ट्रोलाइट्स की अच्छी मात्रा पाई जाती है, इसलिए इसके सेवन से शरीर में इलेक्ट्रोलाइट बैलेंस बनाए रखने में मदद मिल सकती है.

विटामिन C भी भरपूर

ड्रैगन फ्रूट में विटामिन ष्ट की भी अच्छी मात्रा होती है. डाइटीशियन के मुताबिक विटामिन ष्ट शरीर की इम्युनिटी के लिए फायदेमंद होता है. इसके अलावा इसमें आयरन की मात्रा भी होती है. ऐसे में जिन लोगों को एनीमिया या शरीर में खून की कमी है, वे अपनी डाइट में ड्रैगन फ्रूट को शामिल कर सकते हैं. डॉ. ज्योति के अनुसार बच्चों और बुजुर्गों के लिए भी यह फल बेहद फायदेमंद है.

किडनी और प्रेग्नेंसी में सावधानी जरूरी

डॉ. ज्योति सिंह ने बताया कि कुछ लोगों को ड्रैगन फ्रूट खाने से बचना चाहिए. खासकर किडनी के मरीजों और गर्भवती महिलाओं को इसका ज्यादा सेवन नहीं करना चाहिए. उनके मुताबिक इन लोगों के लिए इसे अवॉइड करना बेहतर है. इसका कारण इसमें पोटेशियम की मात्रा अधिक होना है. इसलिए किडनी से जुड़ी समस्या वाले लोगों को बिना डॉक्टर की सलाह के इसका ज्यादा सेवन नहीं करना चाहिए.

डाइट में कर सकते हैं शामिल

डॉ. ज्योति सिंह ने बताया कि इस मौसम में फलों की बहुत ज्यादा वैरायटी उपलब्ध नहीं रहती. अगर ड्रैगन फ्रूट आसपास आसानी से मिल रहा है तो इसे डाइट में शामिल किया जा सकता है।

खाली प्लास्टिक बॉटल फेंकने की बजाय ऐसे करें इस्तेमाल, गुल्लक से लेकर पौधों के वॉटरिंग कैन तक बनाएं ये काम की 8 चीजें

पानी, जूस या कोल्ड ड्रिंक की खाली प्लास्टिक बॉटल कई घरेलू कामों में दोबारा इस्तेमाल की जा सकती है. थोड़ी क्रिएटिविटी से इससे पेन स्टैंड, गुल्लक और छोटी चीजों के लिए स्टोरेज कंटेनर बनाया जा सकता है. पुरानी बॉटल बच्चों के DIY क्राफ्ट और घर की सजावट में भी काम आ सकती है. गार्डनिंग के लिए इससे मिनी ग्रीनहाउस और आसान वॉटरिंग कैन तैयार किया जा सकता है. बॉटल काटते समय नुकीले किनारों से सावधानी रखना और बच्चों को किसी बड़े की निगरानी में क्राफ्ट करवाना जरूरी है. पुरानी प्लास्टिक बॉटल में गर्म पानी या लंबे समय तक खाने-पीने की चीजें रखने से बचना बेहतर है.

किचन या फ्रिज में रखी पानी, कोल्ड ड्रिंक और जूस की बॉटल खाली होते ही ज्यादातर लोग उसे सीधे कूड़ेदान में डाल देते हैं, लेकिन अगली बार ऐसा करने से पहले जरा रुकिए. यही खाली प्लास्टिक की बॉटल घर के कई छोटे-बड़े काम आसान कर सकती है. कभी यह पेन-पेंसिल संभाल सकती है, तो कभी बालकनी के पौधों के लिए पानी देने का काम कर सकती है. थोड़ी-सी क्रिएटिविटी से बेकार समझी जाने वाली बॉटल को उपयोगी चीज में बदला जा सकता है. खास बात यह है कि इसके लिए आपको बहुत ज्यादा सामान खरीदने की जरूरत भी नहीं पड़ती. घर में मौजूद कैंची, रंग, स्टिकर या कुछ छोटे औजारों की मदद से कई DIY आइडिया तैयार हो सकते हैं।

होटल के कमरे में घुसते ही बेड के नीचे क्यों फेंकनी चाहिए पानी की बोतल? छोटी सी ट्रिक मुश्किल समय में आ सकती है काम

होटल के कमरे में पहुंचते ही कुछ मिनट सुरक्षा से जुडी सामान्य चीजों की जांच करना बेहतर हो सकता है. सोशल मीडिया पर बेड के नीचे पानी की बोतल सरकाने की एक ट्रैवल सेफ्टी ट्रिक चर्चा में रही है. बोतल का रास्ता रुकने पर वहां किसी सामान या दूसरी रुकावट की मौजूदगी का पता चल सकता है. किसी संदिग्ध स्थिति में खुद जांच करने के बजाय कमरे से बाहर निकलकर होटल स्टाफ से मदद लेना बेहतर है. कमरे में पहुंचने के बाद दरवाजे, खिडकी और दूसरे प्रवेश के रास्तों के लाक भी जांच लेने चाहिए. लाकर में जूते रखने जैसी आसान ट्रिक चेकआउट के समय जरूरी सामान भूलने से बचाने में मदद कर सकती है.

घूमने-फिरने या काम के सिलसिले में होटल में रुकना आम बात है. लंबी यात्रा के बाद जैसे ही होटल का कमरा मिलता है, ज्यादातर लोग सबसे पहले अपना बैग रखते हैं, कपड़े बदलते हैं और आराम करने लगते हैं. लेकिन अनजान जगह पर ठहरते समय कुछ मिनट कमरे की सुरक्षा जांचने में लगाना समझदारी हो सकती है. दरवाजे का लाक ठीक से काम कर रहा है या नहीं, खिडकी बंद है या नहीं और कमरे में कोई चीज असामान्य तो नहीं लग रही, इन बातों पर शुरुआत में ही नजर डालना बेहतर है. इसी बीच सोशल मीडिया पर होटल से जुडी एक दिलचस्प सेफ्टी ट्रिक चर्चा में रही है.

इसमें कमरे में पहुंचने के बाद पानी की बोतल को बेड के नीचे एक तरफ से दूसरी तरफ सरकाने की सलाह दी जाती है. इसका मकसद यह देखना है कि बेड के नीचे कोई ऐसी चीज तो नहीं है जो बोतल का रास्ता रोक रही हो. हालांकि इस तरीके को सुरक्षा की पूरी गारंटी नहीं माना जा सकता, लेकिन कमरे में पहुंचने के बाद आसपास की जगह पर ध्यान देने की आदत जरूर काम आ सकती है.

बेड के नीचे बोतल सरकाने के पीछे क्या है वजह? इस ट्रिक का तरीका काफी आसान है. कमरे में जाने के बाद बेड के नीचे खुद झुककर देखने के बजाय पानी की खाली या हल्की बोतल को एक तरफ से दूसरी तरफ सरकाया जाता है. अगर बेड के नीचे जगह खाली है, तो बोतल आमतौर पर दूसरी तरफ निकल सकती है. वहीं अगर बोतल बीच में ही रुक जाए तो इसका मतलब यह जरूरी नहीं कि वहां कोई व्यक्ति मौजूद है. बैग, जूते, होटल का सामान, बेड का सपोर्ट या कोई दूसरी चीज भी बोतल को रोक सकती है. इसलिए इसे किसी खतरे का पक्का संकेत मानना सही नहीं होगा. इसका उद्देश्य बस बेड के नीचे मौजूद किसी रुकावट की ओर आपका ध्यान खींचना है.

बोतल बीच में रुक जाए तो खुद नीचे देखने से बचें: अगर बोतल बेड के नीचे जाकर रुक जाती है और आपको किसी तरह की संदिग्ध स्थिति महसूस होती है, तो खुद झुककर या हाथ डालकर जांच करने की जरूरत नहीं है. ज्यादा सुरक्षित तरीका यह है कि कमरे से बाहर निकलकर होटल के स्टाफ या सिक्योरिटी को इसकी जानकारी दी जाए. अगर आपको वास्तव में किसी व्यक्ति के कमरे में मौजूद होने का शक है, तो अकेले उसका सामना करने की कोशिश न करें. होटल मैनेजमेंट और जरूरत पडने पर स्थानीय सुरक्षा व्यवस्था की मदद लेना बेहतर है. सुरक्षा से जुडी किसी भी ट्रिक का मकसद खतरा मोल लेना नहीं, बल्कि समय रहते सतर्क होना होना चाहिए.

कमरे का दरवाजा और लाक जरूर जांचें: बेड के नीचे देखने के अलावा होटल के कमरे में सबसे जरूरी चीजों में दरवाजे की जांच शामिल है. कमरे में पहुंचने के बाद देखें कि मुख्य दरवाजे का लाक और अंदर मौजूद अतिरिक्त लाक या लैच ठीक से बंद हो रहा है या नहीं. दरवाजा बंद करने के बाद हल्के हाथ से जांच सकते हैं कि वह सही तरीके से लाक हुआ है. अगर लाक ढीला है, दरवाजा अपने आप खुल रहा है या किसी तरह की खराबी नजर आती है, तो तुरंत होटल स्टाफ को बताएं. जरूरत हो तो दूसरा कमरा मांगना भी बेहतर विकल्प हो सकता है.

खिडकी और दूसरे रास्तों पर भी डालें नजर: अगर होटल के कमरे में खिडकी, बालकनी या कोई दूसरा दरवाजा मौजूद है तो उसे भी चेक करना चाहिए. खासकर ग्राउंड फ्लोर या आसानी से पहुंच वाली मंजिल पर बने कमरे में यह सावधानी और जरूरी हो जाती है. देखें कि खिडकी और बालकनी का दरवाजा ठीक से बंद हो रहा है या नहीं. होटल का कमरा कितना भी अच्छा क्यों न दिखे, कुछ मिनट की यह सामान्य जांच यात्रा के दौरान आपको ज्यादा सहज महसूस करा सकती है। कमरे में कोई संदिग्ध चीज दिखे तो क्या करें? होटल के कमरे में पहुंचने के बाद आसपास सामान्य नजर डालना भी उपयोगी हो सकता है. बाथरूम, बेड के आसपास और कमरे में लगी चीजों में कुछ बहुत असामान्य दिखाई दे तो उसे नजरअंदाज न करें. हालांकि हर छोटी चीज को छिपा हुआ कैमरा या सुरक्षा का खतरा समझ लेना भी सही नहीं है. किसी इलेक्ट्रानिक डिवाइस या दूसरी चीज को लेकर वास्तविक संदेह हो तो उसे खुद खोलने या तोडने के बजाय होटल मैनेजमेंट से बात करें. गंभीर मामला लगे तो स्थानीय अधिकारियों से मदद ली जा सकती है.

लाकर में जूते रखने की ट्रिक भी आ सकती है काम: होटल से जुडी एक और दिलचस्प ट्रैवल ट्रिक सामान भूलने से बचाने के लिए इस्तेमाल की जाती है. होटल के लाकर में लोग पासपोर्ट, पैसे, जरूरी दस्तावेज और दूसरी कीमती चीजें रखते हैं. समस्या तब होती है जब चेकआउट के समय जल्दबाजी में लाकर खोलना ही भूल जाते हैं. इससे बचने के लिए कुछ यात्री अपना एक जोडी जूता या ऐसा सामान लाकर में रखते हैं जिसके बिना वे होटल से बाहर नहीं निकलेंगे. जब चेकआउट करते समय जूते की जरूरत पडेगी, तो लाकर खोलना याद आ जाएगा और साथ ही उसमें रखे पासपोर्ट, पैसे और दूसरी चीजें भी नजर आ जाएंगी।

40 की उम्र के लोगों की कोई टाइमलाइन नहीं है, बस वाइब्स है : प्रियका चोपड़ा

मुंबई । बॉलीवुड की देसी गर्ल यानी प्रियंका चोपड़ा ने 40 की उम्र पार कर ली है। अभिनेत्री ने अपनी उम्र से जुड़े पड़ावों को मजेदार अंदाज में समझाते हुए सोशल मीडिया पर एक खास पोस्ट शेयर किया, जिसमें उन्होंने बताया कि 40 के बाद भी लाइफ फुल ऑन मस्ती और वाइब्स से भरी होती है।

अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम स्टोरीज पर एक नोट शेयर किया। इसमें उन्होंने बताया कि 40 की उम्र के लोग कुछ जवान, तो कुछ की मांसपेशियां खिंच जाती हैं। कोई इस उम्र में दादी बन जाता है, कोई नया बच्चा पैदा करता है, कोई 20 साल की शादी की सालगिरह मनाता है और कोई यंग लड़के-लड़की को डेट करता है।

> 40 की उम्र में आना बहुत अजीब है, एक दोस्त दादी बन गई है, एक का अभी-अभी बच्चा हुआ हैं, एक अपनी शादी की 20वीं सालगिरह मना रही हैं और एक 25 साल के लड़के को डेट कर रही हैं। हममें से आधे लोग 28 के लगते हैं और आधे लोग सोते-सोते ही मांसपेशी खींच लेते हैं। कोई टाइमलाइन नहीं है, बस वाइब्स हैं।

प्रियंका चोपड़ा की बात करें, तो वे निर्देखक एस.एस. राजामौली की आगमी पैन इंडिया फिल्म 'वाराणसी' से तमिल सिनेमा में डेब्यू करने जा रही हैं। यह फिल्म भारतीय के जरिए वे भारतीय सिनेमा में वापसी भी कर रही हैं।

आगामी फिल्म

'वाराणसी' से तमिल सिनेमा में डेब्यू करेंगी प्रियंका चोपड़ा

- प्रियंका 'मंदाकिनी' नाम की मुख्य भूमिका में नजर आएंगी और उनके साथ सुपरस्टार महेश बाबू 'रूद्र' के रोल में हैं।
- पृथ्वीराज सुकुमारन फिल्म में 'कुंभा' नाम के अहम किरदार में दिखाई देंगे।
- यह एक टाइम-ट्रैवल और ग्लोबल एक्शन-एडवेंचर फिल्म है, जिसकी कहानी वाराणसी शहर और एक आसन्न संकट के इर्द-गिर्द घूमती है।

रिलीज डेट : 7 अप्रैल 2027

'3.6.9' के बाद शिव माधव का बड़ा दांव, अब 1980 के दशक की सुपरहीरो कहानी में दिखेगा विज्ञान और फैंटेसी का मेल

विश्व केसरी ■

चेन्नई। निर्देशक शिव माधव, जिन्हें विज्ञान पर आधारित फिल्म '3.6.9' के लिए जाना जाता है, अब अपनी अगली फिल्म के साथ एक बड़ा दांव खेलने जा रहे हैं। उनकी फिल्म '3.6.9' ने महज 81 मिनट में 100 कलाकारों के साथ शूट होने वाली फिल्म के तौर पर दो विश्व रिकॉर्ड बनाए थे, लेकिन जिस पहचान की उम्मीद शिव को थी, वह उन्हें नहीं मिल पाई।

अब उन्होंने उसी अनुभव से सीख लेकर अपनी अगली फिल्म की घोषणा की है, जिसमें विज्ञान, फैंटेसी और सुपरहीरो कहानी एक साथ देखने को मिले।

शिव माधव ने अपनी अगली फिल्म को लेकर बताया कि यह पूरी तरह से कमर्शियल एंटरटेनर फिल्म होगी। फिल्म में तमिल, तेलुगु, मलयालम और कन्नड़ सिनेमा के जाने-माने कलाकार नजर आएंगे। फिल्म की तैयारी का काम तेजी से चल रहा है और मिनिएचर तैयार करने का काम भी शुरू हो चुका है। शूटिंग अक्टूबर से शुरू होने की योजना है और पूरी फिल्म की शूटिंग रामोजी फिल्म सिटी में की जाएगी।

शिव माधव ने अपनी पहली फिल्म '3.6.9' के अनुभव को याद करते हुए कहा कि उन्होंने कभी नहीं सोचा था कि दो विश्व रिकॉर्ड बनाने के बावजूद उनकी फिल्म और उनकी मेहनत को वह पहचान नहीं मिलेगी जिसकी उन्हें उम्मीद थी। उन्होंने कहा, ''मेरी पहली फिल्म '3.6.9' थी। इसने तमिलनाडु की पहली ऐसी फिल्म के तौर पर दो विश्व रिकॉर्ड बनाए। लेकिन दुर्भाग्य से लोगों को यह तक पता नहीं चला कि किसी व्यक्ति ने 100 कलाकारों के साथ सिर्फ 81 मिनट में फिल्म बनाई थी। रिकॉर्ड बनाने के बाद मुझे लगा था कि अब चीजें अगले स्तर पर जाएंगी, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। ऐसा लगा जैसे मेरे सारे सपने बिखर गए।

शिव ने बताया, ''इसके बाद तीन साल तक कई निर्माता मेरे पास आए। वे चाहते थे कि मैं एक और ऐसी फिल्म बनाऊं, जो किसी रिकॉर्ड के लिए जानी जाए। लेकिन मैंने इस रास्ते पर आगे बढ़ने से इनकार कर दिया। मैं नहीं चाहता कि मेरी पहचान सिर्फ रिकॉर्ड बनाने वाले फिल्मकार के तौर पर बने, इसलिए मैंने कमर्शियल सिनेमा की तरफ जाने का फैसला किया।

उन्होंने कहा, 'फिल्म बनाना कला होने के साथ-साथ कारोबार भी है, और इसी समझ के साथ मैंने अपनी अगली फिल्म को बड़े स्तर पर तैयार करने का फैसला किया है। इस बार मैं ऐसा सिनेमा बनाना चाहता हूं, जिसे दर्शक मनोरंजन के लिए सिनेमाघर में जाकर देखना पसंद करें।

इंडस्ट्री में मैं जनता को खुश करने के लिए आई हूं, न कि किसी एक्टर को : काजल राघवानी

मुंबई। भोजपुरी अभिनेत्री काजल राघवानी इन दिनों रियलिटी शो 'भोजपुरी बवाल' और अपने सोशल मीडिया बयानों के कारण चर्चा में हैं। अभिनेत्री ने सोमवार को फिल्म इंडस्ट्री के कुछ कलाकारों पर नाराजगी जाहिर करते हुए कहा कि कुछ लोग उन्हें झूठा साबित करने पर तुले हुए हैं।

अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम पर एक नोट जारी किया, जिसमें उन्होंने बताया कि इंडस्ट्री के 3 लोग उनका काम, टैग और हक छीनने में तुले हुए हैं।

अभिनेत्री ने जारी किए गए नोट पर लिखा, 'सत्य हमेशा सत्य होता है और सत्य को झूठे लोग कुछ समय तक दबा जरूर सकते हैं, लेकिन सत्य को झूठ में परिवर्तित नहीं कर सकते हैं। मैंने जो कहा है सच कहा है और वो सब जानते हैं और जो अपने स्टारडम के दम पर इसे झुठलाना चाहते हैं, मुझे झूठा साबित करने पे तुले हुए हैं 3 लोग मिलके तो सोचिए मेरी बात कितनी सच्ची होगी जिसे आप सब को मिलके झूठा साबित करने के लिए इस लेवल तक जाना पड़ रहा है।'

अभिनेत्री ने अपना नोट शेयर करते हुए लिखा, 'बाप रे ये तो सब में बेस्ट है। लोगो में छीनने की आदत पड़ी है। चाहे काम हो, किसी का हक या फिर, किसी का टैग।'

अभिनेत्री का कहना है कि वे अपने काम से जनता को अपनाने आई हैं, न की किसी एक्टर को। उन्होंने लिखा, 'इस इंडस्ट्री में मैं किसी एक्टर को खुश करने के लिए नहीं आई हूं, बल्कि जनता का दिल जीतने के लिए आई हूं और वे ये सब देख ही रहे हैं।'

अभिनेत्री दिनेश लाल यादव निरहुआ के द्वारा दिए बयान पर पलटवार करते हुए लिखा, 'एक कहते हैं कि पत्नी से प्यार नहीं है।

अविका गौर ने फरहाना भट्ट से मांगी माफी, बोलीं- 'आप पर गुस्सा निकालना गलत था'

विश्व केसरी ■

मुंबई। अभिनेत्री अविका गौर इन दिनों रोहित शेट्टी के स्टंट-बेस्ड रियलिटी शो 'खतरों के खिलाड़ी 15' को लेकर चर्चा में हैं। शो में खतरनाक स्टंट के साथ-साथ कंटेस्टेंट्स के बीच की दोस्ती, नोकझोंक और तनाव भी दर्शकों का ध्यान खींचता है। इसी बीच अविका और फरहाना भट्ट के बीच हुआ एक छोटा सा विवाद भी सामने आया, जिसमें अविका, फरहाना से नाराज नजर आईं।

हालांकि, अब अविका ने खुद इस मामले पर सफाई दी है और माना है कि उस वक्त उनका व्यवहार सही नहीं था। उन्होंने फरहाना से सोशल मीडिया के जरिए माफी भी मांगी।

दरअसल, शो में एक टास्क के दौरान अविका गौर फरहाना भट्ट की टीम में शामिल हुई थीं। टीम में आने के बाद फरहाना ने अविका का स्वागत करते हुए उन्हें बधाई दी और अच्छे प्रदर्शन के लिए शुभकामनाएं दीं। लेकिन उस वक्त अविका कुछ परेशान और नाराज दिखाई दे रही थीं। फरहाना के इस अंदाज का जवाब देते हुए अविका ने थोड़े रूखे अंदाज में कहा, 'आप तो चाहती नहीं थीं मैं आऊं। इस घटना के बाद अब अविका गौर ने अपनी गलती स्वीकार की है। शो की शूटिंग पूरी होने और सभी कंटेस्टेंट्स के भारत लौटने के बाद अविका ने इंस्टाग्राम पर उस घटना का वीडियो शेयर किया। वीडियो के साथ उन्होंने फरहाना को टैग करते हुए लिखा, ''मुझे सच में अपना व्यवहार पसंद नहीं आया। फरहाना मुझे माफ कर दो। टीम को लेकर परेशान होकर मैंने आप पर अपना गुस्सा निकाल दिया, जो गलत था। आपको ढेर सारा प्यार।

अविका ने अपनी पोस्ट के अलावा कमेंट में भी फरहाना से माफी मांगी। उन्होंने लिखा, ''मुझे सच में अच्छा नहीं लगा कि मैंने ऐसा किया। सॉरी फरहाना। मुझे लगता है कि मैं बस परेशान थी और वह आपकी तरफ निकल गया। यह सही नहीं था। सॉरी स्वीटहार्ट।

बता दें कि 'खतरों के खिलाड़ी' का यह 15वां सीजन है और इस बार शो में नए चेहरों के साथ कई पुराने कंटेस्टेंट्स की भी वापसी हुई। शो के इस सीजन की कास्ट में गौरव खन्ना, अविनाश मिश्रा, फरहाना भट्ट, शगुन शर्मा, अविका गौर, ओरहान अवत्रामानी (ओरी), हर्ष गुजराल, जैस्मिन भसीन, रुबीना दिलैक, करण वाही, ऋत्विक धनजानी, रुहानिका धवन और विशाल आदित्य सिंह शामिल हैं।

कश्मीरा शाह ने शादियों और बेवफाई पर जाहिर की निराशा, कहा-क्या अब भी होता है सच्चा प्यार

विश्व केसरी ■

मुंबई। अभिनेत्री कश्मीरा शाह ने 'लाफ्टर शेफ्स' के सभी सीजन में अपनी मजेदार पर्सनैलिटी से दर्शकों के दिलों में दर्शकों के दिलों में खास जगह बनाई है। सोमवार को अभिनेत्री ने सोशल मीडिया के जरिए शादियों और बेवफाई पर निराशा जाहिर की।

अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम पर एक तस्वीर पोस्ट की, जिसमें आसमान में दिल के आकार का धुंध है। अभिनेत्री ने अपने पोस्ट के जरिए सवाल उठाया है कि क्या 'सच्चा प्यार' अब भी होता है। कश्मीरा ने लिखा, 'क्या यही सच्चा प्यार होता है? क्या ये सच में होता है? क्या कोई किसी से इतना प्यार कर सकता है कि उसके लिए पैसे खर्च करे और उसे स्पेशल महसूस कराए? ऐसा प्यार कहां मिलता है? और वो इंसान कौन है? शादियां टूटते और लोगों को धोखा देते देखकर मेरा भरोसा हिल गया है। लगता है मुझे हकीकत की थोड़ी सी झलक चाहिए।'

गौरतलब है कि कश्मीरा का यह पोस्ट उनके पति कृष्णा अभिषेक के सुपरस्टार मामा गोविंदा और उनकी पत्नी सुनीता आहूजा के बीच चल रहे पब्लिक झगड़े के बीच आया है।

बता दें कि अभिनेता गोविंदा और उनकी पत्नी सुनीता अहूजा अपने रिश्ते के बारे में अलग-अलग और तीखे कमेंट्स कर रही हैं। साथ ही, पब्लिक में अभिनेता के छवि खराब कर रहा हैं।

सुनीता अहूजा ने पॉडकास्ट में शादी में बेवफाई को लेकर खुलकर बातें की, जिसमें दावा किया गया है कि गोविंदा के अफेयर्स रहे हैं। कुछ दिन पहले, सुनीता अहूजा ने पैपराजी से बात करते हुए गोविंदा को अपनी नई हीरोइन का 'शुगर डैडी' कहा था, जिसके साथ, सुनीता अहूजा के मुताबिक, उसका अफेयर चल रहा है।

सुनीता अहूजा के चौंकाने वाले दावों ने कई लोगों को हैरान कर दिया है। इस पर, गोविंदा ने कुछ समय पहले रिएक्ट भी किया था। उन्होंने वीडियो जारी करते हुए कहा था कि सुनीता अहूजा उनकी छवि खराब करने की कोशिश कर रही हैं।

उन्होंने उनसे मुख्य रूप से गालीगलौज बंद करने और अपनी गालियों पर थोड़ा कंट्रोल रखने को कहा। उन्होंने यह भी कहा कि सिर्फ इसलिए कि उनके साथ एक बहुत छोटी एक्ट्रेस थी, इसका मतलब यह नहीं है कि उनका अफेयर चल रहा है और यह भी कहा कि बॉलीवुड के इतिहास में कई बड़े स्टार्स ने अपने से बहुत कम उम्र की एक्ट्रेस के साथ काम किया है।

'बबीता सिंह रिपोर्टिंग' की रिलीज डेट का ऐलान, 28 अगस्त को प्राइम वीडियो पर होगी स्ट्रीम

विश्व केसरी ■

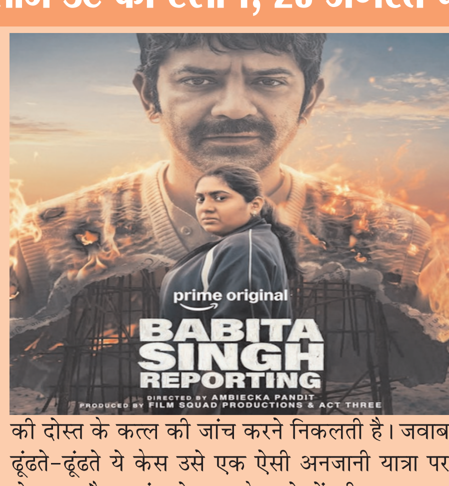

मुंबई। वरुण सोबती स्टारर आगामी भारतीय इन्वेस्टिगेटिव ड्रामा फिल्म 'बबीता सिंह रिपोर्टिंग' के मेकर्स ने फिल्म की वैश्विक रिलीज का ऐलान किया है। यह फिल्म एक महिला पुलिसकर्मी (बेबी) की निजी जिंदगी और हत्या के एक पेचीदा मामले की जांच पर आधारित है।

प्राइम वीडियो ने इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट के जरिए बताया कि फिल्म 28 अगस्त को हिंदी- इंग्लिश सबटाइटल्स के साथ पूरे भारत और दुनियाभर में प्रीमियर होगी।

इस फिल्म में निमिषा सजायन के रहस्यमयी किरदार और कहानी के बीच छिपे रोमांचक राज की देखने को मिलती है। यह सीरीज एक छोटे से भारतीय कस्बे पर आधारित है। कहानी सस्पेंडेट पुलिस ऑफिसर बबीता सिंह के ईर्द-गिर्द घूमती है, जिसे प्यार से 'बेबी' कहा जाता है। बबीता अपने बचपन की दोस्त के कत्ल की जांच करने निकलती है। जवाब ढूंढते-ढूंढते ये केस उसे एक ऐसी अनजानी यात्रा पर ले जाता है, जहां उसे खुद के बारे में भी बहुत कुछ पता चलता है। इस फिल्म में निमिषा सजयन, वरुण सोबती और अंशुमान पुष्कर मुख्य भूमिकाओं में हैं। यह अमेजन प्राइम वीडियो पर 28 अगस्त को रिलीज होने वाली है। प्राइम वीडियो के डायरेक्टर और ओरिजिनल के हेड निखिल मधोक ने फिल्म को लेकर प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा, 'प्राइम वीडियो में हम हमेशा ऐसी कहानियों को सपोर्ट करते हैं, जो खास, ऑथेंटिक और इमोशनली एंगेजिंग हों और बबीता सिंह रिपोर्टिंग उस विजन का एक मजबूत सबूत हैं। दरअसल, यह फिल्म सच की तलाश और दुख और जिंदगी से गुजरते हुए अपनी आवाज वापस पाने वाली एक और औरत की गहरी कहानी है।'

उन्होंने कहा, 'इसमें एक टैलेंटेड क्रिएटिव टीम है, जिसमें अंबिका पंडित का डायरेक्शन, अमिता व्यास की बारीक राइटिंग और एग्जीक्यूटिव प्रोड्यूसर के तौर पर सुदीप शर्मा का क्रिएटिव विजन है। साथ ही निमिषा सजयन की लीडरशिप में एक दमदार टीम है, जो बेबी के किरदार से कहानी में जबरदस्त गहराई और असलियत लाता है।

नेपाल में भारतीय सेना प्रमुख का स्वागत, आज मिलेगा नेपाली सेना प्रमुख का मानद पद

विश्व केसरी■

नई दिल्ली। भारतीय थल सेना प्रमुख जनरल धीरज सेठ नेपाल की आधिकारिक यात्रा पर है। उनकी यह यात्रा 17 अगस्त से प्रारंभ हुई है और 19 अगस्त तक प्रस्तावित है। जनरल सेठ रविवार को नेपाल की राजधानी काठमांडू पहुंचे थे। सोमवार सुबह जनरल सेठ ने नेपाल के सेना मुख्यालय में आयोजित गार्ड ऑफ ऑनर का निरीक्षण किया।

इस दौरान नेपाली सेना के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे। इससे पहले जनरल धीरज सेठ ने काठमांडू में शहीद जवानों को श्रद्धांजलि दी। वह यहां सोल्जर प्लेटफार्म स्थित शहीद स्मारक पर गए और शहीदों को पुष्पांजलि अर्पित की। उन्होंने देश के लिए सर्वोच्च बलिदान देने वाले वीर सैनिकों को श्रद्धांजलि दी व शहीदों के प्रति सम्मान व्यक्त करते हुए उनके बलिदान को नमन किया।

जनरल धीरज सेठ की नेपाल यात्रा को दोनों देशों की सेनाओं के बीच लंबे समय से चले आ रहे मजबूत सैन्य संबंधों को और प्रगाढ़ करने की दिशा में महत्वपूर्ण माना जा रहा है। यात्रा के दौरान वह नेपाली सेना के शीर्ष सैन्य नेतृत्व के साथ द्विपक्षीय रक्षा सहयोग, आपसी हितों से जुड़े मुद्दों और दोनों सेनाओं के बीच सहयोग को आगे बढ़ाने के तरीकों पर चर्चा करेंगे। जनरल धीरज सेठ के नेपाल दौरे के दौरान सोमवार को राष्ट्रपति रामचंद्र पौडेल द्वारा राष्ट्रपति भवन में उनके सम्मान में विशेष आयोजन किया जाएगा। इस अवसर पर जनरल सेठ को नेपाली सेना प्रमुख की मानद उपाधि प्रदान की जानी है।

गौरतलब है कि भारत और नेपाल के बीच सेना प्रमुखों को एक-दूसरे की सेना के मानद प्रमुख की उपाधि देने की महत्वपूर्ण परंपरा रही है। यह परंपरा दोनों देशों की सेनाओं के बीच विशेष संबंधों और ऐतिहासिक सैन्य सहयोग का प्रतीक मानी जाती है। जनरल सेठ की यात्रा के दौरान दोनों पक्षों के बीच रक्षा और सुरक्षा सहयोग को और मजबूत करने पर विशेष जोर रहने की संभावना है। भारत और नेपाल के बीच संयुक्त सैन्य अभ्यास, प्रशिक्षण, क्षमता निर्माण, मानवीय सहायता एवं आपदा राहत तथा सैन्य स्तर पर नियमित संवाद के माध्यम से व्यापक सहयोग जारी है।

दरअसल नेपाल भारत के लिए एक महत्वपूर्ण पड़ोसी और रणनीतिक साझेदार है। दोनों देशों के बीच भौगोलिक निकटता के साथ-साथ लोगों के बीच गहरे सामाजिक और सांस्कृतिक संबंध भी हैं। ऐसे में भारतीय थल सेना प्रमुख की नेपाल यात्रा को दोनों सेनाओं के बीच आपसी विश्वास, समझ और सहयोग को और मजबूत करने के लिहाज से महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

अमेरिका के साथ शांति समझौता 'सम्मान और ताकत' के साथ आगे बढ़ा : ईरानी राष्ट्रपति

विश्व केसरी■

तेहरान। ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेश्कियन ने कहा कि ईरान ने पूर्व सर्वोच्च नेता अली खामेनेई द्वारा बताए गए सिद्धांतों को ध्यान में रखते हुए अमेरिका के साथ हालिया शांति समझौता ज्ञापन (एमओयू) 'सम्मान' और 'ताकत' के साथ किया है।

मसूद पेजेश्कियन ने रविवार को शिक्षा मंत्री अलीरेजा काजेमी की मौजूदगी में हुई एक बैठक में ये बातें कहीं। उनके कार्यालय से जारी बयान के अनुसार, इस बैठक में राष्ट्रपति ने उस एमओयू का बचाव किया, जिस पर ईरान और अमेरिका ने 18 जून को क्षेत्र में युद्ध खत्म करने के लिए हस्ताक्षर किए थे। सिन्हुआ समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, पेजेश्कियन ने कहा, 'हमने हालिया समझौते को मजबूती से आगे बढ़ाया और अपने दुश्मनों के सामने घुटने नहीं टेके। यह एमओयू विशेषज्ञों के साथ सोच-समझकर और विस्तार से चर्चा करने के बाद तैयार किया गया था। आधिकारिक समाचार एजेंसी आईआरएनए के अनुसार, शनिवार को ईरान की संसद के स्पीकर मोहम्मद बाकर कालीबाफ ने शांति एमओयू को 'ईरान की शान और जीत' का सबूत बताया और कहा कि यह कूटनीति के क्षेत्र में देश की जीत को मजबूत करने की दिशा में एक कदम है।

एमओयू के तहत, ईरान और अमेरिका को सोमवार को खत्म होने वाली 60 दिनों की अवधि में बातचीत करके किसी अंतिम समझौते पर पहुंचना था। हालांकि, हाल के हफ्तों में दोनों देशों के बीच तनाव बढ़ने के बाद बातचीत का भविष्य अनिश्चित हो गया है।

इस बीच, रविवार को अमेरिकी डेमोक्रेटिक सीनेटर रूबेन गैलेगो ने कहा कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का प्रशासन बिना किसी स्पष्ट योजना, बाहर निकलने की रणनीति या तय मिशन के ईरान युद्ध में शामिल हुआ, जिसका खामियाजा अमेरिकी सैनिकों को भुगतना पड़ा।

इराक युद्ध के अनुभवी और मरीन कॉर्प्स में सेवा दे चुके गैलेगो ने रविवार को कहा कि इस संघर्ष ने पेंटागन की योजना और नेतृत्व में गंभीर कमियों को उजागर किया है।

संक्षिप्त खबर

पाकिस्तान : बलूचिस्तान में आईडी धमाका, दो की मौत

विश्व केसरी■

क्वेटा। पाकिस्तान के बलूचिस्तान में हुए आईईडी धमाके में दो लोगों की मौत हो गई। धमाका एक वाहन में हुआ। स्थानीय पुलिस ने सोमवार को इसकी जानकारी दी। सूत्रों ने नाम न बताने की शर्त पर सिंहुआ न्यूज एजेंसी को बताया कि यह घटना रविवार को दोपहर करीब 3 बजे राजधानी क्वेटा में हुई। पुलिस ने बताया कि गाड़ी पानी के पाइपलाइन का सामान ले जा रही थी। सूत्रों के मुताबिक, मृतकों के शवों और कुछ घायलों को क्वेटा के एक अस्पताल ले जाया गया। अभी तक किसी भी गुट ने हमले की जिम्मेदारी नहीं ली है। यह हमला पिछले हफ्ते पाकिस्तानी एयर फोर्स द्वारा सुराब के गिदर इलाके में रिहायशी इलाकों में अंधाधुंध बमबारी करने के कुछ दिनों बाद हुआ है। उस हमले में महिलाओं और बच्चों समेत 30 से ज्यादा मासूम नागरिक मारे गए थे और कई घायल हो गए थे, जबकि प्रॉपर्टी को भी काफी नुकसान हुआ था। हमले की निंदा करते हुए, बलूच यकजेहती कमेटी (बीवाईसी) की नेता सबिहा बलूच ने कहा कि इस घटना से पता चलता है कि पाकिस्तान कैसे बच्चों समेत बेगुनाह बलूच नागरिकों की हत्या करके अपने बनने और होने का दम भरता है, जिसे उन्होंने 'नरसंहार' बताया। अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर सबिहा ने कहा, 'वो इलाका पाकिस्तानी सेना से घिरा हुआ है। बचाव टीम, मेडिकल स्टाफ, एम्बुलेंस और पत्रकारों के आने-जाने पर पाबंदी लगा दी गई है।

घुसपैठ करने वाले 31 चीनी नागरिकों को दक्षिण कोरिया ने पकड़ा

विश्व केसरी■

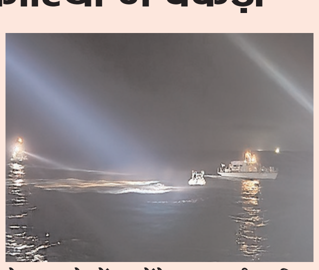

सोल। साउथ कोरियन कोस्ट गार्ड ने चीनी घुसपैठ को लेकर एक आंकड़ा पेश किया। बताया कि पिछले आठ सालों में चीन से घुसपैठ कर दक्षिण कोरिया के ताइआन प्रांत पहुंचे 30 से ज्यादा चीनी नागरिकों को पकड़ने में उन्होंने कामयाबी हासिल की है। सोमवार को कोस्ट गार्ड ने बताया कि सितंबर 2019 से इस साल मई तक, 31 चीनी नागरिकों को गैर कानूनी तरीके से ताइआन काउंटी में जल मार्ग से प्रवेश करते पकड़ा गया। काउंटी (जैसे जिला), सोल से 100 किलोमीटर से ज्यादा की दूरी पर दक्षिण पश्चिम में स्थित है। अधिकारियों ने बताया कि सितंबर 2019 में तीन चीनी नागरिक रबर बोट पर सवार होकर ताइआन तट के पास पहुंचने पर पकड़े गए थे। वहीं, पिछले साल आठ और लोगों को 4.3 मीटर लंबी बोट पर सवार होकर काउंटी पहुंचने पर पकड़ा गया था। योनहाप न्यूज एजेंसी ने कोस्ट गार्ड के हवाले से बताया कि ताजा घटना इसी साल 25 मई की है। शख्स डोंग गुआंगपिंग नाम का एक अपराधी किस्म का शख्स डोंग समुद्र मार्ग से देश में घुसा तो तुरंत पकड़ लिया गया। डोंग, चीन का सजायाफ्ता मुजरिम था। उसे बाद में दक्षिण कोरिया छोड़ने की इजाजत मिल गई थी। डोंग को लेकर एक खबर न्यूयॉर्क टाइम्स ने भी छापी थी। बताया कि वह इस साल जून में कनाडा आया था। कोस्ट गार्ड ने कहा कि 31 में से 25 लोग ऐसे थे जो पहले दक्षिण कोरिया में काम कर चुके थे।

कांगो में इबोला: देश के इतिहास का सबसे घातक प्रकोप, 2,300 से ज्यादा लोगों की मौत

विश्व केसरी■

किन्शासा। इबोला अफ्रीकी देश डेमोक्रेटिक रिपब्लिक ऑफ कांगो (डीआरसी) पर कहर बनकर टूटा है। आंकड़ों के लिहाज से ये देश के इतिहास का सबसे घातक प्रकोप बन गया है। संक्रमण से मरने वालों की संख्या 2,300 का आंकड़ा पार कर गई है। स्वास्थ्य अधिकारियों के अनुसार, इस प्रकोप ने 2018-20 के उस इबोला संकट को भी पीछे छोड़ दिया है, जिसमें 2,299 लोगों की मौत हुई थी।

स्वास्थ्य अधिकारियों और विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के अनुसार, इस बार संक्रमण तेजी से फैल रहा है और देश के कई प्रांत इसकी चपेट में आ चुके हैं। सबसे अधिक प्रभावित इलाकों में इतुरी प्रांत शामिल है, जहां स्वास्थ्य व्यवस्था पहले से ही गंभीर चुनौतियों का सामना कर रही है। इबोला एक अत्यंत संक्रामक और गंभीर वायरल बीमारी है। संक्रमित व्यक्ति के रक्त और शरीर के अन्य तरल पदार्थों के सीधे संपर्क से इसका संक्रमण फैल सकता है। इस प्रकोप को और गंभीर बनाने वाली बात यह है कि बड़ी संख्या में नए संक्रमित लोगों का पहले से निगरानी में रहे मरीजों से कोई स्पष्ट संपर्क सामने नहीं आ रहा है। इसका मतलब है कि संक्रमण की श्रृंखला का पता लगाना स्वास्थ्यकर्मियों के लिए मुश्किल होता जा रहा है। कांगो में जारी संघर्ष, लोगों का विस्थापन, कमजोर स्वास्थ्य ढांचा और प्रभावित क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं तक सीमित पहुंच ने स्थिति को और चुनौतीपूर्ण बना दिया है। बड़ी संख्या में लोगों के एक स्थान से दूसरे स्थान पर जाने के कारण संक्रमण के नए क्षेत्रों में पहुंचने का खतरा भी बना हुआ है।

मौजूदा प्रकोप में बुंडिबुग्यो स्ट्रेन का वायरस सामने आया है। इस स्ट्रेन के खिलाफ फिलहाल व्यापक रूप से उपलब्ध और स्वीकृत विशिष्ट उपचार या वैक्सीन की कमी चुनौती बनी हुई है। वैज्ञानिक और स्वास्थ्य संगठन संभावित टीकों तथा उपचारों पर काम कर रहे हैं। डब्ल्यूएचओ और स्थानीय स्वास्थ्य अधिकारी संक्रमित लोगों को जल्द पहचानने, उन्हें अलग रखने और उनके संपर्क में आए लोगों की निगरानी बढ़ाने पर जोर दे रहे हैं।

पीएम तारिक रहमान के भारत दौरे की 50 फीसदी से ज्यादा संभावना, शेख हसीना मुद्दे पर बरतें संयम: जेएनयू प्रोफेसर

विश्व केसरी■

नई दिल्ली। जवाहर लाल नेहरू यूनिवर्सिटी के इंस्टीट्यूट ऑफ इंटरनेशनल स्टडीज के प्रोफेसर डॉ. स्वर्ण सिंह ने कहा कि बांग्लादेश प्रधानमंत्री तारिक रहमान भारत दौरे के लिए अच्छा माहौल चाहते हैं। उन्होंने कहा कि पीएम रहमान के भारत आने और पीएम मोदी से सीधी बातचीत की 50 फीसदी से ज्यादा संभावना है। प्रोफेसर सिंह के मुताबिक, दोनों देशों के पास तालमेल सुधारने के अलावा कोई विकल्प नहीं है, लेकिन इसके लिए शेख हसीना के मुद्दे पर संयम बरतना जरूरी है।

प्रोफेसर डॉ. स्वर्ण सिंह ने भारत और बांग्लादेश के संबंधों को लेकर न्यूज एजेंसी आईएएनएस से कहा, 'जब भी चुनाव होकर नए राष्ट्राध्यक्ष चुने जाते हैं तो ऐसी अपेक्षा होती है कि वो पहली विदेश यात्रा भारत की करेंगे और ऐसा होता भी है, बांग्लादेश का इतिहास भी रहा है, लेकिन 2024 से जिस तरह से माहौल बदला और भारत ने वहां की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना को भारत में रहने दिया, बांग्लादेश में नाराजगी देखने को मिली। जमात-ए-इस्लामी या नेशनल सिटीजन पार्टी ने इस मुद्दे को खूब उछाला। फिर सब एनसीपी की सरकार बनी और तारिक रहमान प्रधानमंत्री बने तो उम्मीद हुई कि अब शायद चुनी हुई सरकार आई है तो संबंध अच्छे हो सकते हैं।'

उन्होंने आगे कहा, 'पीएम तारिक रहमान ने शुरू में कहा भी कि लोगों के हित को सामने रखकर सारे निर्णय लेंगे और विदेश नीति में लगातार संतुलन बनाकर आगे बढ़ेंगे, इसलिए उनके शपथ ग्रहण समारोह में भारत ने अपने प्रतिनिधि को भेजा और बाद में उच्चायुक्त भी वहां पहुंचे।

बांग्लादेश में बंगबंधु की बरसी पर जुटे 15 वकील गिरफ्तार, मानवाधिकार संगठन ने जताया कड़ा विरोध

विश्व केसरी■

पेरिस। बांग्लादेश में बंगबंधु शेख मुजीबुर रहमान की पुण्यतिथि पर निजी प्रार्थना और स्मृति सभा में शामिल हुए 15 वकीलों को गिरफ्तार कर लिया गया। एक प्रमुख अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार संगठन ने इस पर कड़ी आपत्ति जताई है। संगठन ने इन गिरफ्तारियों को मनमाना बताते हुए बांग्लादेशी अधिकारियों की आलोचना की है।

गिरफ्तार किए गए वकीलों में पांच महिलाएं भी शामिल हैं। ये सभी चटगांव जिला बार एसोसिएशन से जुड़े बताए गए। बाद में 5 महिला वकीलों को कोर्ट ने रविवार दोपहर जमानत दे दी जबकि 10 को बेल नहीं दी गई। बांग्लादेशी दैनिक प्रथोम आलो के अनुसार, पुलिस ने शनिवार रात चटगांव के डबल मूरिंग इलाके में एक घर से इन वकीलों को हिरासत में लिया। स्थानीय पुलिस स्टेशन के ओसी शाहीन आलम ने बताया कि ये वकील अवामी लीग के समर्थक और कार्यकर्ता हैं और इन्हें आतंक विरोधी एक्ट के तहत गिरफ्तार किया गया।

ये सभी 15 अगस्त को बंगबंधु शेख मुजीबुर रहमान की पुण्यतिथि मनाने के लिए एकत्र हुए थे। मानवाधिकार संगठन का कहना है कि शांतिपूर्ण निजी प्रार्थना और स्मृति सभा में भाग लेने के लिए वकीलों पर आतंकवाद निरोधक कानून के तहत कार्रवाई करना गंभीर चिंता का विषय है। संगठन ने अधिकारियों से गिरफ्तार किए गए वकीलों के अधिकारों का सम्मान करने और उनके खिलाफ कार्रवाई की परिस्थितियों को स्पष्ट करने की मांग की है। बांग्लादेश में शेख मुजीबुर रहमान की पुण्यतिथि को लेकर इस वर्ष सुरक्षा व्यवस्था और राजनीतिक तनाव के बीच कई घटनाएं सामने आई हैं। 15 अगस्त को ढाका में भी मुजीबुर रहमान के चित्र पर श्रद्धांजलि देने पहुंचे एक व्यक्ति को पुलिस ने हिरासत में लिया और बाद में उसके खिलाफ आतंकवाद निरोधक कानून के तहत मामला दर्ज कर जेल भेज दिया गया।

दक्षिण कोरिया : मूसलाधार बारिश से तबाही, भूस्खलन में एक की मौत

विश्व केसरी■

सोल। दक्षिण कोरिया के दक्षिण-पूर्वी क्षेत्र में सप्ताहांत से हो रही मूसलाधार बारिश ने भारी तबाही मचा दी है। दक्षिण ग्योंगसांग प्रांत के जियोजे शहर में शनिवार से सोमवार सुबह तक 800 मिलीमीटर से ज्यादा बारिश दर्ज की गई। बारिश के कारण हुए भूस्खलन में एक व्यक्ति की मौत हो गई।

जियोजे में सोमवार तड़के करीब 4:42 बजे भूस्खलन हुआ और इसकी चपेट में एक इमारत आ गई। पुलिस और दमकलकर्मियों ने इमारत से तीन लोगों को सुरक्षित बाहर निकाला। इनमें से एक व्यक्ति बेहोशी की हालत में मिला और बाद में अस्पताल में उसे मृत घोषित कर दिया गया। योनहाप के अनुसार, जियोजे से करीब 300 किलोमीटर दक्षिण-पूर्व में स्थित टोंगयोंग में भी शनिवार से सोमवार सुबह तक 671.9 मिमी बारिश हुई। प्रांत के अन्य इलाकों में 240 से 340 मिमी तक बारिश दर्ज की गई।

भारी बारिश के कारण जियोजे और टोंगयोंग में 12 स्कूल और किंडरगार्टन जलमग्न हो गए। जियोजे में कई नदियां और जलधाराएं उफान पर आ गईं, जिससे सड़कें पानी में डूब गईं। एक अन्य इलाके में भूस्खलन से एक मकान भी प्रभावित हुआ, हालांकि वहां किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है।

दमकल विभाग को रातभर जियोजे में बारिश से जुड़ी घटनाओं और नुकसान के संबंध में 20 से ज्यादा मदद की कॉल मिलीं। सोमवार सुबह जियोजे और टोंगयोंग में बारिश की तीव्रता 100 मिलीमीटर प्रति घंटे तक पहुंच गई थी। मौसम विभाग ने दक्षिण ग्योंगसांग प्रांत के कुछ हिस्सों में सोमवार को 150 मिलीमीटर तक अतिरिक्त बारिश होने का अनुमान जताया है। पांच इलाकों में भारी बारिश की चेतावनी लागू रही, जबकि कई अन्य क्षेत्रों में बारिश को लेकर एडवाइजरी जारी की गई।

जुलाई में यूक्रेन के 437 नागरिकों ने गंवाई जान, 2,610 घायल: जेलेंस्की ने यूएन रिपोर्ट का दिया हवाला

विश्व केसरी■

कीव। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार कार्यालय की एक रिपोर्ट के हवाले से देश को पहुंचे नुकसान के बारे में बताया है। उनके अनुसार, जुलाई में हुए रूसी हमलों में यूक्रेन में 437 नागरिक मारे गए और 2,610 घायल हुए। उन्होंने कहा कि मई 2022 के बाद यह एक महीने में नागरिकों के हताहत होने का सबसे बड़ा आंकड़ा है।

जेलेंस्की ने कहा, 'जुलाई में 17 बच्चों की मौत हुई, जबकि 166 अन्य घायल हुए। अप्रैल 2022 के बाद किसी एक महीने में बच्चों के हताहत होने का यह सबसे बड़ा आंकड़ा है। उन्होंने कहा कि इन आंकड़ों की ओर पूरी दुनिया को ध्यान देना चाहिए। जेलेंस्की ने नागरिकों की मौत के लिए सीधे तौर पर रूस को जिम्मेदार ठहराते हुए कहा कि यूक्रेन के शहरों पर मिसाइल, ड्रोन और बम हमलों को तेज किया जा रहा है।

यूक्रेनी राष्ट्रपति ने कहा कि जुलाई में लंबी दूरी के हथियारों से किए गए हमलों में कुल नागरिक हताहतों में 38 प्रतिशत मामले सामने आए। उन्होंने इसे नागरिक आबादी के खिलाफ सुनियोजित पैटर्न का हिस्सा बताया और कहा कि ऐसे हमलों का दस्तावेजीकरण और जांच की जानी चाहिए।

जेलेंस्की ने कहा कि रूस के हमलों के लिए जिम्मेदार प्रत्येक कमांडर और अधिकारी को यह समझना चाहिए कि उनके खिलाफ सबूत जुटाए जा रहे हैं और उन्हें जवाबदेह ठहराया जाएगा। उन्होंने अंतरराष्ट्रीय समुदाय से केवल चिंता जताने के बजाय ठोस कदम उठाने की अपील की।

इंडोनेशिया में 7.7 तीव्रता के भूकंप से मरने वालों की संख्या 54 हुई

वश्व केसरी■

जकार्ता। इंडोनेशिया के पूर्वी नुसा तेंगारा (एनटीटी) प्रांत में शनिवार को 7.7 तीव्रता का शक्तिशाली भूकंप आया था। इसमें मरने वालों की संख्या बढ़कर 54 हो गई है। देश की राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन एजेंसी (बीएनपीबी) ने सोमवार को यह जानकारी दी।

देश की राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन एजेंसी (बीएनपीबी) प्रमुख सुहारयांतो ने बताया कि प्रभावित इलाकों में राहत और बचाव अभियान जारी है। अधिकारी लगातार जान-माल के नुकसान का आकलन कर रहे हैं, जबकि बचाव दल घायलों को चिकित्सा सहायता उपलब्ध करा रहे हैं। भूकंप में सैकड़ों लोग घायल हुए हैं। रविवार तक 12,000 से अधिक लोग अपने घरों से विस्थापित हो चुके थे। भूकंप से बड़ी संख्या में मकानों के साथ सार्वजनिक सुविधाओं को भी नुकसान पहुंचा है। इंडोनेशिया की मौसम विज्ञान, जलवायु विज्ञान और भूभौतिकी एजेंसी ने बताया कि प्रभावित क्षेत्र में भूकंप के बाद के झटके लगातार महसूस किए जा रहे हैं। दूरदराज के इलाकों तक राहत सामग्री पहुंचाने और लोगों को सुरक्षित निकालने के लिए थल, जल और हवाई परिवहन के साधनों को लगाया गया है। राहत अभियान में 11 विमान और हेलीकॉप्टर भी शामिल हैं। सिका रीजेंसी के पालेउ द्वीप जैसे दुर्गम इलाकों में विशेष रूप से राहत पहुंचाई जा रही है।

भूकंप के कारण मंगगराई क्षेत्रीय अस्पताल को नुकसान पहुंचा है, जिससे स्थानीय स्वास्थ्य सेवाएं प्रभावित हुई हैं। इसके मद्देनजर गोलो दुकाल स्टेडियम में एक फील्ड अस्पताल तैयार किया जा रहा है।

इस बीच, पूर्वी नुसा तेंगारा प्रांत की सरकार ने 15 से 28 अगस्त तक 14 दिनों के लिए आपातकालीन प्रतिक्रिया स्थिति घोषित की है। प्रांतीय सरकार के एक आदेश के अनुसार, यह कदम राहत एवं बचाव कार्यों, लोगों की निकासी, सहायता सामग्री के वितरण और प्रभावित क्षेत्रों में पुनर्वास को तेजी देने के लिए उठाया गया है। सरकारी आंकड़ों के मुताबिक, भूकंप से 914 मकान बुरी तरह क्षतिग्रस्त हुए हैं, जबकि 126 मकानों को मध्यम और 317 को मामूली नुकसान पहुंचा है। इसके अलावा 93 शैक्षणिक संस्थानों, 36 स्वास्थ्य केंद्रों और 38 सरकारी कार्यालयों को भी नुकसान हुआ है। प्रांतीय गवर्नर मेल्की लाका लेना ने बताया कि कुछ सड़कें भूस्खलन के कारण कट गई हैं ।

महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री फडणवीस की पीएम मोदी से मुलाकात, इन मुद्दों पर हुई चर्चा

विश्व केसरी

नई दिल्ली। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने सोमवार को नई दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात कर विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तृत चर्चा की। इसकी जानकारी प्रधानमंत्री कार्यालय ने सोशल मीडिया के जरिए दी।

पीएमओ ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर इस मुलाकात की फोटो शेयर करते हुए लिखा, 'महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की।'

इस दौरान मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री को महाराष्ट्र में चल रहे विकास कार्यों, अधोसंरचना परियोजनाओं तथा केंद्र और राज्य सरकार के समन्वय से संचालित योजनाओं की प्रगति की जानकारी दी। सीएम फडणवीस ने प्रधानमंत्री मोदी को राज्य के विभिन्न विकास प्रकल्पों की विस्तृत जानकारी देते हुए कहा कि महाराष्ट्र को देश की विकास यात्रा में अग्रणी बनाए रखने के लिए केंद्र सरकार का सहयोग महत्वपूर्ण है। उन्होंने कई महत्वपूर्ण परियोजनाओं और योजनाओं के लिए केंद्र से निरंतर सहयोग का आग्रह भी किया।

मुख्यमंत्री फडणवीस ने पीएम मोदी से मुलाकात के बाद सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर फोटो भी शेयर की। उन्होंने केंद्र सरकार द्वारा मिल रहे सपोर्ट के प्रति प्रधानमंत्री मोदी का आभार भी जताया।

सीएम फडणवीस ने एक्स पोस्ट में लिखा, ''नई दिल्ली में आज मैंने देश के लोकप्रिय और भारत के वैश्विक नेता प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की। हमने कई विषयों पर विस्तार से चर्चा की। मैंने उन्हें कई विकास परियोजनाओं की प्रगति के बारे में जानकारी दी और केंद्र-राज्य की संयुक्त परियोजनाओं के लिए भारत सरकार से और सहयोग का अनुरोध भी किया।''

उन्होंने आगे बताया कि हमेशा की तरह, प्रधानमंत्री से मिलना प्रेरणादायक रहा और इससे सकारात्मक ऊर्जा मिलती है। विकास से जुड़े मुद्दों पर लगातार और बहुमूल्य मार्गदर्शन तथा महाराष्ट्र को मजबूत समर्थन देने के लिए मैं उनका सदैव आभारी रहूंगा।''

इसके अलावा महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने नई दिल्ली में वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण से भी मुलाकात की।

सीबीआई ने रिश्वत लेते हुए जम्मू-कश्मीर पुलिस के सब इंस्पेक्टर को किया गिरफ्तार

विश्व केसरी

नई दिल्ली। सेंट्रल ब्यूरो ऑफ इन्वेस्टिगेशन (सीबीआई) ने जम्मू-कश्मीर पुलिस के जम्मू स्थित जानीपुर पुलिस स्टेशन के एक सब इंस्पेक्टर को रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार किया है। इसके साथ ही रिश्वत के रकम भी बरामद कर ली है।

सीबीआई ने 16 अगस्त को एक शिकायत के आधार पर आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज किया था। शिकायत में आरोप लगाया गया था कि सब-इंस्पेक्टर ने वैवाहिक विवाद को लेकर शिकायतकर्ता के खिलाफ एफआईआर दर्ज न करने के बदले में उससे 20 हजार रुपये की रिश्वत मांगी थी। बातचीत के बाद, आरोपी शिकायतकर्ता से 10,000 रुपये की रिश्वत लेने को तैयार हो गया।

सीबीआई ने बताया कि शिकायत के बाद 16 अगस्त, यानी रविवार को जाल बिछाया और आरोपी को शिकायतकर्ता से 10,000 रुपये की रिश्वत मांगते और लेते हुए रंगे हाथों पकड़ लिया। मामले की जांच जारी है। इसके पहले सीबीआई ने रिश्वत के मामले में दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे भिलाई में पदस्थ एक वरिष्ठ अधिकारी को गिरफ्तार किया था। गिरफ्तार अधिकारी इंडियन रेलवे सर्विस ऑफ मैकेनिकल इंजीनियर्स का है और भिलाई में सीनियर डिविजनल मैकेनिकल इंजीनियर के पद पर तैनात है। सीबीआई के सूचना विभाग से जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, यह मामला 13 अगस्त को दर्ज किया गया था। आरोप था कि सीनियर डिविजनल मैकेनिकल इंजीनियर ने शिकायतकर्ता के लंबित बिल पास करने के बदले 2 लाख रुपए की रिश्वत मांगी थी। बातचीत के बाद आरोपी 1 लाख रुपये रिश्वत लेने पर सहमत हो गया था। सीबीआई ने 13 अगस्त को आरोपी इंजीनियर को 50 हजार रुपये की रिश्वत लेते हुए रंगेहाथ पकड़ा। यह रकम मांगी गई रिश्वत की पहली किस्त थी।

संक्षिप्त खबर

सीजीएल परीक्षा गड़बड़ी केस में जेएसएससी कार्यालय में सीआईडी ने मारा छापा

विश्व केसरी

रांची। झारखंड में जेएसएससी-सीजीएल परीक्षा में कथित अनियमितताओं की जांच कर रही सीआईडी की टीम ने सोमवार को झारखंड कर्मचारी चयन आयोग के कार्यालय में छापेमारी की। टीम आयोग के सचिव सुधीर गुप्ता से पूछताछ कर रही है।

सूत्रों के अनुसार, जांच एजेंसी वर्ष 2024 में आयोजित सीजीएल परीक्षा के माध्यम से चयनित सभी अभ्यर्थियों के दस्तावेजों और परीक्षा से संबंधित रिकॉर्ड की जांच कर रही है। जांच का उद्देश्य यह पता लगाना है कि परीक्षा में किसी स्तर पर अनियमितता हुई थी या नहीं और यदि किसी अभ्यर्थी को अनुचित तरीके से लाभ मिला है तो उसकी पहचान की जा सके। दोषी पाए जाने वाले लोगों के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की जा सकती है। इस परीक्षा के माध्यम से दो हजार से अधिक पदों पर नियुक्तियां की गई हैं। इसी परीक्षा को रद्द करने और भर्ती परीक्षाओं में कथित अनियमितताओं की सीबीआई जांच की मांग को लेकर छात्र रांची में आंदोलन कर रहे हैं। छात्रों का कहना है कि परीक्षा प्रक्रिया में गंभीर गड़बड़ियों के आरोप सामने आए हैं और पूरे मामले की स्वतंत्र जांच जरूरी है। इस बीच, मामले की जांच में परीक्षा कराने वाली एजेंसी टीडीपीएल के पूर्व मार्केटिंग मैनेजर अभय तिवारी के बयान को भी महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

केरल वंदे मातरम विवाद : राजीव चंद्रशेखर के आरोपों पर सीपीएम नेता का पलटवार

विश्व केसरी

नई दिल्ली। सीपीएम के महासचिव एमए बेबी ने केरल में वंदे मातरम विवाद पर राज्य सरकार का बचाव किया है। उन्होंने कहा कि 'वंदे मातरम' आजादी की लड़ाई की ही देन है, लेकिन भाजपा-आरएसएस के नेताओं ने कभी भी ब्रिटिश साम्राज्यवाद के खिलाफ आजादी की लड़ाई में हिस्सा नहीं लिया। केरल भाजपा के अध्यक्ष राजीव चंद्रशेखर ने आरोप लगाए हैं कि राज्य में यूडीएफ सरकार को मुस्लिम लीग और जमात-ए-इस्लामी कंट्रोल करती है, सिर्फ इसलिए स्वतंत्रता दिवस समारोह में 'वंदे मातरम' पूरा नहीं गाया गया। इस पर सीपीएम के महासचिव एमए बेबी ने सोमवार को आईएएनएस से बात करते हुए कहा, 'वंदे मातरम को लेकर हुए इस विवाद में सबसे अहम बात भाजपा का चालाकी भरा सांप्रदायिक एजेंडा है। आरएसएस अभी भी भाजपा को कंट्रोल करता है, लेकिन आजादी की लड़ाई के समय भाजपा नहीं थी। जनसंघ भी बाद में बना था। तब सिर्फ हिंदू महासभा और आरएसएस थे। एक बात जो इन सभी संगठनों, चाहे वह आरएसएस हो, हिंदू महासभा हो या बाद में जनसंघ, के बारे में सच है, वह यह है कि इनके नेताओं ने कभी भी ब्रिटिश साम्राज्यवाद के खिलाफ़ आज़ादी की लड़ाई में हिस्सा नहीं लिया।' एमए बेबी ने कहा, ''वंदे मातरम' आजादी की लड़ाई की ही देन है। बंगाल में अंग्रेज-विरोधी संघर्ष में संन्यासियों ने भी हिस्सा लिया था। वहां एक आंदोलन चला था। असल में, बंकिम चंद्र चट्टोपाध्याय का उपन्यास 'आनंदमठ' उसी आंदोलन पर आधारित है, जो ब्रिटिश साम्राज्यवाद के खिलाफ था।'

'होटल मालिक की लापरवाही से गई जान,' तारापीठ होटल अग्निकांड पर बोले स्थानीय नेता

विश्व केसरी

बीरभूम। पश्चिम बंगाल के बीरभूम जिले के तारापीठ में सोमवार सुबह एक बड़ा हादसा हो गया। तारापीठ पुलिस स्टेशन के पास तालाब के किनारे स्थित 'विदेशिनी होटल' में आग लगने से 7 लोगों की मौत हो गई। कई अन्य लोग झुलस गए हैं।

दमकल की कई गाड़ियों ने मौके पर पहुंचकर कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। फायर ब्रिगेड और पुलिस की तत्परता से 24 लोगों को सुरक्षित बाहर निकाला गया। घायलों को इलाज के लिए रामपुरहाट सरकारी मेडिकल कॉलेज और अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उनमें से 2 की हालत गंभीर बताई जा रही है।

घटना के बाद स्थानीय नेता ने आईएएनएस से बातचीत में कहा कि यह हादसा पूरी तरह होटल प्रबंधन की लापरवाही की वजह से हुआ है।

उन्होंने कहा, 'इस घटना में 7 लोगों की मौत हो गई है। पुलिस और फायर ब्रिगेड के हम आभारी हैं। इनकी वजह से 24 लोग बच गए हैं। होटल में पाइप लाइन की व्यवस्था है, लेकिन पानी की व्यवस्था नहीं है। सिक्योरिटी नहीं है। हादसे के समय कोई नहीं था। होटल मालिक की लापरवाही से लोगों की जान गई।'

उन्होंने आरोप लगाया कि इस होटल को तारापीठ रामपुरहाट विकास प्राधिकरण (टीआरडीए) ने अनुमति दी थी, लेकिन सुरक्षा मानकों की अनदेखी की गई।

स्थानीय नेता ने कहा, 'सीएम सुवेंदू अधिकारी घटना को लेकर संवेदनशील हैं। सुबह से ही वह संपर्क में हैं। उन्होंने निर्देश दिए हैं कि पहले सारे होटल की छानबीन की जाएगी कि उसमें फायर सेफ्टी की व्यवस्था है या नहीं। अगर किसी में कमी पाई जाती है तो वो होटल नहीं चलेगा।'

प्रशासन ने जिले के सभी होटलों और धर्मशालाओं में फायर सेफ्टी ऑडिट के आदेश दिए हैं। नियमों का उल्लंघन करने वाले होटलों को तुरंत बंद करने की चेतावनी दी गई है। स्थानीय नेता ने कहा, 'पिछले 100 दिन से प्रदेश में भाजपा की सरकार है। अब इतना जल्दी तो इंफ्रास्ट्रक्चर ठीक नहीं किया जा सकता। ये सब पिछली सरकार का खामियों की वजह से हो रहा है।

पटना में तेज रफ्तार बाइक ने बुजुर्ग को मारी टक्कर, चार घायल

विश्व केसरी

पटना। बिहार की राजधानी पटना में सोमवार को पत्रकार नगर थाना क्षेत्र के 90-फीट बाईपास के पास एक मोटरसाइकिल और बुजुर्ग पैदल यात्री के बीच हुई टक्कर में बाइक सवार तीन युवकों समेत चार लोग घायल हो गए। घायलों में तीन की हालत गंभीर बताई जा रही है।

प्रत्यक्षदर्शी सुधा देवी के अनुसार, तीन युवक एक मोटरसाइकिल पर सवार होकर जा रहे थे। आरोप है कि वे तेज रफ्तार में सड़क की गलत दिशा में बाइक चला रहे थे। इसी दौरान एक बुजुर्ग व्यक्ति अचानक उनके रास्ते में आ गया।

बताया जा रहा है कि बुजुर्ग को बचाने के लिए बाइक सवार ने अचानक ब्रेक लगाया, जिससे मोटरसाइकिल अनियंत्रित हो गई और पिलर नंबर 19 से जा टकराई। टक्कर के बाद बाइक सवार तीनों युवक सड़क पर गिर गए और तौर पर कुछ देर के लिए बेहोश हो गए। हादसे में बुजुर्ग व्यक्ति भी घायल हो गए।

घायलों में राजेंद्र नगर निवासी 19 वर्षीय अक्षय कुमार भी शामिल है। उसके पिता अशोक राम पटना नगर निगम में कार्यरत हैं। वह कचरा संग्रहण की ड्यूटी पर बाहर थे, तभी उन्हें जानकारी मिली कि उनका बेटा हादसे में घायल हो गया है। इसके बाद वह घटनास्थल पर पहुंचे और अक्षय को इलाज के लिए अस्पताल ले गए।

एक अन्य घायल युवक की पहचान राघोपुर दियारा निवासी 25 वर्षीय बिपिन के रूप में हुई है। खबर लिखे जाने तक उसके परिवार के सदस्य अस्पताल नहीं पहुंच पाए थे। एक अन्य घायल युवक को उसके परिजन इलाज के लिए बाईपास स्थित एक निजी अस्पताल ले गए थे। वहां डॉक्टरों ने उसकी गंभीर हालत को देखते हुए उसे बेहतर इलाज के लिए पटना मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल (पीएमसीएच) रेफर कर दिया।

बैंक खाता फ्रीज होने के मामले को अभिषेक बनर्जी ने कलकत्ता हाईकोर्ट में दी चुनौती

विश्व केसरी

कोलकाता। तृणमूल कांग्रेस के महासचिव और पार्टी के डायमंड हार्बर लोकसभा सांसद अभिषेक बनर्जी ने सोमवार को कलकत्ता हाई कोर्ट की एकल पीठ का रुख किया। उन्होंने अपने बैंक खाते को फ्रीज किए जाने के बैंक अधिकारियों के कदम को चुनौती दी है। यह कार्रवाई उनकी अमेरिका की प्रस्तावित यात्रा से ठीक पहले की गई है। अभिषेक को नेत्र संबंधी उपचार के लिए विदेश यात्रा की अनुमति सुप्रीम कोर्ट ने दी है।

अभिषेक के वकील अयान भट्टाचार्य ने न्यायमूर्ति कृष्ण राव की एकल पीठ के समक्ष इस मामले में याचिका दायर की। अभिषेक पश्चिम बंगाल की पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के भतीजे हैं।

अपनी याचिका में अभिषेक बनर्जी के वकील ने दावा किया कि उनके मुवक्किल के बैंक खाते पर विदेश यात्रा से ठीक पहले डेबिट संबंधी प्रतिबंध लगा दिए गए हैं। डायमंड हार्बर सांसद के वकील ने यह भी दावा किया कि बैंक अधिकारियों ने उनके मुवक्किल को खाते को फ्रीज करने का कारण नहीं बताया।

अभिषेक के वकील ने मामले में तत्काल सुनवाई की मांग भी की। उन्होंने सवाल उठाया कि भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस), 2023 की धारा 107 को लागू किए बिना बैंक अधिकारी किसी व्यक्ति का बैंक खाता कैसे फ्रीज कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि उक्त धारा के अनुसार पुलिस को खाते को फ्रीज करने के लिए पहले संबंधित मजिस्ट्रेट के समक्ष आवेदन करना होता है। हालांकि, अभिषेक के वकील ने दलील दी कि इस मामले में इस प्रक्रिया का पालन नहीं किया गया।

न्यायमूर्ति राव ने याचिका स्वीकार कर ली और सवाल किया कि क्या अभिषेक के खिलाफ कोई जांच चल रही है। इसके जवाब में अभिषेक के वकील ने कहा कि उनके मुवक्किल अदालत के आदेश के अनुसार जांच प्रक्रिया में सहयोग कर रहे हैं और इस मामले का बैंक खाता फ्रीज किए जाने से कोई संबंध नहीं है।

भाजपा-आरएसएस के लोग सिर्फ ध्यान भटकाते हैं : प्रियांक खड़गे

विश्व केसरी

बेंगलुरु। प्रियांक खड़गे ने सोमवार को विभिन्न मुद्दों को लेकर अपनी तरफ से बातें रखीं। उन्होंने वंदे मातरम विवाद पर पत्रकारों से बातचीत में कहा कि यह कुछ भी नहीं है। यह सिर्फ ध्यान भटकाने की एक प्रक्रिया है, जिसे किसी भी कीमत पर स्वीकार नहीं किया जा सकता है। हमें भाजपा या आरएसएस जैसे संगठनों से इस बात का प्रमाणपत्र नहीं चाहिए कि हम कितने राष्ट्रवादी हैं।

उन्होंने कहा कि ये वही लोग हैं, जिन्होंने देश की आजादी की लड़ाई में किसी भी प्रकार का योगदान नहीं दिया। राष्ट्र गान और राष्ट्र गीत जैसे मुद्दों का जिक्र कर भाजपा राजनीतिक फायदा प्राप्त करने की कोशिश कर रही है। इससे इन लोगों को किसी कोई फायदा होने वाला नहीं है। वो जितनी मर्जी चाहे, केस दर्ज करा सकते हैं। हमें इससे कोई फर्क नहीं पड़ता है। इन लोगों से हमें राष्ट्रवाद का कोई प्रमाणपत्र नहीं चाहिए। वहीं, प्रियांक खड़गे ने नेट एग्जाम की परीक्षा की तिथि को रिशेड्यूल किए जाने पर भी प्रतिक्रिया दी। उनके मुताबिक, अब शिक्षा मंत्री कहां हैं? उन्हें सामने आकर अपनी बात स्पष्ट रूप से रखनी चाहिए। हम इस बात को खारिज नहीं कर सकते हैं कि ये वही लोग हैं, जिन्होंने धर्मेंद्र प्रधान को लंबे समय तक जाने नहीं दिया था। यही लोग इनके पीछे सुरक्षा तंत्र के रूप में खड़े रहे। धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे को लेकर पूरे देशभर में छात्र आंदोलन करने पर आमादा हो गए। सभी ने यही मांग की कि हर कीमत पर धर्मेंद्र प्रधान का इस्तीफा होना चाहिए। इसके बावजूद भी छात्रों के हित में फैसला लेने में काफी समय लग गया। आरएसएस के खिलाफ यतींद्र सिद्धारमैया की टिप्पणी पर भी प्रियांक खड़गे ने प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि निश्चित तौर पर इस बात को खारिज नहीं किया जा सकता है कि आरएसएस जैसे संगठनों ने कई लोगों का ब्रेन वॉश किया है। ऐसे संगठनों ने कई लोगों को भ्रमित किया है। संघ के लोगों का राष्ट्र निर्माण में कोई योगदान नहीं रहा है। इसके विपरीत, यही लोग समाज में अराजकता फैलाने की दिशा में हमेशा से ही आगे रहे हैं। प्रियांक खड़गे ने कहा कि आज की तारीख में कई छात्र पेपर लीक की समस्या से परेशान हैं। आखिर इसके पीछे कौन हैं? निश्चित तौर पर आरएसएस के ही लोग हैं। आखिर किन लोगों ने सभी संस्थाओं को अपने कब्जे में लिया है। जाहिर है कि आरएसएस के लोगों ने ही यह सब किया है। आरएसएस के लोग ही सभी लोगों का ब्रेन वॉश कर रहे हैं। मुझे पूरा विश्वास है कि जो गलती हमने की, वो जेन जी नहीं करेगी। जेन जी आरएसएस की पूरी रूपरेखा समझने की कोशिश करेगी।

अपनी शिकायतें केंद्र तक ले जाने पर 5 शिक्षकों को सस्पेंड करने के लिए जगन ने चंद्रबाबू नायडू की आलोचना की

विश्व केसरी

अमरावती। आंध्र प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री और वाईएसआर कांग्रेस पार्टी के अध्यक्ष वाई.एस. जगन मोहन रेड्डी ने सोमवार को मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू की आलोचना की। यह आलोचना सेवा में कार्यरत शिक्षकों के लिए 'टीचर एलिजिबिलिटी टेस्ट' से छूट की मांग को लेकर केंद्र सरकार के प्रतिनिधियों से मिलने वाले पांच शिक्षकों को सस्पेंड किए जाने के कारण की गई।

वाई.एस. जगन ने सोशल मीडिया पर मुख्यमंत्री से सरकारी कर्मचारियों, खासकर शिक्षकों के प्रति बदले की भावना को लेकर सवाल किया। वाईएसआरसीपी प्रमुख ने पूछा, 'पहले दिन वाईएसआर कडप्पा जिले में शिक्षक संघों से जुड़े शिक्षकों को सस्पेंड किया गया और दूसरे दिन अनंतपुर और श्री सत्य साई जिलों के शिक्षकों को सस्पेंड किया गया। इन पांच शिक्षकों को क्यों सस्पेंड किया गया? उन्होंने क्या अपराध किया था?' वाई.एस. जगन ने बताया कि एक लाख से ज्यादा सीनियर टीचर मुश्किलों का सामना कर रहे हैं, क्योंकि नौकरी के इतने सालों बाद अब उनसे टीईटी परीक्षा देने के लिए कहा जा रहा है, जबकि नौकरी शुरू करते समय ऐसी कोई टीईटी की शर्त नहीं थी।

राम मंदिर चढ़ावा विवाद : सुप्रीम कोर्ट ने एसआईटी की स्टेटस रिपोर्ट सार्वजनिक करने से किया इनकार

विश्व केसरी

नई दिल्ली। अयोध्या के श्रीराम मंदिर में श्रद्धालुओं के चढ़ावे की कथित चोरी की स्वतंत्र जांच की मांग वाली याचिकाओं पर सुप्रीम कोर्ट में सोमवार को सुनवाई हुई। मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) सूर्यकांत, जस्टिस जॉयमाल्या बागची और जस्टिस वी मोहना की बेंच ने सुनवाई की। सुप्रीम कोर्ट ने स्टेटस रिपोर्ट सार्वजनिक करने से इनकार कर दिया।

सुप्रीम कोर्ट में दाखिल याचिकाओं में केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) से स्वतंत्र जांच कराने, श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के वित्तीय लेन-देन का सीएजी, फॉरेंसिक ऑडिट करने, ट्रस्ट के सभी वित्तीय रिकॉर्ड सुरक्षित रखने, जांच पूरी होने तक उस पर बड़े वित्तीय फैसले लेने से रोक लगाए जाने की मांग की गई है। उत्तर प्रदेश सरकार की तरफ से पेश हुए सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा कि स्पेशल इन्वेस्टिगेशन टीम (एसआईटी) की रिपोर्ट तैयार है। अब तक के जांच की स्टेटस रिपोर्ट कोर्ट में जमा कर दी है। जांच के लिए बनी एसआईटी के चेयरमैन भी कोर्ट में मौजूद हैं। इस पर याचिकाकर्ताओं की ओर से एसआईटी के जांच की स्टेटस रिपोर्ट की कॉपी दिए जाने की मांग की। इस पर सीजेआई ने कहा कि हम चाहते हैं कि इस मामले की पारदर्शी और निष्पक्ष जांच हो। याचिकाकर्ताओं के वकील ने यहां तक कहा कि हमें इस मामले में दर्ज एफआईआर का कंटेंट तक नहीं दिया गया है। एक और याचिकाकर्ता सुधाकर सिंह के वकील सत्यम सिंह राजपूत ने कहा कि अब तक जितना डोनेशन हुआ, उसको सार्वजनिक रूप से पब्लिश किया जाए। इसके अलावा हमने एक स्वतंत्र चार्टर्ड अकाउंटेंट से कुछ रिपोर्ट तैयार कराई है, जो हम कोर्ट के सामने जमा कराएंगे।

यूक्रेन में लक्ष्मी मित्तल की स्टील प्लांट पर रूसी मिसाइल हमला, 2 की मौत; उत्पादन आंशिक रूप से ठप

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। भारतीय उद्योगपति लक्ष्मी मित्तल की कंपनी आर्सेलरमित्तल क्रिवी रिह पर रूस द्वारा किए गए मिसाइल हमले में दो लोगों की मौत हो गई, जबकि 14 कर्मचारी घायल हो गए। हमले में संयंत्र की कई महत्वपूर्ण उत्पादन इकाइयों को नुकसान पहुंचा है, जिसके चलते प्लांट में उत्पादन गतिविधियों को आंशिक रूप से रोकना पड़ा है।

रिपोर्ट्स के अनुसार, यह हमला यूक्रेन के क्रिवी रिह शहर में स्थित देश के सबसे बड़े स्टील संयंत्र पर हुआ, जो यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की का गृह नगर भी है। रूस और यूक्रेन के बीच जारी युद्ध के दौरान यह क्षेत्र बार-बार हमलों का निशाना बनता रहा है, लेकिन ताजा हमला औद्योगिक गतिविधियों पर बड़ा प्रभाव डालने वाला माना जा रहा है।

आर्सेलरमित्तल क्रिवी रिह ने एक बयान में कहा कि मिसाइल हमले के कारण बिजली उत्पादन और ब्लास्ट फर्नेस संचालन से जुड़ी प्रमुख सुविधाएं क्षतिग्रस्त हो गई हैं। कंपनी के अनुसार, इन महत्वपूर्ण इकाइयों को हुए नुकसान की वजह से उत्पादन प्रक्रियाएं बाधित हुई हैं और संयंत्र का संचालन आंशिक रूप से रोकना पड़ा है।

कंपनी ने कहा, 'हमले के परिणामस्वरूप ऊर्जा उत्पादन और ब्लास्ट फर्नेस क्षेत्र की प्रमुख उत्पादन सुविधाएं क्षतिग्रस्त हुई हैं, जिसके कारण संयंत्र की उत्पादन प्रक्रियाएं आंशिक रूप से ठप हो गई हैं। यह हमला ऐसे समय हुआ है जब रूस और यूक्रेन के बीच लंबी दूरी के हमले और तेज हो गए हैं। दोनों पक्ष हाल के दिनों में बड़े पैमाने पर ड्रोन हमले कर रहे हैं और ऊर्जा, औद्योगिक तथा सैन्य बुनियादी ढांचे को निशाना बना रहे हैं।

यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने आरोप लगाया कि रूसी सेना लगातार नागरिक और औद्योगिक ढांचे को निशाना बना रही है। उन्होंने दावा किया कि पिछले एक सप्ताह के दौरान रूस ने यूक्रेन के विभिन्न शहरों पर 1,550 से अधिक अटैक ड्रोन, लगभग 1,560 गाइडेड बम और 62 मिसाइलें दागी हैं।

दूसरी ओर, रिपोर्ट्स के मुताबिक रूसी रक्षा मंत्रालय ने कहा कि क्रिवी रिह स्थित धातुकर्म संयंत्र और कीव के कुछ सैन्य-औद्योगिक प्रतिष्ठान उसके निशानों में शामिल थे। रूस ने यह भी दावा किया है कि उसने यूक्रेन द्वारा दागे गए 822 ड्रोन को मार गिराया है।

आर्सेलरमित्तल क्रिवी रिह यूक्रेन की सबसे महत्वपूर्ण औद्योगिक परिसंपत्तियों में से एक है और वैश्विक इस्पात कंपनी आर्सेलरमित्तल का हिस्सा है, जो यूक्रेन के इस्पात उत्पादन और निर्यात में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। ऐसे में बिजली और ब्लास्ट फर्नेस से जुड़ी सुविधाओं को हुआ नुकसान उत्पादन क्षमता पर गंभीर असर डाल सकता है।

इस बीच, यूक्रेन ने भी रूस के भीतर ड्रोन हमलों की तीव्रता बढ़ा दी है। दोनों देशों के बीच जारी संघर्ष अब ऊर्जा प्रतिष्ठानों, उद्योगों और रणनीतिक ढांचों को अधिक व्यापक रूप से प्रभावित कर रहा है, जिससे क्षेत्रीय आर्थिक गतिविधियों पर भी असर पड़ने की आशंका बढ़ गई है।

सोशल मीडिया का असर, छात्रों में हार्मोन बिगाड़ने वाले प्रोडक्ट का बढ़ा उपयोग : रिसर्च

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। सोशल मीडिया आज सिर्फ मनोरंजन या दोस्तों से जुड़े रहने का जरिया नहीं रह गया है। खासकर किशोरों की रोजमर्रा की दिनचर्या का एक अहम हिस्सा बन गया है। अब एक नई रिसर्च ने सोशल मीडिया के एक और पहलू पर ध्यान खींचा है। अमेरिका में हुई इस स्टडी के मुताबिक, जो हाई स्कूल के छात्र सोशल मीडिया पर ज्यादा समय बिताते हैं और ब्यूटी, हेयर केयर या मेकअप से जुड़ा कंटेंट ज्यादा देखते हैं, वे पर्सनल केयर प्रोडक्ट्स का भी ज्यादा इस्तेमाल करते हैं। चिंता की बात यह है कि इनमें से कुछ प्रोडक्ट्स में ऐसे केमिकल हो सकते हैं जो शरीर के हार्मोन सिस्टम को प्रभावित कर सकते हैं।

यह रिसर्च अमेरिका के रटगर्स विश्वविद्यालय के शोधकर्ताओं ने की है और इसे 'जर्नल ऑफ एक्सपोजर साइंस एंड एनवायर्नमेंटल एपिडेमियोलॉजी' में प्रकाशित किया गया है। अध्ययन में न्यू जर्सी के प्रिंसटन हाई स्कूल के 143 छात्रों को शामिल किया गया। छात्रों से पूछा गया कि उन्होंने पिछले 24 घंटे में साबुन, शैंपू, डियोड्रेंट, परफ्यूम, सनस्क्रीन, स्किन केयर और मेकअप जैसे कितने पर्सनल केयर प्रोडक्ट्स इस्तेमाल किए।

रिसर्च में सामने आया कि सोशल मीडिया और ब्यूटी कंटेंट का इस्तेमाल जितना ज्यादा था, प्रोडक्ट्स का इस्तेमाल भी उतना ही ज्यादा था। जिन छात्रों ने ऐसे सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर्स को फॉलो किया था जिनकी अपनी प्रोडक्ट लाइन थी, उन्होंने पिछले 24 घंटे में औसतन 30 फीसदी ज्यादा प्रोडक्ट्स इस्तेमाल किए। वहीं, जो छात्र हेयर या ब्यूटी ट्यूटोरियल देखते थे, उनके बीच प्रोडक्ट इस्तेमाल करीब 40 फीसदी ज्यादा पाया गया। शोधकर्ताओं ने उम्र, जेंडर, कक्षा, जातीयता और माता-पिता की शिक्षा जैसे कई दूसरे कारकों को ध्यान में रखने के बाद भी यह संबंध देखा।

इस स्टडी की खास बात यह भी है कि इसमें हाई स्कूल के दो छात्रों, गैब्रिएल कपुटा और वीटा मॉस-वांग ने भी रिसर्च टीम के साथ काम किया। उन्होंने सर्वे तैयार करने में मदद की और सुझाव दिया कि इसमें छात्रों के सोशल मीडिया इस्तेमाल से जुड़े सवाल भी शामिल किए जाएं। बाद में दोनों इस वैज्ञानिक पेपर के सह-लेखक भी बने।

रिसर्च की प्रमुख लेखिका एमिली बैरेट के मुताबिक, सोशल मीडिया इस अध्ययन का सबसे दिलचस्प हिस्सा रहा। आमतौर पर सोशल मीडिया के बच्चों पर मानसिक स्वास्थ्य और सामाजिक विकास से जुड़े असर की चर्चा होती है, लेकिन यह अध्ययन एक दूसरी चिंता की तरफ इशारा करता है। सोशल मीडिया किशोरों को ऐसे पर्सनल केयर प्रोडक्ट्स ज्यादा इस्तेमाल करने के लिए प्रेरित कर सकता है जिनमें संभावित रूप से हार्मोन को प्रभावित करने वाले केमिकल मौजूद हो सकते हैं।

भुजंगासन : रीढ़, पाचन और फेफड़ों के लिए फायदेमंद कोबरा पोज

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। दिनभर दफ्तर में घंटों कंप्यूटर पर काम करने से हमारी रीढ़ की हड्डी कमजोर होना एक आम समस्या है। ऐसे में योग हमारे लिए संजीवनी का काम कर रहा है। भुजंगासन योग के उन चुनिंदा आसनों में से एक है जो रीढ़ की हड्डी को सही करने में कारगर है। यह पाचन सुधारने के साथ-साथ आत्मविश्वास भी बढ़ाता है।

भुजंगासन को अंग्रेजी में 'कोबरा पोज' भी कहते हैं। दरअसल, इस आसन को करने के दौरान धड़ का पोज फन फैलाए हुए सांप की तरह होता है, और यही इसकी खास पहचान है। भुजंगासन कोई साधारण योगासन नहीं है; यह पैरों की उंगलियों से लेकर सिर तक शरीर के हर हिस्से पर असर डालता है।

यह आसन न सिर्फ शरीर को बल्कि मन को भी शांत और ऊर्जावान बनाता है। भुजंगासन कोई साधारण योगासन नहीं है, यह पैरों की उंगलियों से लेकर सिर तक शरीर के हर हिस्से पर असर डालता है।

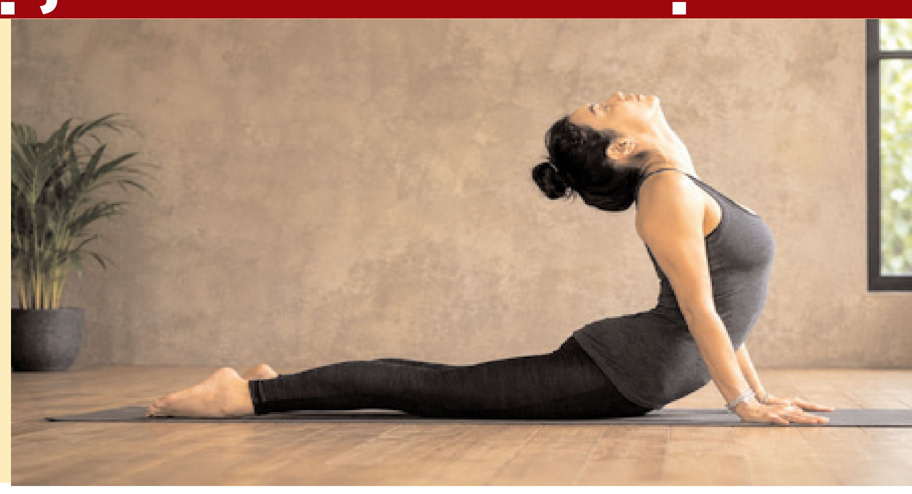

आयुष मंत्रालय के अनुसार, भुजंगासन (कोबरा पोज) पेट के बल लेटकर किया जाने वाला एक प्रमुख योगासन है। यह रीढ़ की हड्डी को मजबूत और लचीला बनाता, पाचन में सुधार करता, पीठ दर्द से राहत देता और फेफड़ों की क्षमता बढ़ाकर श्वास संबंधी समस्याओं में फायदेमंद है।

इस आसन के नियमित अभ्यास से किडनी पर जोर पड़ता है, जिससे किडनी में मौजूद विषाक्त पदार्थ निकलने लगते हैं और इसकी कार्यक्षमता में सुधार होता है। यह छाती, कंधों और पेट की मांसपेशियों को फैलाता है, जिससे शरीर में खिंचाव आता है और ताकत बढ़ती है। इसे करने से श्वसन तंत्र मजबूत होता है। इसके अलावा यह मानसिक तनाव और थकान को दूर करने में भी सहायक होता है। नियमित अभ्यास से मन शांत रहता है और शरीर में फुर्ती बनी रहती है।

भुजंगासन करने के लिए सबसे पहले पेट के बल सीधा लेट जाएं और पैरों के बीच थोड़ी दूरी रखें। अब अपने दोनों हाथों को धीरे-धीरे छाती के पास लाएं और हथेलियों को जमीन पर टिका दें। इसके बाद गहरी सांस लेते हुए अपनी नाभि के हिस्से को ऊपर उठाएं और सिर को पीछे की ओर ले जाते हुए ऊपर छत या आसमान की तरफ देखें। इस स्थिति में आपकी पीठ धीरे-धीरे ऊपर की (एक्सटेंशन पोजीशन में) ओर मुड़ेगी। इस मुद्रा में कुछ देर तक बने रहें और सामान्य रूप से सांस लेते रहें। फिर धीरे-धीरे वापस पहले वाली स्थिति में आ जाएं और कुछ समय के लिए शरीर को ढीला छोड़ दें।

आंध्र प्रदेश के भोगापुरम अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डे से शुरू हुई वाणिज्यिक उड़ानें, विशाखापट्टनम एयरपोर्ट

विश्व केसरी ■

विशाखापट्टनम। आंध्र प्रदेश के विजयनगरम जिले में विकसित अल्लूरी सीताराम राजू अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डा, भोगापुरम से सोमवार आधी रात के बाद वाणिज्यिक उड़ान सेवाएं औपचारिक रूप से शुरू हो गईं। इसके साथ ही विशाखापट्टनम हवाईअड्डे (आईएनएस डेगा) के सिविल एन्क्लेव से संचालित होने वाली सभी व्यावसायिक उड़ानें नए हवाईअड्डे पर स्थानांतरित कर दी गईं और दशकों पुराना विशाखापट्टनम एयरपोर्ट वाणिज्यिक विमानन इतिहास का हिस्सा बन गया।

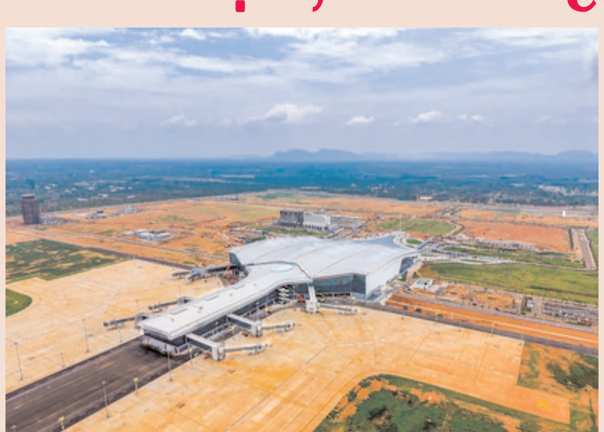

नागर विमानन मंत्रालय की अधिसूचना के अनुसार, 17 अगस्त को रात 12:01 बजे से विशाखापट्टनम एयरपोर्ट के सिविल एन्क्लेव की सभी व्यावसायिक सेवाएं बंद कर दी गईं और लगभग 45 किलोमीटर दूर स्थित भोगापुरम एयरपोर्ट पर शिफ्ट कर दी गईं। विशाखापट्टनम एयरपोर्ट का अंतरराष्ट्रीय एयर ट्रांसपोर्ट कोड 'वीटीजेड' भी अब भोगापुरम अंतरराष्ट्रीय ग्रीनफील्ड एयरपोर्ट को हस्तांतरित कर दिया गया है।

नए हवाईअड्डे से पहली अंतरराष्ट्रीय उड़ान स्कूट एयरलाइंस की सिंगापुर जाने वाली फ्लाइट रही, जिसने आधी रात के आसपास उड़ान भरी। वहीं पहली घरेलू उड़ान के रूप में इंडिगो की हैदराबाद से आने वाली फ्लाइट सुबह 6:45 बजे भोगापुरम पहुंची। एयरपोर्ट अधिकारियों, जीएमआर प्रतिनिधियों और जिला प्रशासन ने यात्रियों का स्वागत किया तथा उन्हें स्मृति चिन्ह के रूप में प्रसिद्ध एतिकोप्पाका खिलौने भेंट किए।

इसके बाद सुबह 7:30 बजे भोगापुरम एयरपोर्ट से पहली घरेलू उड़ान हैदराबाद के लिए रवाना हुई। दिन भर बेंगलुरु, दिल्ली और हैदराबाद सहित विभिन्न शहरों के लिए उड़ानों का संचालन किया गया।

दूसरी ओर, विशाखापट्टनम एयरपोर्ट पर भावुक माहौल देखने को मिला। कर्मचारियों ने रविवार रात दिल्ली जाने वाली इंडिगो फ्लाइट 6ई-2018 को विदाई दी, जो इस एयरपोर्ट से उड़ान भरने वाली अंतिम वाणिज्यिक उड़ान थी। रात 10:45 बजे उड़ान के रवाना होने के साथ ही एक लंबा विमानन अध्याय समाप्त हो गया।

द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान निर्मित और वर्ष 1962 में नागरिक उड़ानों के लिए खोले गए विशाखापट्टनम एयरपोर्ट ने क्षेत्र के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी।

हालांकि संचालन भोगापुरम स्थानांतरित होने से एयरपोर्ट से जुड़े करीब 1,000 लोगों के रोजगार पर असर पड़ा है। प्रभावित कर्मचारियों ने राज्य और केंद्र सरकार से वैकल्पिक रोजगार उपलब्ध कराने की मांग की है।

नागर विमानन मंत्रालय की अधिसूचना के मुताबिक, अगले 30 वर्षों तक विशाखापट्टनम एयरपोर्ट के सिविल एन्क्लेव में नियमित वाणिज्यिक उड़ानें संचालित नहीं होंगी। केवल राष्ट्रीय आपातकाल, भारतीय वायुसेना, अन्य सशस्त्र बलों, पुलिस अथवा विशेष सरकारी वीआईपी उड़ानों के लिए इसका उपयोग किया जा सकेगा।

शरीर में आयरन की कमी को न करें नजरअंदाज, बढ़ सकता है एनीमिया का खतरा

विश्व केसरी ■

मुंबई । शरीर में होने वाली हर छोटी परेशानी को हम अक्सर थकान, ज्यादा काम या नींद की कमी से जोड़ देते हैं। खासकर कमजोरी, चक्कर आना या थोड़ी दूर चलने पर सांस फूलना जैसी दिक्कतों को लोग सामान्य मान लेते हैं। लेकिन कई बार इन समस्याओं के पीछे शरीर में किसी जरूरी पोषक तत्व की कमी हो सकती है। आयरन भी ऐसा ही जरूरी पोषक तत्व है, जिसकी कमी धीरे-धीरे शरीर पर असर डाल सकती है।

आयरन हमारे शरीर के लिए इसलिए जरूरी है क्योंकि इसकी मदद से हीमोग्लोबिन बनता है। हीमोग्लोबिन खून में मौजूद एक जरूरी हिस्सा है, जो फेफड़ों से ऑक्सीजन लेकर शरीर के अलग-अलग हिस्सों तक पहुंचाता है। अगर शरीर में आयरन कम हो जाए, तो हीमोग्लोबिन भी कम हो सकता है। आयरन की कमी में व्यक्ति को हर समय थकान महसूस होती है। थोड़ा काम करने के बाद ही कमजोरी लगती है। कई बार सीढ़ियां चढ़ने या तेज चलने पर सांस भी फूलने लगती है। अगर आयरन की कमी लंबे समय तक बनी रहे, तो एनीमिया का कारण बन सकती है।

आयरन की कमी किसी भी व्यक्ति को हो सकती है, लेकिन कुछ स्थितियों में इसका जोखिम बढ़ जाता है। बच्चों और किशोरों के शरीर में विकास के दौरान आयरन की जरूरत बढ़ती है। वहीं मासिक धर्म के दौरान ज्यादा रक्तस्राव होने वाली महिलाओं में भी आयरन की कमी का खतरा रहता है।

गर्भावस्था के दौरान भी शरीर को ज्यादा आयरन की जरूरत होती है। इसी तरह अगर खाने में आयरन वाली चीजें पर्याप्त मात्रा में शामिल नहीं हैं, तो भी इसकी कमी हो सकती है। कुछ लोगों को पेट या आंत से जुड़ी बीमारी होती है, जिसकी वजह से खाना खाने के बाद आयरन शरीर में ठीक से नहीं पहुंच पाता। ऐसे मामलों में भी आयरन की कमी हो सकती है।

बार-बार ब्लड डोनेट करने या किसी ऑपरेशन के दौरान ज्यादा खून निकलने के बाद भी शरीर में आयरन कम हो सकता है।

लोअर बैक दर्द से राहत दिला सकता है शलभासन, नियमित अभ्यास से मिलेंगे कई लाभ

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। आजकल लंबे समय तक कुर्सी पर बैठकर काम करना, मोबाइल पर झुककर रहना और शारीरिक गतिविधि की कमी के कारण कमर और पीठ से जुड़ी परेशानियां आम होती जा रही हैं। ऐसे में योग शरीर को एक्टिव रखने का एक आसान तरीका हो सकता है। योग के कई आसनों में शलभासन (लोकस्ट पोज) को खास माना जाता है। यह आसन मुख्य रूप से पीठ, जांघों और हिप्स की मांसपेशियों को सक्रिय करता है।

शलभासन देखने में भले ही आसान लगे, लेकिन इसे करते समय शरीर के कई हिस्से एक साथ काम करते हैं। इस आसन में पेट के बल लेटकर पैरों को ऊपर उठाने का

प्रयास किया जाता है। इससे पीठ और कमर के आसपास की मांसपेशियां सक्रिय होती हैं। यही वजह है कि इसे बैक स्ट्रेंथ बढ़ाने वाले योगासनों में शामिल किया जाता है।

नियमित और सही तरीके से शलभासन का अभ्यास करने से पीठ की मांसपेशियों को मजबूत करने में मदद मिल सकती है। जिन लोगों को हल्का लोअर बैक दर्द या साइटिका जैसी समस्या रहती है, उनके लिए भी यह आसन उपयोगी हो सकता है, हालांकि किसी भी तरह के गंभीर दर्द या चोट की स्थिति में इसे खुद से करने के बजाय विशेषज्ञ की सलाह लेना बेहतर है।

शलभासन के दौरान पैरों को ऊपर उठाने से जांघों और हिप्स की मांसपेशियों पर भी काम होता है। नियमित अभ्यास शरीर के निचले हिस्से को मजबूत बनाने में मदद कर सकता है। अगर आपकी दिनचर्या में शारीरिक गतिविधि कम है, तो योग के साथ इसे शामिल करना शरीर को एक्टिव रखने का अच्छा तरीका हो सकता है।

शलभासन में पेट के बल लेटकर शरीर को उठाने के कारण छाती और सांस लेने की प्रक्रिया पर भी ध्यान जाता है। नियमित योग अभ्यास समग्र रूप से सांस लेने की क्षमता और श्वसन स्वास्थ्य को सपोर्ट कर सकता है। इसे करते समय सांस को रोकने के बजाय सामान्य और सहज तरीके से सांस लेना जरूरी है।

हाफ बटरफ्लाई पोज: रोज 5 मिनट करें, जकड़न, दर्द और खराब पोस्चर से मिलेगा छुटकारा

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। योग हमारे शरीर को स्वस्थ रखने के साथ-साथ मन को शांत और संतुलित रखने में प्रभावी होता हैं। योग के विभिन्न आसनों में 'अर्ध तितली' आसन एक सरल और उपयोगी आसन माना जाता है। इसके नियमित अभ्यास से चुस्ती-फुर्ती आती है और लंबे समय तक बैठने से होने वाली जकड़न भी कम होने में सहायता मिलती है।

इस आसन को अंग्रेजी में हाफ बटरफ्लाई पोज भी कहते हैं। यह आसन शरीर को खींचने, मजबूत करने और लंबा करने में मदद करता है। इससे कुल्हे और हैमस्ट्रिंग खुलने में मदद मिलती है, जांघों के अंदरूनी हिस्से, ग्रोइन और घुटनों में अच्छी तरह से खिंचाव आता है। साथ ही, रीढ़ की हड्डी लंबी होती है और उसमें लचीलापन बढ़ता है। यह आसन शरीर को लचीला बनाता है।

आयुष मंत्रालय के अनुसार, अर्ध तितली आसन (हाफ बटरफ्लाई पोज) एक महत्वपूर्ण सूक्ष्म व्यायाम है। इसमें एक पैर को जांघ पर रखकर घुटने को ऊपर-नीचे चलाया जाता है। इससे रिलैक्सेशन मिलता है, शरीर की कसी हुई मांसपेशियां ढीली होती है और पैरों की मांसपेशियों में मजबूती आती है।

मेडिटेशन से पहले करने के लिए यह बहुत बढ़िया अभ्यास है। इसे रोजाना करने से बैठने का पोस्चर सुधरता है और पुराने दर्द में भी आराम मिलता है। ये आसन उन लोगों के लिए खास फायदेमंद है, जिन्हें पालथी मारकर बैठने में दिक्कत होती है। आधा तितली आसन को हर दिन सुबह और शाम करने से सिर्फ पीठ को आराम ही नहीं मिलता, बल्कि शरीर में लचीलापन भी बढ़ता है और मेडिटेशन करने में मदद मिलती है। इस आसन को करना बेहद आसान है। इसे करने के लिए सबसे पहले जमीन पर पीठ और दोनों टांगें सीधी करके बैठें। अब दाएं पैर को मोड़कर बाएं पैर की जंघा के ऊपर रखें।

गीतिका जाखड़ः अर्जुन अवॉर्ड से सम्मानित होने वालीं पहली भारतीय महिला पहलवान, कॉमनवेल्थ गेम्स में जीता सिल्वर मेडल

एजेंसी ■

नई दिल्ली। गीतिका जाखड़ की गिनती भारत की मशहूर महिला पहलवानों में की जाती है। महज 13 साल की उम्र में अखाड़े में कदम रखने वालीं गीतिका को पहलवानी का खेल विरासत में मिला। गीतिका ने एशियाई खेलों के साथ-साथ कॉमनवेल्थ गेम्स में भी देश के लिए शानदार प्रदर्शन किया।

गीतिका का जन्म 18 अगस्त, 1985 को हरियाणा के हिसार जिले के अग्रोहा गांव में हुआ। गीतिका के घर में शुरुआत से ही खेलकूद का माहौल था। उनके दादा खुद पहलवान रहे जबकि पिता स्पोर्ट्स अफसर थे। गीतिका को भी बचपन से ही इस खेल से खास लगाव हो गया और उन्होंने 13 साल की उम्र में पहली बार अखाड़े में कदम रखा। महज 15 साल की उम्र में गीतिका ने भारत केसरी का खिताब अपने नाम किया और अगले 9 साल लगातार इस खिताब को जीतने में सफल रहीं। इसके बाद गीतिका ने पीछे मुड़कर नहीं देखा।

2003 और 2005 के कॉमनवेल्थ चैंपियनशिप में गीतिका का जलवा देखने को मिला और वह गोल्ड मेडल जीतने में कामयाब रहीं। वहीं, साल 2007 में उन्होंने सिल्वर मेडल पर कब्जा जमाया। नेशनल गेम्स में दमदार प्रदर्शन के लिए गीतिका को 'भीम पुरस्कार' से भी नवाजा गया। पहलवानी के खेल में देश का नाम रोशन करने के लिए गीतिका को साल 2006 में भारतीय सरकार द्वारा 'अर्जुन पुरस्कार' से सम्मानित किया गया। वह यह पुरस्कार पाने वाली पहली भारतीय महिला पहलवान बनीं।

गीतिका का एशियाई खेलों में भी दबदबा रहा। उन्होंने 2006 में सिल्वर मेडल अपने नाम किया, जबकि 2014 में हुए एशियन गेम्स में ब्रॉन्ज मेडल जीता। साल 2007 में गीतिका नेशनल गेम्स और सीनियर नेशनल चैंपियनशिप में गोल्ड मेडल जीतने में सफर रहीं। गीतिका को 2009 में कल्पना चावला उत्कृष्टता पुरस्कार से भी सम्मानित किया गया। 2011 में गीतिका नेशनल चैंपियनशिप जीतने वाली सबसे कम उम्र की पहलवान बनीं। 2014 में हुए कॉमनवेल्थ गेम्स में गीतिका ने दमदार प्रदर्शन करते हुए सिल्वर मेडल अपने नाम किया। गीतिका ने साल 2019 में हरियाणा पुलिस में डीसपी पद पर रहते हुए विश्व कुश्ती खेल (पुलिस) में 60 किलोग्राम में सिल्वर मेडल जीता।

मैनचेस्टर सुपर जायंट्स ने पहली बार जीता 'द हंड्रेड' का खिताब, फाइनल में ट्रेंट रॉकेट्स को 5 विकेट से हराया

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। मैनचेस्टर सुपर जायंट्स ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए 'द हंड्रेड' का खिताब पहली बार अपने नाम किया। फाइनल मुकाबले में मैनचेस्टर ने ट्रेंट रॉकेट्स को 5 विकेट से हराया।

ट्रेंट रॉकेट्स से मिले 159 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी मैनचेस्टर सुपर जायंट्स की शुरुआत दमदार रही। पहले विकेट के लिए टिम सीफर्ट और पॉल वाल्टर ने मिलकर 66 रन जोड़े। वाल्टर 14 गेंदों का सामना करने के बाद 22 रन बनाकर आउट हुए। वहीं, नंबर तीन पर बल्लेबाजी करने उतरे कप्तान जोस बटलर ने 14 गेंदों में 3 छक्कों की मदद से 23 रन बनाए। हेनरिक क्लासेन ने 11 रनों का योगदान दिया, जबकि माइकल ब्रेसवेल बिना खाता खोले पवेलियन लौटे। हालांकि, सीफर्ट एक छोर को संभालकर खड़े रहे और उन्होंने ताबड़तोड़ अंदाज में बल्लेबाजी करते हुए महज 38 गेंदों पर 72 रनों की दमदार पारी खेली। अपनी इस पारी के दौरान सीफर्ट ने 4 चौके और 7 छक्के लगाए। उनकी इस शानदार पारी के दम पर मैनचेस्टर सुपर जायंट्स ने लक्ष्य को 2 गेंद शेष रहते हुए ही हासिल कर लिया। सीफर्ट को उनकी पारी के लिए 'प्लेयर ऑफ द मैच' चुना गया। गेंदबाजी में ट्रेंट रॉकेट्स की तरफ से मोहम्मद आमिर ने 29 रन देकर 3 विकेट चटकाए। इससे पहले, ट्रेंट रॉकेट्स की ओर से पारी का आगाज करने उतरी बेन डकेट और फिन एलन की सलामी जोड़ी ने 48 रन जोड़े। एलन 15 रन बनाकर आउट हुए, जबकि डकेट ने 24 गेंदों में 31 रनों का योगदान दिया। एनेउरिन डोनाल्ड ने सिर्फ 19 गेंदों का सामना करते हुए 38 रनों की दमदार पारी खेली। सैम बिलिंग्स 4 रन ही बना सके, जबकि टिम डेविड बिना खाता खोले पवेलियन लौटे। मिचेल सैंटनर 20 रन बनाकर नाबाद रहे। लुईस ग्रेगरी ने अंत के ओवरों में 200 के स्ट्राइक रेट से खेलते हुए 16 गेंदों में 32 रन बनाए और अपनी को टीम को 8 विकेट खोकर 158 रनों के स्कोर तक पहुंचाने में अहम भूमिका निभाई।

अमेरिका ने लगातार तीसरी बार अंडर-19 महिला टी20 विश्व कप में जगह पक्की की

विश्व केसरी ■

केमैन आइलैंड्स। अमेरिका ने केमैन आइलैंड्स में हुए अमेरिका क्वालीफायर 2026 में शानदार जीत हासिल करके आईसीसी अंडर-19 महिला टी20 वर्ल्ड कप में लगातार तीसरी बार अपनी जगह पक्की कर ली है। सीनियर इंटरनेशनल खिलाड़ी और अंडर-19 टी20 वर्ल्ड कप 2025 टीम की सदस्य चेतना पगिड्याला की कप्तानी में अमेरिका ने अपने सभी छह मैच जीतकर बेहतरीन प्रदर्शन किया अमेरिका की टीम दूसरे स्थान पर रही और उन्होंने कनाडा से छह अंक ज्यादा आर्जित किए। अंडर-19 महिला टी20 विश्व कप 2027 का आयोजन बांग्लादेश और नेपाल की संयुक्त मेजबानी में होना है। भारत इस प्रतियोगिता के दोनों पिछले संस्करण जीतकर डिफेंडिंग चैंपियन के तौर पर इसमें उतरेगा। अमेरिका ने वेस्ट बे के जिमी पॉवेल ओवल में पहले ही दिन कनाडा पर 8 विकेट से जीत के साथ अपनी स्थिति मजबूत कर ली। अनुशासित गेंदबाजी के दम पर अमेरिका ने कनाडा को सिर्फ 65 रनों के स्कोर पर रोका। टीम की तरफ से महक देसाई और सान्वी इम्मादी ने तीन-तीन विकेट चटकाए। इसके बाद अमेरिका ने 11 ओवर में ही लक्ष्य को हासिल कर लिया। टीम ने पूरे टूर्नामेंट में अपना दबदबा बनाए रखा। उन्होंने कनाडा के खिलाफ दूसरी जीत के साथ क्लीन स्वीप किया और साथ ही अर्जेंटीना और 'नेक्स्टजेन इलेवन' (एक क्षेत्रीय मिली-जुली टीम) के खिलाफ भी जीत हासिल की।

'13 साल बाद माता-पिता लाइव खेलते देख रहे', बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड चैंपियनशिप के पहले राउंड की जीत को अर्जुन-हरिहरन ने बताया खास

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। एम आर अर्जुन के लिए सोमवार को बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड चैंपियनशिप के ओपनिंग राउंड में मिली जीत सिर्फ अगले राउंड में पहुंचने से कहीं ज्यादा मायने रखती थी। इंदिरा गांधी इंडोर स्टेडियम के स्टैंड्स से अर्जुन को उनके माता-पिता और पत्नी ने लाइव खेलते हुए देखा, जिसे भारतीय शटलर ने बेहद खास पल बताया है।

अर्जुन का कहना है कि इस पल को देखकर उन्हें कुछ ऐसा महसूस हुआ, जो 13 साल में आज तक नहीं हुआ था। अर्जुन ने हरिहरन अमसाकरुणन के साथ मिलकर आयरलैंड के स्कॉट गिल्डिया और पॉल रेनॉल्ड्स को ओपनिंग राउंड के मुकाबले में 21-16, 6-4 से हराने के बाद कहा, 'मेरे माता-पिता और मेरी पत्नी यहां हैं। शायद 13 साल बाद मेरे माता-पिता मुझे लाइव खेलते देख रहे हैं।'

जिस व्यक्ति के पिता कभी उन्हें उनके जूनियर मैचों के लिए देशभर में ले जाते थे, उनके लिए माता-पिता का स्टैंड्स में वापस आना नतीजे से कहीं ज्यादा मायने रखता था। अर्जुन ने बताया कि उनके पिता बचपन से ही उनका पूरा साथ देते आए हैं। जब वह करीब 8 साल के थे, तब उनके पिता उन्हें हर जूनियर मैच में लेकर जाते थे। हालांकि, बाद में अर्जुन को लगा कि उन्हें अकेले खेलना और यात्रा करना ज्यादा पसंद है। उन्होंने कहा कि कई बार माता-पिता और कोच की अपनी राय होती है, जो हर बार खिलाड़ी के लिए सही नहीं होती।

हालांकि, उनके पिता हमेशा उनके खेल पर नजर रखते हैं। वे उनके सभी मैच देखते हैं और पूरा प्रदर्शन फॉलो करते हैं, लेकिन ज्यादा दखल नहीं देते। मैच के बाद अर्जुन उनसे बात करते हैं, और उनके पिता बताते हैं कि उन्होंने मैच देखा है। अर्जुन के लिए यह हमेशा एक खास एहसास रहता है कि उनके पिता हर समय उनका समर्थन करते हैं। अर्जुन ने खुशी जताई कि उनके पिता ने इस मुकाबले में उन्हें लाइव खेलते देखा।

अर्जुन और हरिहरन को वर्ल्ड चैंपियनशिप के ओपनिंग मैच के सामान्य दबाव का सामना करने की उम्मीद थी, लेकिन घरेलू दर्शकों की प्रतिक्रिया ने उन्हें चौंका दिया। भारतीय समर्थक ओपनिंग सेशन के लिए भी बड़ी संख्या में आए थे, जिससे ऐसा माहौल बना जिसे जोड़ी ने लगभग तुरंत महसूस किया। अर्जुन ने कहा, 'असल में, यह बहुत अच्छा रहा।

वर्ल्ड चैंपियनशिप के पहले राउंड में हमें उम्मीद नहीं थी कि इतने सारे लोग हमें सपोर्ट करने आएंगे, लेकिन जैसे ही हम मेन एरीना में पहुंचे और हमारे नाम अनाउंस हुए, तो लोगों ने जोरदार चीयरिंग की। इससे हमें अतिरिक्त बूस्ट और एनर्जी मिली। इससे निश्चित रूप से मदद मिली।

रूट को टेस्ट कप्तान बनाने का फैसला सही, मैं उनका पूरा समर्थन करूंगा : हैरी ब्रूक

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। बेन स्टोक्स और ब्रेंडन मैकुलम के जाने के बाद इंग्लैंड एक नए दौर में प्रवेश कर रहा है। ऐसे में हैरी ब्रूक ने टेस्ट टीम के नए कप्तान के तौर पर जो रूट की वापसी का समर्थन किया है। इंग्लैंड 19 अगस्त से शुरू होने वाली तीन मैचों की टेस्ट सीरीज में पाकिस्तान का सामना करने के लिए तैयार है और रूट फिर से कप्तानी संभालते नजर आएंगे।

स्टोक्स के संन्यास के समय टेस्ट में उपकप्तान की भूमिका निभा रहे हैरी ब्रूक ने रूट को फिर से कप्तान बनाने और वेलिंगटन में नाइट क्लब की घटना के कारण टेस्ट टीम की कप्तानी गंवाने की संभावना पर बात की। उन्होंने 'बीबीसी स्पोर्ट' से कहा, 'सच कहूं तो मुझे नहीं पता। मैं इसे उस नजरिए से नहीं देखता। रूट को कप्तान बनाने का फैसला सही है। मैं यह देखने के लिए बहुत उत्साहित हूं कि वह क्या कर सकते हैं। वह निश्चित रूप से इस काम को संभालने के लिए सही व्यक्ति हैं। मैं उनके साथ काम करने के लिए बहुत उत्सुक हूं।'

ब्रूक इंग्लिश टीम के व्हाइट-बॉल कप्तान हैं और 8 सितंबर, 2022 को टेस्ट डेब्यू करने के बाद से उन्होंने इस फॉर्मेट में सबसे ज्यादा रन बनाए हैं। पाकिस्तान और न्यूजीलैंड के दौरों पर उनका शानदार प्रदर्शन रहा, जहां टेस्ट में उनका औसत क्रमशः 84.10 और 75.44 रहा।

बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड चैंपियनशिपः 'धीरे-धीरे ठीक हो रही हूं,' टखने की चोट के बावजूद जीत के साथ यंग के अभियान की शुरुआत

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। वर्ल्ड नंबर 1 खिलाड़ी एन से यंग ने सोमवार को बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड चैंपियनशिप में जीत के साथ अपने अभियान की शुरुआत करते हुए बुल्गारिया की कैलोयाना नालबांतोवा को 21-14, 21-13 से शिकस्त दी। इस स्टार खिलाड़ी ने बताया है कि वह अभी भी टखने की चोट से जूझ रही हैं।

23 वर्षीय शटलर मैच के बाद टखने पर बर्फ से सिकाई करती नजर आईं। हालांकि, साउथ कोरियन खिलाड़ी थोड़ी तकलीफ के बावजूद अपने शरीर की स्थिति से खुशी हैं। जीत के बाद यंग ने पत्रकारों से कहा, 'मैं वापस आकर बहुत खुश हूं। शारीरिक रूप से भी सब ठीक है, इसलिए अब मुझे उम्मीद है कि अगले मैच में और बेहतर करूंगी। थोड़ा दर्द है, लेकिन मैं अपनी लय में वापस आना

चाहती हूं, इसलिए उम्मीद है कि सब ठीक रहेगा और अच्छा नतीजा मिलेगा। हालांकि, ठीक होने की प्रक्रिया जारी है।

चोट के बारे में और क्या वह पूरी तरह ठीक हो गई हैं, इस सवाल पर यंग ने संक्षेप में जवाब में कहा, 'ठीक होने में समय लग रहा है।'

यंग के लिए टखने की चोट अभी भी चिंता का विषय बनी हुई है। मौजूदा वर्ल्ड नंबर 1 खिलाड़ी को पूरी तरह से फिट होने के लिए और समय चाहिए। उन्होंने कहा, 'मुझे अपनी चोट से ठीक होने के लिए और समय चाहिए। मुझे लगता है कि अगले मैच तक इसमें सुधार होगा। चोट के बावजूद यंग ने नालबांतोवा के खिलाफ शानदार और संयमित खेल दिखाते हुए सीधे गेम में जीत हासिल की। हालांकि, वह इस मैच को आसान नहीं मानतीं। उन्होंने अपनी प्रतिद्वंद्वी के आक्रामक खेल की तारीफ करते हुए कहा, 'मुझे लगता है कि मेरे लिए कोई भी टूर्नामेंट आसान नहीं होता, आज भी ऐसा ही था। उनके शॉट्स और अटैक बहुत जबरदस्त थे, लेकिन मैं शांत रहने की कोशिश करती हूं, और हर शॉट का डटकर सामना करती हू।

एन के लिए, टूर्नामेंट आगे बढ़ने के साथ-साथ अपना संयम बनाए रखना और भी जरूरी हो सकता है। वर्ल्ड चैंपियनशिप ऐसे समय में हो रही है जब कैलेंडर बहुत व्यस्त है। भले ही उन्होंने शेड्यूल की चुनौती को स्वीकारा, लेकिन इस बात पर जोर दिया कि उनका ध्यान मुकाबले पर तो होना ही चाहिए।

सिनसिनाटी ओपनः सैमसनोवा को हराकर तीसरे राउंड में पहुंचीं कोको गॉफ, सबालेंका ने भी दर्ज की जीत

विश्व केसरी■

सिनसिनाटी । चौथी वरीयता प्राप्त खिलाड़ी कोको गॉफ ने सिनसिनाटी ओपन के तीसरे राउंड में अपनी जगह बना ली है। उन्होंने एक सेट हारने के बाद शानदार वापसी करते हुए ल्यूडमिला सैमसनोवा को 2-6, 6-4, 6-1 से हराया।

यह इस सीजन में उनकी 10वीं ऐसी जीत थी जिसमें उन्होंने एक सेट हारने के बाद वापसी करते हुए तीन सेटों में जीत हासिल की है। ??इसके साथ ही उन्होंने 2026 में टूर पर ऐसी सबसे ज्यादा जीत के मामले में अपनी ही देश की खिलाड़ी जेसिका पेगुला की बराबरी कर ली। सैमसनोवा के पहला सेट 6-2 से जीतने के बाद गॉफ ने दूसरे सेट के 10वें गेम में एक अहम ब्रेक हासिल किया और मैच को निर्णायक सेट तक ले गईं। डब्ल्यूटीए की रिपोर्ट के अनुसार,

2023 की चैंपियन ने तीसरे सेट में दबदबा बनाए रखा और आखिरी पांच गेम जीतकर 2 घंटे 6 मिनट तक चले मुकाबले में शानदार जीत दर्ज की।

यह जीत 2026 में हार्ड कोर्ट पर गॉफ की 20वीं जीत है। वह इस साल का अपना पहला डब्ल्यूटीए खिताब जीतने की कोशिश में जुटी हुई हैं। हार्ड कोर्ट पर उनका अब तक का सबसे अच्छा प्रदर्शन मियामी ओपन में रहा है, जहां वह उपविजेता रही थीं। अगले राउंड (राउंड ऑफ 16) में जगह बनाने के लिए गॉफ का मुकाबला 28वीं वरीयता प्राप्त अमेरिकी खिलाड़ी एन ली से होगा। हेड-टू-हेड रिकॉर्ड में गॉफ 3-0 से आगे हैं और उन्होंने पिछली तीनों भिड़ंत में एन ली के खिलाफ सीधे सेटों में जीत दर्ज की है।

दुनिया की नंबर 1 खिलाड़ी आर्यना सबालेंका ने मौसम की वजह से हुई थकान से जूझते हुए 1 घंटे 52 मिनट में 6-2, 7-6 (2) से जीत हासिल की और तीसरे राउंड में जगह बनाई। यह टूर लेवल पर उनकी लगातार 24वीं ओपनिंग मैच जीत रही। सबालेंका का अगला मुकाबला डब्ल्यूटीए स्तर पर दूसरी बार वांग जिन्यू से होगा। हेड-टू-हेड में वह 1-0 से आगे हैं। सबालेंका और वांग जिन्यू की एकमात्र भिड़ंत ऑस्ट्रेलियन ओपन 2022 में हुई थी, जहां सबालेंका ने एक सेट हारने के बाद वापसी करते हुए तीन सेटों में जीत हासिल की थी।

स्वात्वधिकारी राइवल्स मीडिया प्राइवेट लिमिटेड के लिए, मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक सुजीत कुमार द्वारा डीबी कार्प लिमिटेड प्लाट नंबर 40/44 इण्डस्ट्रियल एरिया बीरगांव रोड़ उरला रायपुर छत्तीसगढ़ से मुद्रित और 30, मीडिया सीटी, हीरापुर रोड, मोहबा बाजार, टाटीबंध रायपुर छत्तीसगढ़- 492099,स्थानीय कार्यालय B-87A गायत्री नगर, शंकर नगर जगन्नाथ मंदिर के पास रायपुर छ.ग. 492004 से प्रकाशित संपादक : सुजीत कुमार (पीआरबी एक्ट के अनुसार समाचार पत्र चयन एवं संपादन के लिए उत्तरदायी। नोट किसी भी विवाद के निपटारे के लिए न्यायक्षेत्र रायपुर होगा) मोबाइल 9425509753 ई-मेल: vishwakesari2026@gmail.com,आर.एन.आई.नं. CTHIN/26/A6251